THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

सरकारी वकीलों की गैरहाजिरी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी वकीलों के अलग-अलग मामलों की सुनवाई से गायब रहने पर कड़ी नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि हमें सरकारी अधिकारियों को यहां बुलाकर कोई खुशी नहीं मिलती है। एक दिव्यांग मेडिकल अभ्यर्थी के प्रवेश को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकार के लापरवाह रवैये पर न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने चिंता जताई। इस मामले में बुधवार को वकील के अनुपस्थित रहने पर कोर्ट ने केंद्र के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के महानिदेशक को उपस्थित होने का आदेश दिया था।

वर्ष-29 अंक : 261 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.13 2081 शुक्रवार, 13 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

‘एक राष्ट्र एक चुनाव’ विधेयक को मंजूरी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ‘एक राष्ट्र एक चुनाव’ विधेयक को मंजूरी दे दी। अब केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में इसे सदन में पेश कर सकती है।

इससे पहले ‘एक देश, एक चुनाव’ पर बनी कोविंद समिति की रिपोर्ट को 18 सितंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी

प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का जिक्र किया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है। ये विचार इस पर आधारित है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा यानी आम चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव लोकसभा चुनाव से ऐन पहले हुए तो लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह महीने के भीतर हरियाणा, जम्मू कश्मीर में चुनाव हुए। इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव कराए गए। अब दिल्ली में चुनाव कराने की तैयारी की जा रही है। दरअसल, एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है।

यूपीए में बैंक गांधी परिवार के दोस्तों के एटीएम थे : सीतारमण

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकारी बैंकों को लेकर राहुल गांधी के बयान पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार किया है। वित्त मंत्री ने कहा- राहुल का बयान बेबुनियाद हैं। उन्हें यूपीए सरकार की याद करनी चाहिए, जब सरकारी बैंक गांधी फैमिली के दोस्तों के एटीएम हुआ करते थे।

दरअसल, वित्त मंत्री का यह बयान तब आया जब राहुल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मोदी सरकार पर सरकारी बैंकों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। राहुल ने कहा था कि सरकारी बैंकों का निर्माण इसलिए किया गया था ताकि गरीबों को लोन मिल सके, लेकिन आज केंद्र सरकार में इन बैंकों का इस्तेमाल सिर्फ अमीरों के फाइनेंसर के तौर पर रह गया है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : धार्मिक स्थलों पर नए मुकदमे नहीं दायर किए जाएंगे

> न ही सर्वेक्षण का आदेश दिया जाएगा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों या तीर्थस्थलों के संबंध में कोई नया मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है या जिला अदालतों द्वारा सर्वेक्षण का आदेश तब तक नहीं दिया जा सकता है जब तक कि उपासना स्थल अधिनियम,

1991 की वैधता से संबंधित मामला उसके समक्ष लंबित है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या अन्य लोगों के लिए इस पर अपना हाथ नहीं डालना उचित नहीं होगा।” शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि नए मुकदमे दायर किए जा सकते हैं लेकिन उन्हें पंजीकृत नहीं किया जाएगा और जिला अदालतों द्वारा कोई प्रभावी आदेश पारित नहीं किया जाएगा। साथ ही शीर्ष अदालत ने 1991 के कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को चार सप्ताह का और समय दिया। याचिकाओं के एक समूह पर विचार करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि कानून के क्रियान्वयन की मांग करने वाली याचिका पर भी केंद्र द्वारा कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। नवगठित पीठ ने नए मुकदमों पर विचार करने पर रोक लगाने के आदेश के विरोध को खारिज कर दिया। कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पेश वकीलों ने इस आदेश का विरोध किया था। पीठ ने कहा, “मुकदमे दायर किए जाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती।

जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या दूसरों के लिए इस पर रोक लगाना उचित नहीं होगा। जब तक हम मामले की जांच नहीं कर लेते, तब तक कोई प्रभावी आदेश या सर्वेक्षण आदेश पारित नहीं किया जा सकता।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश : 60 विपक्षी सांसदों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया। उच्च सदन में विपक्षी नेताओं के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में यह विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस विशेषाधिकार प्रस्ताव को 60 विपक्षी नेताओं का समर्थन मिला है और इन विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने

कहा कि कल सदन में विपक्ष को संबोधित करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि आप सभी इस सदन में रहने के योग्य नहीं हैं। संसदीय कार्य मंत्री को संसद को सुचारू रूप से चलाने पर फोकस करना चाहिए, लेकिन वे इसके बजाय बार-बार विपक्ष का अपमान कर रहे हैं। घोष ने कहा कि किरेन रिजिजू ने विपक्षी सदस्यों का अपमान किया है और संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह विपक्षी सांसदों के खिलाफ व्यक्तिगत शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह पूरी तरह से अनुचित है और वे अपने पद का दुरूपयोग कर रहे हैं। गौरतलब है कि विपक्षी सांसद ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। जिस पर बुधवार को प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी सासंदों पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी सांसद सदन में रहने के योग्य नहीं हैं।

अदाणी मुद्दे पर संसद के अंदर तख्तियां लेकर पहुंचे विपक्षी नेता

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अदाणी मुद्दे पर संसद भवन के अंदर विपक्ष का प्रदर्शन जारी है। विपक्षी दलों के नेता गुरुवार को तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, जिसमें लिखा था- देश बिकने नहीं देंगे।

इसके साथ ही उन्होंने अदाणी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति की मांग को दोहराने के लिए नारेबाजी भी की।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस, द्रमुक और लेफ्त पार्टियों के सांसदों ने संविधान सदन के सामने मकर द्वार के पास तख्तियां लेकर एकजुट हुए।

वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस में मुंह छिपाता हूं : गडकरी

> दुनिया में सड़क हादसों का सबसे गंदा रिकॉर्ड हमारा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि जब भी मैं किसी अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शामिल होने जाता हूं और वहां सड़क हादसों को लेकर बात होती है, तो मैं अपना मुंह छुपाने की कोशिश करता हूं। लोकसभा में सड़क हादसों पर चर्चा के दौरान

गडकरी ने कहा कि दुनिया में सड़क हादसों को लेकर सबसे खराब रिकॉर्ड हमारा है। स्वीडन रोड एक्सीडेंट को जीरो पर ले आया है, और भी बहुत से देशों ने इसे कम किया है। मैं बहुत ट्रांसपेरेंट हूं इसलिए बता रहा हूं कि जब मैंने सड़क परिवहन मंत्रालय का जिम्मा संभाला था, तो मैंने 2024 तक सड़क हादसों और इससे होने वाले मौतों को 50 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखा था। एक्सीडेंट कम करना तो भूल जाइए। मुझे तो ये स्वीकार करने में भी कोई शर्म नहीं है कि ये बढ़ गए हैं। इसलिए किसी भी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सड़क हादसों पर चर्चा होने पर मैं मुंह छिपाने की कोशिश करता हूं। प्रश्नकाल के दौरान सवाल का जवाब देते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में हालात तब बदलेंगे जब इंसानी व्यवहार और समाज में बदलाव आएगा और कानून के प्रति सम्मान होगा। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि कुछ साल पहले उनके और उनके परिवार का एक बड़ा सड़क हादसा हुआ था, जिसमें उन्हें लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा। उन्होंने कहा, भगवान की कृपा से मैं और मेरा परिवार बच गए।

तटरक्षक बल ने 78 बांग्लादेशी मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलकाता, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में हाल के समय में तनाव बढ़ता जा रहा है, और अब भारतीय तटरक्षक बल द्वारा बांग्लादेशी मछुआरों की गिरफ्तारी और उनके ट्रॉलरों के जब्त होने की घटना ने इस तनाव को और बढ़ा दिया है। भारतीय जल क्षेत्र में अवैध मछली पकड़ने के आरोप में भारतीय तटरक्षक बल ने 9 दिसंबर को 78 बांग्लादेशी मछुआरों को गिरफ्तार किया और दो बांग्लादेशी ट्रॉलरों को जब्त कर लिया। भारतीय तटरक्षक बल के जहाज “अमोघ” ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधियां देखीं।

दिल्ली की महिलाओं के लिए अरविंद केजरीवाल ने किया बड़ा ऐलान

हर महीने खाते में आएंगे 2100 रुपये

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं को लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों के लिए दो बड़ी घोषणाएं करने आया हूं। दोनों दिल्ली की महिलाओं के लिए हैं। मैंने वादा किया था कि हर महिला के अकाउंट में 1000 रुपये देंगे। दिल्ली की कैबिनेट ने इसे पास कर दिया है। ये योजना दिल्ली में लागू हो गयी है।

चुनाव बाद सरकार देगी 2100 रुपये

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस योजना का लाभ लेने के लिए अब महिलाओं को रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद महिलाओं के अकाउंट में पैसे आने लगेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की महिलाओं को चुनाव के बाद 2100 रुपये प्रति महीने दिए जाएंगे। कल से 2100 रुपये प्रति माह के लिए पंजीकरण शुरू होगा। हालांकि अरविंद केजरीवाल ने माना कि इस योजना का लाभ महिलाओं को अभी नहीं मिलेगा। चुनाव के बाद अगर उनकी पार्टी सरकार बनती है तो पैसे मिलेंगे।

महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपये

पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी वाले कहते हैं कि पैसे कहां से आएंगे। फ्री बिजली जब मैं दे रहा था तो वे तब भी यही कहते थे। मैं जो बोलता हूं वो करता हूं। योजना लागू कर दिया लेकिन चुनाव के बाद अकाउंट में पैसे आएंगे। केजरीवाल ने कहा कि शुक्रवार से इसके लिए रजिस्ट्रेशन चालू होगा। ये रजिस्ट्रेशन 1000 रुपये का नहीं बल्कि 2100 रुपये लिए होगा। चुनाव के बाद आपके एकाउंट में 1000 रुपये नहीं बल्कि 2100 रुपये आएंगे। चुनाव जीतने बाद जब हमारी सरकार बनेगी तो महिलाओं के खाते में हर महीने 2100 रुपये भेजे जाएंगे। बीजेपी वाले पूछे तो बता देना कि मेरा भाई जादूगर है। एक छड़ी घुमाएगा और पैसा ले आएगा।

जेल जाने से योजना लागू करने में देरी हुई

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने मार्च में इस योजना की घोषणा की थी। सोच रहा था कि अप्रैल-मई में इसे लागू कर देंगे लेकिन मुझे जेल में भेज दिया। इसलिए देर हो गयी। लोग कहते हैं कि इस इस योजना से दिल्ली की सरकार पर बोझ पड़ेगा। लेकिन मुझे लगता है कि इससे बरकत होगी। महिलाओं का आशीर्वाद मिलेगा।

गोपाल राय ने कही ये बात

दिल्ली सरकार की 'महिला सम्मान योजना' पर मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह महिलाओं के लिए बहुत बड़ी घोषणा है। दिल्ली में इसे मार्च में बजट में पास किया गया था लेकिन इसे रोकने के लिए अरविंद केजरीवाल को जेल भेज दिया गया। इसे रोकने के लिए काफी समय से प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन आज हमें एक बड़ी सफलता मिली जब कैबिनेट ने इस योजना को दिल्ली में लागू कर दिया। गोपाल राय ने कहा कि बीजेपी की 20 राज्यों में सरकार है लेकिन वे मुफ्त बिजली नहीं देते, हम देते हैं। वे मुफ्त पानी नहीं देते, हम देते हैं।

आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई, 35 टीमें कई जिलों में कर रहीं छानबीन

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। आयकर रिटर्न में आनाकानी करने वालों पर आयकर विभाग ने शिकंजा कसा है, करीब तीन दर्जन टीमें लखनऊ, हरदोई, मुरादाबाद सहित अन्य जिलों में केमिकल व मार्बल व्यापारियों के घर व गोदामों का सर्वे कर रही हैं। ऐशबाग के केमिकल व्यापारी विशाल स्वरूप हरदोई जिले के संडीला में दो फैक्ट्रियां इंडियन पेस्टीसाइड लिमिटेड व स्वरूप केमिकल का संचालन कर रहे हैं, ये फैक्ट्रियां 2021 में लगी और बड़ा टर्नओवर कर रही हैं लेकिन, उसके सापेक्ष आयकर नहीं दिया जा रहा। विभाग कई माह से इनकी निगरानी कर रहा था। आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि स्वरूप के ऐशबाग आवास, इंदिरा नगर में रह रहे फैक्ट्री के निदेशक व संडीला आदि स्थानों पर आयकर विभाग की कई टीमें सर्वे कर रही हैं। ऐसे ही एचएएल के सामने इंदिरा नगर में ही एके जैन व डीके जैन मार्बल्स के यहां भी आयकर विभाग की टीमें सर्वे कर रही हैं।

'सदन में समान अवसर नहीं देने वालों को इतिहास माफ नहीं करेगा'

धनखड़ पर सिब्बल का निशाना

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। विपक्ष द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने की मांग पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इतिहास उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा जो सदन के कामकाज में समान अवसर नहीं देते हैं। पहली बार कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गुट ने मंगलवार को धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए राज्यसभा में एक नोटिस पेश किया था। उनपर (धनखड़) सदन में पक्षपात करने का आरोप लगाया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कपिल सिब्बल ने कहा, जगदीप धनखड़ को हटाने के लिए राज्यसभा के 60 सदस्यों ने नोटिस पेश किया। लोकतंत्र की जननी के लिए यह बहुत ही दुखद दिन है। उन्होंने आगे कहा, इतिहास उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा जो सदन के कामकाज में समान अवसर नहीं देते हैं। अगर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने वाला प्रस्ताव लाया जाता है तो इसे पारित कराने के लिए विपक्षी गुट को बहुमत की आवश्यकता होगी। 243 सदस्यीय सदन में उनके पास आवश्यक संख्या नहीं हैं। विपक्षी गुट ने कहा कि यह संसदीय लोकतंत्र के लिए लड़ने का एक मजबूत संदेश था। विपक्षी दलों ने कहा कि राज्यसभा में सभापति की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है और धनखड़ से गैर पक्षपातपूर्ण तरीके से व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है। इसके बजाय उन्होंने उस पद की प्रतिष्ठा को ही कम कर दिया। विपक्ष की तरफ से कांग्रेस नेता जयराम रमेश और नसीर हुसैन ने राज्यसभा महासचिव सीपी मोदी को मंगलवार को 60 विपक्षी सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस सौंपा। इस नोटिस में कांग्रेस, राजद, टीएमसी, सीपीआई, सीपीआई-एम, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), आम आदमी पार्टी (आप), द्रमुक, समाजवादी पार्टी के सांसदों का हस्ताक्षर शामिल था। बता दें कि उपराष्ट्रपति ही राज्यसभा का सभापति होता है।

अवैध बांग्लादेशी-रोहिंग्या के खिलाफ पुलिस का एक्शन

शाहीन बाग इलाके में कागजों की जांच शुरू

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या के खिलाफ पुलिस स्पेशल ड्राइव चला रही है। राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में पुलिस का ये अभियान चल रहा है। बांग्लादेशी प्रवासियों और रोहिंग्या का पता लगाने के लिए पुलिस लोगों के दस्तावेजों की जांच कर रही है। शाहीन बाग इलाके के कालिंदी कुंज और पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी इलाके में खासतौर से पुलिस का ये अभियान चल रहा है। सीमापुरी इलाके में शुरुआती पूछताछ के दौरान 32 लोगों को चिन्हित किया गया है जो कि अवैध बांग्लादेशी हैं, लेकिन इन लोगों के आधार कार्ड बनाए गए हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वह अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों की पहचान के लिए 2 महीने का विशेष अभियान चलाए और अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई करे। सूत्रों की मानें तो यमुना बाजार लोहे के पुल के आसपास बसी झुग्गी बस्तियों, बवाना, जहांगीरपुरी, सीमापुरी, अलीगांव, दया बस्ती, सराय रोहिल्ला, यमुना पुस्ता, शशि गार्डन, सोनिया कैंप, संजय बस्ती, सोनिया विहार,शकरपुर, केशवपुरम, सीमापुरी रेलवे लाइन, विकासपुरी, नजफगढ़, भलस्वा डेयरी जेजे कालोनी, प्रेम नगर, केशव पुरम, कालिंदी कुंज के श्रम विहार इलाकों में बहुतायत में रोहिंग्या और बांग्लादेशी रहते हैं। दिल्ली पुलिस ने सीमापुरी की झुग्गियों में रहने वाले लोगों के आधार कार्ड, पेन कार्ड और अन्य जरूरी कागजात जांच किए।

बॉडी बिल्डर को मारी पांच गोली

दोस्तों के साथ आग ताप रहा था रवि, तभी बरसाई गोलियां

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में बेखौफ बदमाशों ने एक और सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। कल्याणपुरी के त्रिलोकपुरी ब्लॉक 13 में दोस्तों के साथ पार्क में आग सेंक रहे एक युवक को बदमाशों ने गोली मार दी। रवि नाम के युवक को पांच गोली मारी गई हैं। उसकी हालत गंभीर है। उसका मैक्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात 12.30 बजे बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस को आपसी रंजिश का शक है। रवि को बॉडी बिल्डिंग का शौक है और वह कई पुरस्कार जीत चुका है। पुलिस ने हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी की मदद से पुलिस बदमाशों की पहचान करने में लगी है। रवि एक पार्क में दोस्तों के साथ बैठकर आग सेंक रहा था।

महायुति में दरार, शिंदे हुए नाराज!

विभाग बंटवारे पर शाह-नड्डा की बैठक में भी नहीं पहुंचे डिप्टी सीएम

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सरकार बनने के बाद भी महायुति में सब कुछ ठीक चलता नहीं दिख रहा है। गठबंधन सरकार में अब मंत्रालयों के बंटवारे को लेकर पेच फंसा है। माना जा रहा है कि कुछ बड़े मंत्रालयों को लेकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भाजपा से नाराज चल रहे हैं। यहां तक की दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा के साथ हुई बैठक तक में शिंदे नहीं पहुंचे।

बड़े पदों के लिए अड़े शिंदे

देवेंद्र फडणवीस महायुति के सहयोगियों के साथ मंत्रालयों के बंटवारे को लेकर बीते दिन भाजपा नेतृत्व से बातचीत करने दिल्ली पहुंचे। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, इस बैठक में एनसीपी प्रमुख अजित पवार भी पहुंचे, लेकिन शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे अनुपस्थिति रहे। माना जा रहा है कि शिंदे अभी तक बड़े पदों के लिए अड़े हुए हैं।

इन मंत्रालयों पर शिवसेना की नजर

शिंदे के करीबियों का कहना है कि उनकी पार्टी को केवल एक ही बड़ा मंत्रालय शहरी विकास विभाग दिया जा रहा है। शिंदे पहले गृह मंत्रालय पर अड़े थे, लेकिन अब भाजपा द्वारा इसे न देने की बात खुलकर कहे जाने के बाद वो दूसरे मंत्रालयों पर नजर गढ़ाए हैं। शिवसेना राजस्व, लोक निर्माण, आवास और उद्योग जैसे बड़े मंत्रालय चाह रही है।

शिंदे इस बात से खफा

वहीं, शिंदे भाजपा की उस शर्त पर भी नाराज हैं, जिसमें ये कहा गया है कि जिन नेताओं पर पिछली सरकार में भ्रष्टाचार के आरोप लगे उन्हें मंत्री नहीं बनाया जाएगा। बता दें कि फडणवीस ने बीती रात अमित शाह से मंत्रिपरिषद विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की, लेकिन शिंदे की अनुपस्थिति से इस बात पर राजनीति चर्चा छेड़ दी कि शिवसेना द्वारा सीएम पद छोड़े जाने के बाद भी महायुति में सब कुछ सही नहीं चल रहा है।

नाबालिग से गैंगरेप पॉस्को में केस दर्ज तीन आरोपी गिरफ्तार

सीहोर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सीहोर नगर के कस्बा क्षेत्र में गैंगरेप और रेप का वीडियो बनाकर वायरल कर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार नगर के कस्बा क्षेत्र में रहने वाली 11 वर्षीय नाबालिग लड़की कक्षा ग्यारह की छात्र है। छात्रा ने कोतवाली थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि 2 नवंबर को उसके साथ तीन लोगों ने बलात्कार किया और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया। तीन लड़कों ने वीडियो बनाकर नाबालिग लड़की के रिश्तेदार को भी वीडियो दिखाया। जिसके बाद लड़की काफी डरी और सेहमी रही और उसने पूरी आपबीती अपनी मां को बताई। मामले में पीड़ित लड़की ने इस संबंध में कोतवाली थाना में केस दर्ज कराया है। थाना प्रभारी मनोज मालवीय ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों पर बीएनएस की धारा 61 और 65 दर्ज की गई है।

'सिर्फ महिला ही नहीं, पुरुषों की भी होती है गरिमा'

कोर्ट ने यौन शोषण केस में मशहूर एक्टर को दी जमानत

कोच्चि, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने सीनियर एक्टर और डायरेक्टर बालचंद्र मेनन की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पुरुषों की भी गरिमा होती है। 2007 में एक फिल्म के शूट के दौरान एक महिला कलाकार के कथित शीलभंग के मामले में मेनन को बुधवार को अग्रिम जमानत देते हुए कोर्ट कहा कि सिर्फ महिलाओं की नहीं, बल्कि पुरुषों का भी ''गौरव'' और उनकी भी ''गरिमा'' होती है। जस्टिस पी वी कुन्हीकृष्णन ने एक्टर की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की।

क्या था पूरा मामला?

जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट जारी होने के बाद इस वर्ष सितंबर में अभिनेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मेनन ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि शिकायत 2007 में कथित घटना की तारीख से 17 साल बाद की गई और इसका उद्देश्य उनकी छवि खराब करना है। कोर्ट ने कहा कि उनकी दलीलों में ''दम'' है क्योंकि यह स्वीकार्य तथ्य है कि कथित घटना 2007 में हुई थी। उसने कहा, ''यह एक स्वीकृत तथ्य है कि पीड़िता ने कथित घटना के 17 साल बाद शिकायत दर्ज कराई। यह एक स्वीकृत तथ्य है कि याचिकाकर्ता (मेनन) एक प्रसिद्ध सिने कलाकार हैं। उन्होंने लगभग 40 फिल्मों का निर्देशन किया और उन्हें दो राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। उन्हें राष्ट्र द्वारा पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।'

' जस्टिस कुन्हीकृष्णन ने कहा, ''मौजूदा मामला एक महिला के बयान के आधार पर और वह भी 17 साल बाद दर्ज किया गया है। यह सच है कि जांच जारी है लेकिन सभी को यह याद रखना चाहिए कि गौरव और गरिमा केवल महिलाओं की ही नहीं, बल्कि पुरुषों की भी होती है।'' कोर्ट ने कहा कि यह ''न्याय के हित में'' याचिकाकर्ता को जमानत देने का उपयुक्त मामला है। कोर्ट ने मेनन को पूछताछ के लिए बुधवार से दो सप्ताह के भीतर जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया।

बालचंद्र मेनन को मिली सशर्त जमानत

कोर्ट ने कहा, ''पूछताछ के बाद यदि जांच अधिकारी याचिकाकर्ता (मेनन) को गिरफ्तार करने का प्रस्ताव रखता है, तो उन्हें गिरफ्तार करने वाले संबंधित अधिकारी की संतुष्टि के लिए अभिनेता को 50,000 रुपये के मुचलके और समान राशि के दो जमानतदारों पर जमानत पर रिहा किया जाएगा।'' उसने निर्देश दिया कि मेनन आवश्यक पड़ने पर पूछताछ के लिए जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे, जांच में सहयोग करेंगे और ''मामले के तथ्यों से परिचित किसी भी व्यक्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई प्रलोभन या धमकी नहीं देंगे।।।।''

पाकिस्तानी गुब्बारा मिला रियासी में आतंकी ठिकाने का खुलासा,हथियार बरामद

जम्मू, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास राजबाग थाना क्षेत्र में आते गांव लाहड़ी में खेतों से पाकिस्तानी गुब्बारा मिला है। पुलिस चौकी की टीम ने गुब्बारे को कब्जे में ले लिया है। इस पर पीआईए (पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरवेज) अंकित है। गुब्बारा मिलने के बाद पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है। सेना ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को माहौर के वन क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान यह सफलता मिली। धिकारियों के अनुसार, ठिकाने से की गई बरामदगी में एक एके असॉल्ट राइफल, 400 से अधिक राउंड वाली इसकी तीन मैगजीन, दो पिस्तौल, 14 राउंड वाली दो मैगजीन और चार हथगोले शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

जज के खिलाफ एफआईआर

जमानत के बदले 5 लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप, क्या होगी गिरफ्तारी?

बेंगलुरु, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या से पहले 24 पेज का सुसाइड नोट और 81 मिनट का एक वीडियो बनाया था, उसमें उन्होंने देश की न्याय पालिका के सिस्टम पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। अतुल ने कोर्ट में पेशकार से लेकर जज तक पर आरोप लगाए थे। उन्होंने केस निपटाने के लिए रिश्वत मांगने के आरोप लगाए थे।

इसको लेकर अभी बहस चल ही रही थी कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने महाराष्ट्र के एक जिला जज पर रिश्वत के मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह चौंका देने वाला मामला राज्य के सतारा जिले का है। एसीबी ने सतारा में जिला और सत्र न्यायाधीश सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इन लोगों पर एक मुकदमें में जमानत देने के लिए 5 लाख रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। यह रकम वादी के पिता से मांगी गई थी। पीड़ित ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश समेत तीन लोगों की शिकायत पुणे शाखा की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से की थी। आरोपियों के खिलाफ शिकायत सही पाए जाने पर पुणे की एसीबी की टीम ने चार लोगों पर केस दर्ज किया। इनमें जिला जज भी शामिल हैं। जज की गिरफ्तारी के लिए एसीबी ने बॉम्बे हाई कोर्ट से अनुमति मांगी है। इस मामले में एसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि जज को गिरफ्तार करने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट की अनुमति को लेकर प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। दर्ज की गई एफआईआर में जमानत के बदले 5 लाख रुपए की रिश्वत मांगे जाने का जिक्र है।

ये लगीं धारा

एसीबी की पुणे यूनिट के डिप्टी एसपी दयानंद गावड़े ने मीडिया को बताया कि न्यायाधीश और उनके कथित सहयोगियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 7-ए (लोक सेवक से रिश्वत लेना) और 12 (अपराध के लिए उकसाना) तथा नई दंड संहिता बीएनएस की धारा 3 (5) (सामान्य इरादा) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

शिकायतकर्ता का आरोप

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायत करने वाली महिला 9 दिसंबर को आरोपी जज के साथ सौदा करने के लिए सतारा पहुंची थी। आरोप है कि जज अकेले ही कोर्ट परिसर के बाहर खुद गाड़ी चलाकर पहुंचे। यहां दो अन्य आरोपी उनका इंतजार कर रहे थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि दोनों लोग रिश्वत का पैसा लेने के लिए महिला के पास पहुंचे थे। महिला ने उनसे कहा कि वह जज के साथ उसकी मुलाकात फिक्स करने वाले व्यक्ति के अलावा वह किसी और को पैसे नहीं देगी।

गुजरात में लड़कियों से सरेआम छेड़खानी का वीडियो आया सामने

700 सीसीटीवी खंगालने के बाद पकड़ में आया आरोपी

सूरत, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में लड़कियों से सरेआम छेड़खानी करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रोड पर छेड़छाड़ का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस एक्टिव हुई और आरोपी को बड़ी मशक्कत के बाद महज 48 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान नईमुद्दीन उर्फ अरमान अब्दुल जब्बार के रूप में हुई है। माना जा रहा है कि पुलिस आज कोर्ट में पेश करने से पहले आरोपी का रोड पर जुलूस निकालेगी। दरअसल, सूरत में सोशल मीडिया पर कुछ लड़कियों के साथ छेड़खानी करने का वीडियो वायरल हुआ था। जांच में पाया गया कि यह वीडियो सूरत के उधना इलाके की एक सोसायटी का है। आरोपी को पकड़ने के लिए 200 पुलिसकर्मियों की टीम बनानी पड़ी जबकि 700 सीसीटीवी फुटेज खंगालनी पड़ी। साथ ही पुलिस को सीसीटीवी एक्सपर्ट की भी मदद लेनी पड़ी। पुलिस की टीम ने 700 सीसीटीवी खंगालने के बाद 48 घंटे में 19 वर्षीय नईमुद्दीन उर्फ अरमान अब्दुल जब्बार को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, 33 सेकंड का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में नजर आ रहा है कि सोसायटी में घर के बाहर स्कूटी पर खड़ी दो लड़कियों दिखाई दे रही हैं। तभी एक युवक उनके पास आता है और स्कूटी पर बैठी एक लड़की के साथ छेड़खानी करना शुरू कर देता है। यह देख दूसरी लड़की उससे दूर भाग जाती है। पीड़ित लड़की भी किसी तरह लड़के से दूर चली जाती है। दोनों लड़कियों के वहां से चले जाने के बाद बदमाश सामने से आ रही दो और लड़कियों को अपना शिकार बनाने की कोशिश करता है। दोनों लड़कियां भागने की कोशिश करती है पर बदमाश एक लड़की को पकड़ लेता है और उनके साथ बदतमीजी करता है। वह लड़की भी किसी तरह से बदमाश के चंगुल से भागने में सफल हो जाती है।

राहुल गांधी को हाथरस रेप पीड़िता के परिवार ने दिया पत्र, कहा

'आरोपी खुले घूम रहे और हम 4 साल से कैद हैं'

हाथरस, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। आज लोकसभा सदन के विपक्ष नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हाथरस मामले के पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे। इस दौरान यूपी पुलिस ने हाथरस में सुरक्षा व्यवस्था काफी बढ़ा दी। हाथरस पीड़ित परिवार से राहुल गांधी ने थोड़ी देर मुलाकात की। इसके बाद वे वहां से रवाना हो गए। मुलाकात के दौरान पीड़ित परिवार ने राहुल गांधी को एक पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने अपनी व्यथा बताई है। बता दें कि 14 सितंबर 2020 को 19 वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर गैंगरेप की बात सामने आई थी, इसके बाद दिल्ली में इलाज के दौरान 29 सितंबर 2020 को उसकी मौत हो गई थी।

राहुल गांधी को लिखा पत्र

पीड़िता के पिता ने राहुल गांधी के नाम पत्र लिखकर कहा कि राहुल जी पत्र में लिखी हुई बातें गहराई से पढ़ें। राहुल जी 14 सितंबर 2020 को हुई घटना बहुत ही भयानक थी, उस घटना में मेरी बेटी के साथ गैंगरेप हुआ था और उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ दी गई, जीभ भी काट दी गई। उसके बाद मेरी बेटी को मेरे परिवार के अनुमित के बिना शासन-प्रशासन ने रात के अंधेरे में 2.30 बजे केरोसिन डालकर जला दिया। राहुल जी आजतक मेरे परिवार को यह नहीं पता चला कि जलाई गई बॉडी किसकी थी।

नहीं मिली अभी तक नौकरी

आगे लिखा कि राहुल जी हमारे केस में सीबीआई जांच हुई थी उसमें चारों आरोपी दोषी थे, जांच होने से पहले मेरी बेटी ने मृत्यु से पहले बयान में चारों के नाम लिए थे और मेरी बेटी का समय से मेडिकल तक नहीं कराया गया। सीबीआई की चार्जशीट में सभी दोषी होने के बावजूद ट्रायल कोर्ट ने 3 आरोपियों को बिल्कुल बरी कर दिया और एक आरोपी को केवल 304 (एससी/एसटी एक्ट) में सजा सुनाई। सांसद जी आपको बताना चाहता हूं कि प्रदेश सरकार ने मेरे परिवार के किसी सदस्य को नौकरी देने का वादा किया था लेकिन अभी तक न नौकरी दी गई और न ही घर। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हमारे केस में स्वतः संज्ञान लिया था और 26-07-2022 को नौकरी और घर देने के संबंध में यूपी सरकार को एक आदेश पारित किया था, लेकिन आज तक योगी सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया। राहुल गांधी जी हमारा परिवार 2020 से सुप्रीम कोर्ट के आदेश होने के बाद सीआरपीएफ की एक कंपनी हमारे पीड़िता परिवार की सुरक्षा में तैनात है। हमारा पूरा परिवार सीआरपीएफ की कड़ी सुरक्षा में कैद वाली जिंदगी जी रहा है न कोई रोजगार है और न कोई रोजगार के लिए बाहर जा पा रहा है। घर में 3 बेटियां हैं, जिनकी पढ़ाई-लिखाई तक नहीं हो पा रही। कोई भी टीचर जिम्मेदारी नहीं ले रहा।

गुलाब दिया, मिठाई खिलाई

निशिकांत दुबे के घर के बाहर एनएसयूआई का ये कैसा प्रदर्शन

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के घर के बाहर नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अपने घर के बाहर हो रहे इस प्रोटेस्ट पर निशिकांत दुबे ने कहा कि ये लोग कन्फ्यूज हैं। इसका मतलब है कि इन्हें कोई गुमराह कर रहा है। आज ये एनएसयूआई में हैं, कल ये भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बन जाएंगे। मैं इन सभी लोगों को युवा मोर्चा में लाऊंगा। बीजेपी सांसद ने आगे कहा कि पिछले 4 दिनों से मुझे शून्यकाल मिल रहा है। विपक्ष मुझे बोलने नहीं दे रहा है। नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया कांग्रेस की छात्र शाखा है। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के प्रोटेस्ट की सबसे खास बात ये है कि ये कार्यकर्ता निशिकांत दुबे को गुलाब दे रहे हैं। मिठाई भी खिला रहे हैं। दुबे ने भी उनका अच्छे से स्वागत किया और उन्हें मिठाई खिलाई। निशिकांत दुबे ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं से कहा कि कल आओगे तो नाश्ता भी कराऊंगा। दरअसल, गौतम अडानी के खिलाफ जांच कराए जाने को लेकर एनएसयूआई के कार्यकर्ता निशिकांत दुबे के घर के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। संसद के दोनों सदनों में इसको पिछले कुछ दिनों से हंगामा हो रहा है। जब से संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हुई है, तब से अडानी मुद्दे पर हंगामा हो रहा है। जॉर्ज सोरोस को लेकर निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा ने रविवार को कहा था कि वह इस मुद्दे पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से 10 सवाल पूछेंगे। दुबे ने आरोप लगाते हुए कहा कि मीडिया पोर्टल आर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) और हंगरी-अमेरिकी बिजनेसमैन जार्ज सोरोस ने भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने और मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए विपक्ष के साथ मिलीभगत की है।

सु वि चा र
यदि आप अस्वस्थ हैं तो धैर्य रखिये तथा मन को स्वस्थ बनाये रखिये

मंत्रिमंडल विस्तार पर कांग्रेस आलाकमान निर्णय लेगा : भट्टी

नई दिल्ली/हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बताया है कि मंत्रिमंडल विस्तार पर फैसला आलाकमान लेगा। दिल्ली के दौरे पर आए उपमुख्यमंत्री ने गुरुवार को यहां तेलंगाना कांग्रेस सांसदों के साथ बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तेलंगाना में 50 प्रतिशत से अधिक लोग लोक प्रशासन से संतुष्ट हैं।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा, मुझे नहीं लगता कि 100 प्रतिशत लोग शासन से खुश होंगे। लेकिन, मैं एक बात पक्के तौर पर कह सकता हूं कि अधिकांश लोग राज्य सरकार के प्रदर्शन से खुश हैं। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के बारे में बोलते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि हाइड्रा अमीर और गरीब लोगों के बीच अंतर नहीं करता है और यह तालाबों और अन्य जल निकायों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। राज्य सरकार शिक्षा को बहुत महत्व दे रही है, यह बताते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वे तेलंगाना राज्य भर में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 25 एकड़ भूमि पर एकीकृत स्कूल बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संक्रांति त्योहार से रैतु भरोसा योजना को लागू करने की प्रक्रिया शुरू की गई है और किसानों को ऋण माफी और रैतु भरोसा योजनाओं की तुलना में बोनस के माध्यम चसे अधिक लाभ मिल रहा है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि तेलंगाना राज्य में आधिकारिक तौर पर अतीत में कोई प्रतिमा नहीं थी और पिछली बीआरएस सरकार ने तेलंगाना तल्ली प्रतिमा स्थापित करने के लिए कोई पहल नहीं की। भट्टी ने कहा, विधानसभा सत्र कितने दिनों तक आयोजित किया जाना चाहिए, इसके लिए कोई नियम नहीं है। इसके अलावा, जब बीआरएस सत्ता में थी, तब विधानसभा के नियमों में बदलाव किया गया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शासन पर ध्यान केंद्रित किया है, यही वजह है कि वह अभियान में पिछड़ गई। उन्होंने कहा, 14 दिसंबर से, मंत्री, विधायक और अधिकारी तेलंगाना राज्य भर के छात्रावासों में अभिभावकों और छात्रों के साथ भोजन करेंगे। मौजूदा सरकार पिछली केसीआर सरकार की तुलना में बेहतर शासन प्रदान कर रही है।

तेलंगाना खाद्य निगम के प्रदर्शन से मंत्री सीतक्का नाखुश

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने तेलंगाना खाद्य निगम के प्रदर्शन से नाखुशी जाहिर की है। मंत्री ने गुरुवार को सचिवालय में तेलंगाना खाद्य निगम के प्रदर्शन पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और बिना निविदा के नामांकन पद्धति से काम देने में एकतरफा निर्णय लेने के लिए अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद अन्य अधिकारियों का रवैया नहीं बदला है और वे उचित दिशा-निर्देशों का पालन किए बिना एकतरफा निर्णय लेकर काम कर रहे हैं। अधिकारियों को काम देने के दौरान पारदर्शिता बरतने और निविदा प्रक्रिया को निष्पक्ष तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया गया। मंत्री ने घटिया और अस्वास्थ्यकर सामान की आपूर्ति करने वाले ठेकेदारों को नोटिस देने का भी आदेश दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना खाद्य निगम, जो बाला अमृतम का निर्माण करता है और आंगनवाड़ी बच्चों को इसकी आपूर्ति करता है, पर बहुत अधिक जिम्मेदारी है। सीतक्का ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों को माल और अन्य उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता नहीं करना चाहिए।

इंदिरम्मा हाउस योजना लोगों को लाभान्वित करेगी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि इंदिरम्मा हाउस योजना के माध्यम से पात्र लोगों को लाभान्वित करना है। चल रहे मोबाइल ऐप सर्वेक्षण पर संबंधित अधिकारियों के साथ ज़ूम बैठक द्वारा एक समीक्षा आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि पहला चरण अपना है, जिनके पास जगह है, जो लोक प्रशासन में आवेदन करते हैं। कलेक्टर ने बताया कि 1300 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि मकान के आवेदनों की जांच की प्रक्रिया इस माह के अंत तक पूरी कर ली जाए।

सीएम ने संतोष ट्रॉफी के पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम रेवंत रेड्डी ने आज नई दिल्ली में अपने आवास पर संतोष ट्रॉफी के पोस्टर का अनावरण किया, जिसे इस महीने की 14 दिसंबर से हैदराबाद शहर में लॉन्च किया जाएगा। कार्यक्रम में खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सांसद अनिल कुमार यादव, डॉ. मल्लू रवि, चमाला किरण कुमार रेड्डी मल्लू रवि, बलराम नाइक, जी वामसी राज्य सरकार के खेल सलाहकार जीतेंद्र रेड्डी, खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष डॉ. रोहिन रेड्डी और अन्य ने भाग लिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि 57 साल बाद हैदराबाद शहर प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट संतोष ट्रॉफी की मेजबानी कर रहा है। 14 दिसंबर से 31 दिसंबर तक विभिन्न राज्यों की लगभग 37 टीमें भाग ले रही हैं। खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी ने कहा कि इस संतोष ट्रॉफी को लेकर तेलंगाना खेल प्राधिकरण के तहत सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

किसान को हथकड़ी लगाने पर सीएम खफा

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने लगाचेरला के किसान हिरय्या नायक को हथकड़ी लगाकर संगारेड्डी अस्पताल में इलाज के लिए लाए जाने के मामले को गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री ने घटना की जानकारी ली और किसान को हथकड़ी लगाकर अस्पताल लाने के लिए अधिकारियों पर नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री ने उच्च अधिकारियों को इस प्रकरण की जांच करने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी कि जनता की सरकार ऐसी घटना को बर्दाश्त नहीं करेगी।

आदिवासियों को वितरित किए 1,000 कंबल

आदिलाबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने गुरुवार को नारनूर मंडल के सुदूर खैरदतवा गांव में आठ बस्तियों के आदिवासियों को करीब 1,000 कंबल बांटे। पुलिस अधीक्षक गौश आलम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कंबल हैदराबाद के अग्रवाल समाज ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित थे। आदिवासियों को संबोधित करते हुए आलम ने कहा कि पुलिस आदिवासियों की सेवा में सबसे आगे है। उन्होंने आदिवासियों को गांजा और शराब की लत न लगाने की सलाह दी। उन्होंने उनसे बिजली की बाड़ लगाकर वन्यजीवों को नुकसान न पहुंचाने को कहा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। इस दौरान केन्द्रीय मंत्रियों से मुख्यमंत्री ने तेलंगाना से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

PUBLIC NOTICE
IN THE COURT OF THE HON'BLE IST SENIOR CIVIL JUDGE,
CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD.
SUCCESSION O.P. No. 140 OF 2024
Between:
Govind Kumar Lohia and others ...Petitioners
AND
1. JSW Steel Limited
2. All Concerned ...Respondents
Please take notice that the petitioner has filed Succession O.P vide SOP No 140 of 2024 on the file of Hon'ble 1st Senior Civil Judge, City Civil Court, at Hyderabad to declare them as successors of Late. Ayodhya Bai in Respect of **1880 shares** in **JSW Steel Limited** bearing **Folio No. JSW0416554** and **certificate number 2614744** and **Distinctive numbers 2398828331-2398830210** and the same is posted to 31-12-2024.
Any persons having objections may appear before the above-named court at 10.30 am on the said date either in person or through an advocate, failing which the matter will be heard ex-parte and orders will be passed on merits. Hence this notice.
BY THE ORDER OF THE COURT
SD/-
Narayandas Jhawar

यौन उत्पीड़न के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है । करीब 15 साल की लड़की का परिवार पिछले एक साल से संदिग्ध के घर में किराएदार के तौर पर रह रहा था।

उस व्यक्ति ने लड़की से दोस्ती की और कथित तौर पर उसके माता-पिता की अनुपस्थिति में बार-बार उसका यौन शोषण किया। लड़की ने किसी तरह अपनी मां को इस बारे में बताया, जिन्होंने फिर पुलिस से संपर्क किया।

मामला दर्ज कर संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

जवाहरनगर में कार ने 18 महीने की बच्ची को कुचला

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके जवाहरनगर में गुरुवार को एक कार ने 18 महीने की बच्ची को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई । बच्ची घर के सामने खेल रही थी, तभी कार ने बच्ची को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

लड़की के परिजन उसे अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुची और जांच शुरू की। पुलिस घटना में शामिल वाहन की पहचान करने के लिए क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।

जग्गा रेड्डी ने अपने पार्टी के नेताओं की आलोचना की

टिप्पणियों ने कई चर्चाओं को दिया जन्म

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व विधायक जग्गा रेड्डी ने जिम्मेदारी से काम न करने के लिए अपने साथी पार्टी नेताओं की आलोचना की है। गुरुवार को मीडिया से बातचीत में जग्गा रेड्डी ने विभिन्न मुद्दों पर वरिष्ठ पार्टी सदस्यों से परामर्श किए बिना एकतरफा निर्णय लेने के लिए एआईसीसी सचिव विष्णु और एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपा दास मुंशी के प्रति अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने पूछा कि उन लोगों के हितों की देखभाल कौन करेगा जिन्होंने पार्टी के लिए लगन से काम किया है और चुनावी जीत में योगदान दिया है।

जग्गा रेड्डी ने सवाल किया कि क्या एआईसीसी सचिव के रूप में विष्णु दूसरे राज्य में चले गए हैं। जबकि विष्णु ने कहा था कि वह मेदक जिले में पार्टी के मामलों की देखरेख करेंगे, जग्गा रेड्डी ने क्षेत्र में उनकी उपस्थिति की कमी पर ध्यान दिया। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि क्या दीपा दास मुंशी अभी भी तेलंगाना के लिए काम कर रही हैं या इसी तरह किसी दूसरे राज्य में चली गई हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर जनता के मुद्दों को संबोधित करने की अधिक जिम्मेदारी होती है, फिर भी वे सार्वजनिक क्षेत्र से काफी हद तक गायब रहते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के बारे में जग्गारेड्डी द्वारा की गई टिप्पणियों ने काफी चर्चा को जन्म दिया है। क्या यह केवल जग्गारेड्डी का दृष्टिकोण है, या पार्टी के भीतर अन्य लोग भी इसी तरह की असंतोष की भावना रखते हैं? इस मामले को भी और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

जेल में हार्ट अटैक के बाद किसान को लगाई गई हथकड़ी, आक्रोश

> मामले को किया गया दबाने का प्रयास

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जेल में सीने में दर्द और दिल का दौरा पड़ने की आशंका जताने वाले एक किसान को गिरफ्तार कर एक कांस्टेबल द्वारा हथकड़ी में अस्पताल ले जाने की घटना ने व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है।

आदिवासी किसान हीरया नाइक को जेल से जंजीरों में जकड़कर अस्पताल लाया गया, जहां वह एक महीने पहले लागाचेरला में भूमि अधिग्रहण का विरोध करने के लिए हिरासत में लिए गए 16 अन्य किसानों के साथ न्यायिक हिरासत में था। बुधवार की रात को नाइक ने संगारेड्डी जेल में सीने में दर्द की शिकायत की और उसे स्थानीय सरकारी क्लिनिक ले जाया गया। हालांकि, जेल अधिकारियों ने पर्याप्त चिकित्सा देखभाल प्रदान करने या उसके परिवार को सूचित करने में विफल रहे, कथित तौर पर मामले को दबाने का प्रयास किया। गुरुवार की सुबह एक और संदिग्ध दिल का दौरा पड़ने के बाद, नाइक को एम्बुलेंस के बजाय पुलिस वाहन में हथकड़ी और जंजीरों में संगारेड्डी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उनके परिवार, जिन्हें अस्पताल में उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई थी, ने इस व्यवहार की निंदा करते हुए इसे अमानवीय बताया।

बढ़ते जन दबाव और बीआरएस के हस्तक्षेप के बाद मीडिया का ध्यान आकर्षित होने पर, अधिकारियों ने नाइक को उन्नत उपचार के लिए हैदराबाद के गांधी अस्पताल या एनआईएमएस में स्थानांतरित करने पर सहमति व्यक्त की है। नाइक समेत विचाराधीन कैदियों को लगचेरला में प्रस्तावित फार्मा विलेज के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध के दौरान विकाराबाद जिला कलेक्टर प्रतीक जैन के साथ विवाद में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कई बंदियों को कथित तौर पर उनके कारावास के दौरान स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

अभिनेता नागार्जुन के मानहानि मामले की सुनवाई 19 दिसंबर तक स्थगित

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली कोर्ट ने टॉलीवुड हीरो नागार्जुन द्वारा मंत्री कोंडा सुरेखा के खिलाफ दायर मानहानि मामले की सुनवाई इस महीने की 19 तारीख तक स्थगित कर दी है। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मंत्री कोंडा सुरेखा को कोर्ट की सुनवाई में शामिल होने के लिए समन जारी किया था। हालांकि, गुरुवार को सुनवाई में कोंडा सुरेखा की ओर से पेश हुए वकील ने कोर्ट से सुरेखा की पेशी के लिए एक और तारीख देने का अनुरोध किया। उनकी याचिका को मंजूर करते हुए कोर्ट ने सुनवाई इस महीने की 19 तारीख तक स्थगित कर दी। इस मामले में दोनों पक्षों की दलीलें पहले ही खत्म हो चुकी हैं लेकिन अगली जांच अहम हो गई है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर की आलोचना करते हुए मंत्री कोंडा सुरेखा की नागा चैतन्य और सामंथा के तलाक पर की गई टिप्पणी ने नागार्जुन और उनके परिवार में सनसनी मचा दी। नागार्जुन के अलावा बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने भी उनकी टिप्पणियों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

पूर्व तट रेलवे
निविदा सूचना सं. VSKP-ELECTG-24-25-WC-19, दिनांक : 05.12.2024
कार्य का नाम : क) सहायक मण्डल अभियन्ता / श्रीकाकुलम रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन पलासा-विशाखापट्टनम मेन (Main) लाइन पर पुंडी स्टेशन में मौजूदा फुट ओवर ब्रिज का प्रतिस्थापन। ख) हरिश्चन्द्रपुरम-बातुवा स्टेशन में फुट ओवर ब्रिजों की विद्युतीकरण। ग) मुक्तापुरम रेलवे स्टेशन में प्रस्तावित नए फुट ओवर ब्रिज का विद्युतीकरण। घ) नर्शिपुरम (NSX) हॉल्ट स्टेशन में लाइट फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान एवं यात्री सुविधाओं में सुधार से संबंधित विद्युतीकरण कार्य।
निविदा मूल्य : ₹ 23,14,239.98, बिड सिक्युरिटी : ₹ 46,300/-, पूरा होने की अवधि : 240 दिन।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 27.12.2024 को 1330 बजे।
निविदा खुलने की तिथि व समय : 27.12.2024 को 1600 बजे।
निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), वाल्टियर
PR-795/P/24-25

पूर्व मंत्रियों को पुलिस ने हिरासत में लिया

विरोध में विकाराबाद में बीआरएस का धरना

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के तंडूर कस्बे में सायपुर आदिवासी कल्याण बालिका छात्रावास में फूड पॉइजनिंग की सूचना मिली है। घटना के कारण बीमार हुई लड़कियों से मिलने के लिए पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़ और सबिता इंद्र रेड्डी को विकाराबाद में पुलिस ने रोक लिया और उन्हें छात्राओं से मिलने नहीं दिया। बड़ी संख्या में बीआरएस कार्यकर्ता अपने पार्टी नेताओं के समर्थन में वहां पहुंचे। इन कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने मर्री चेन्ना रेड्डी की प्रतिमा के पास सड़क पर धरना दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़ और सबिता इंद्र रेड्डी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें पुलिस वाहन में हैदराबाद ले जाया गया। इस बीच, उनकी गिरफ्तारी के दौरान इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व मंत्रियों ने कहा कि छात्रावास में रखे गए और उपचार दिए जाने वाले छात्रों के बारे में कई संदेह उठाए जा रहे हैं। वे अधिकारियों से इस बात पर नाराज़ थे कि उन्होंने कहा कि फ़ूड पॉइज़निंग के कारण सिर्फ़ एक या दो छात्र बीमार हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह लोगों का शासन नहीं है, उन्होंने सवाल किया कि क्या यह राक्षसी शासन है? उन्होंने दावा किया कि ज़िला कलेक्टर इस मामले में झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने मांग की कि बीमार हुए छात्रों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया जाए और बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए।

बीसी आयोग को कई जाति के लोगों ने बताई अपनी पीड़ा

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी आयोग के कार्यालय में आज आयोग द्वारा जाति एवं अन्य आयोग द्वारा मांगे गए प्रस्ताव एक भाग के रूप में, डोम्मारा, वंशराज और थम्माली जातियों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। उन्होंने अपनी जातियों की स्थिति बताते हुए अपनी शिकायतें व्यक्त कीं। इस मामले में, डोम्मारा जाति ने अपनी जाति का नाम बदलकर गड़ा वामसी करने का अनुरोध किया, इसी तरह वंशराज जाति ने अपनी जाति के नाम से पिच्चीगुंटला शब्द को पूरी तरह से हटाने का अनुरोध किया और तम्माली जाति ने अपनी जाति से गैर-ब्राह्मण और शूद्र जाति शब्द हटाने का अनुरोध किया। आरे रामुलु, मुरली कृष्णा, वट पत्र साई आदि जातियों के प्रतिनिधियों ने आयोग के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्हें इन शब्दों से समाज में कई अपमान और उपहास का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री राहत कोष जरूरतमंद लोगों का मददगार बना : वेणु गोपाल

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सलाहकार (प्रोटोकॉल) हरकारा वेणु गोपाल राव ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष जरूरतमंद लोगों के लिए मददगार बन गया है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में सरूर नगर के श्रीकृष्ण और अमीरपेट के भानु प्रसाद को राहत कोष के चेक सौंपे। इस मौके पर हरकारा वेणुगोपाल ने कहा कि उनकी सरकार हमेशा लोगों के कल्याण के लिए काम करेगी और लोगों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देगी। सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आरोग्यश्री को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख कर दिया। उन्होंने कहा कि न केवल आरोग्य श्री के माध्यम से, बल्कि मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से भी, जो लोग संकट में हैं और चिकित्सा खर्च वहन नहीं कर सकते, उन्हें राहत कोष के माध्यम से समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से कई गरीबों को गंभीर से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का भी इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी तेलंगाना को सभी क्षेत्रों में विकसित करने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं।

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME
I, R. SAVITHRI W/o Late B. Narayana, R/o H.No.1-9-670/44, SRT-44 (LIGH), Vidyanagar, Hyderabad-500044. Retired Telephone Supervisor, Name as been changed to BURKA JAYANTHI W/o Late B. Narayana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
निविदा सूचना सं.02/2024/एसटीबीए/जीएनटी दि.11/12/2024
गुंटूर डिवीजन पर स्टेशन टिकेट बुकिंग एजेन्ट्स की नियुक्ति
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटूर डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) द्वारा दमरे के गुंटूर डिवीजन पर, कमीशन आधार पर, अनारक्षित टिकेट पध्दति या अनरिजर्वड टिकेटिंग सिस्टम(युटीएस) के माध्यम से एनएसजी-6 केटगिरी स्टेशनों जैसे एबीआर, पीपीएम तथा एनएलपीडीपर, अनारक्षित या अनरिजर्वड टिकेट्स जारी करने के प्रति, स्टेशन टिकेट बुकिंग एजेन्ट्स(एसटीबीए) की नियुक्ति के लिए योग्य व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। तत्संबंधित विवरण नीचे दिया गया है।

कार्य विवरण	नाम व स्टेशन श्रेणी	आवश्यक एसटीबीए संख्या	निविदा अवधि	पूधरा	निविदा प्रपत्र	निविदा प्रस्तुति तिथि
कमीशन आधार पर स्टेशन टिकेट्स बुकिंग एजेन्ट्स(एसटीबीए) की नियुक्ति	1. नम्बुर (एनएसजी-6), 2.फिरंगीपुरम (एनएसजी-6), 3.नल्लापाडु(एनएसजी-6)	1(एक) हरेक स्टेशन पर	तीन वर्ष	रु.2000/-	मूल्य-शून्य	17-01-2025 के 15.00 बजे तक

निविदा पेटी में निविदा प्रपत्रों की प्रस्तुति की तिथि व समय	17.01.2025 के सु.10.00 बजे से
निविदा पेटी बंद होने की तिथि व समय	17.01.2025 के 15.00 बजे
निविदा पेटी खोलने की तिथि व समय	17.01.2025 के 15.30 बजे

निविदा प्रपत्रों की प्रस्तुति : निविदादाता द्वारा अपने निविदा प्रपत्र को यथावत रूप से भरकर—————— **स्टेशन पर स्टेशन टिकेट बुकिंग एजेन्ट की नियुक्ति के लिए निविदा अंकित कर प्रस्तुत करना चाहिए।**
–मुहरबंद निविदा प्रपत्रों को, पूधरा सहित, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, रेल विकास भवन, दूसरी मंजिल, पट्टाभिपुरम, गुंटूर कार्यालय पर, रखे हुए मुहरबंद निविदा पेटी में डालना चाहिए।
–तथापि, रेल प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए किसी भी या हरेक निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। तत्संबंधित का निर्णय ही अंतिम होगा।
अधिक जानकारी हेतु, किसीभी कार्यालयीन दिन में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।
आवेदन पत्र, योग्यता मापदंड एवं अन्य विवरण वेबसाइट: www.scrailway.tenders.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।
ए1587 विभागीय वाणिज्य प्रबंधक/को-आई./गुंटूर

पीएम मोदी आज करेंगे महाकुंभ से जुड़ी परियोजनाओं का शुभारंभ

प्रयागराज, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को महाकुंभ से जुड़ी सात हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। साथ ही संगम तट पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके लिए जोर शोर से तैयारियां चल रही हैं। पीएमओ और एसपीजी की टीम प्रयागराज पहुंच गई हैं। सोमवार को प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए विमान से एयर रूट रिहर्सल किया गया। दूसरी ओर प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए संगम तट पर पंडाल तैयार हो गया है, जहां करीब 20 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी, जबकि जनसभा में दो लाख

लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। उधर, पांच दिनों के भीतर ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरी बार प्रयागराज पहुंच रहे हैं। 11 दिसंबर को वह महाकुंभ से जुड़े कार्यों की एक बार फिर से समीक्षा और निरीक्षण करेंगे। खासतौर पर मुख्यमंत्री बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट कॉरिडोर पहुंचेंगे, जहां 13 को प्रधानमंत्री को भी जाना है। इससे पहले सात दिसंबर को पहुंचे मुख्यमंत्री ने कार्यों के रफ्तार तेज करने के निर्देश दिए थे। सोमवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट कॉरिडोर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दूसरी ओर पीएम की जनसभा के लिए संगम तट पर भव्य पंडाल तैयार हो गया है। साथ ही इसका ले-आउट भी फाइनल हो गया है। विशाल पंडाल में करीब 40 ब्लाक बनाए गए हैं, जिसमें वीआईपी समेत अलग-अलग करीब 20 हजार व्यक्तियों के लिए व्यवस्था की जा रही है, हालांकि भाजपा नेताओं की ओर से दो लाख लोगों के जुटने की संभावना जताई जा रही है।

पीएमओ और एसपीजी की टीम पहुंची

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर तीन दिन पहले प्रयागराज में पीएमओ और एसपीजी की टीम पहुंच चुकी है, जो जनसभा स्थल और अक्षयवट तथा हनुमान मंदिर कॉरिडोर का जायजा ले रही है, जहां पीएम नरेंद्र मोदी को जाना है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए तमाम इंतजाम किए जा रहे हैं।

पीएम के कार्यक्रम से पहले शहर के होटल फुल

प्रधानमंत्री के 13 दिसंबर को कार्यक्रम से पहले शहर के अधिकतर होटल बुक हो चुके हैं। स्थिति यह है कि मेला प्रशासन को होटल में कमरे ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सरकार के अधिकतर मंत्री और विधायक प्रयागराज में ही होंगे। यही नहीं तमाम विभाग के अधिकारियों ने भी तैयारियों के लिए पहले से ही प्रयागराज में डेरा डाल रखा है। वहीं शादी-विवाह के सीजन में मुहूर्त के कारण 12-13 दिसंबर को पहले से भी काफी होटल और वेडिंग प्वाइंट बुक हो चुके हैं। ऐसे में अब स्थानीय प्रशासन को प्रधानमंत्री दौरे के लिए होटल की व्यवस्था करने में पसीने छूट रहे हैं। प्रयागराज होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिजिंदर सिंह का कहना है कि 12 और 13 दिसंबर को छोटे-बड़े अधिकतर होटल बुक हो चुके हैं।

बहराइच में दो अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई

40 ग्राम पंचायत अधिकारियों का रोका वेतन, विभाग में मचा हड़कंप

बहराइच, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बहराइच जिले के मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने बताया कि डीएम के निर्देश पर वर्तमान तथा बीते वित्तीय वर्ष में अवमुक्त की गई, धनराशि के सापेक्ष निर्मित शौचालय का भौतिक सत्यापन जिले के 71 जनपद स्तरीय अधिकारियों से कराया गया। अधिकारियों के सत्यापन में हकीकत की पोल खुल गई। जांच के दौरान 262 शौचालय अपूर्ण पाये जाने पर सम्बन्धित सचिवों का उत्तरदायित्व तय करते हुए 14 विकास खण्डों के 40 ग्राम पंचायत सचिवों का माह दिसम्बर, 2024 का वेतन रोक दिया गया है। सीडीओ ने बताया कि सोमवार को सम्पन्न हुई विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में खण्ड विकास अधिकारी-रिसिया सुरेश प्रसाद गौतम का कार्य संतोषजनक न पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी की गयी है। इसके अलावा आई.जी.आर.एस. के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा में गुणवत्तापरक निस्तारण न पाये जाने पर खण्ड विकास अधिकारी फखरपुर अजय प्रताप व बीडीओ रिसिया को कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। तथा ब्लाक चित्तौरा के ग्राम विकास अधिकारी विकास कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि से दण्डित किया गया है।

स्कूल के कार में बैठी थीं छात्राएं

गाड़ी के अंदर ड्राइवर करने लगा ये हरकत, छात्रों से बोला- इनका कर दो रेप

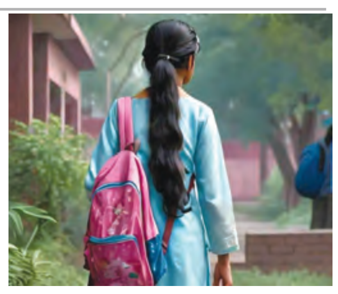

कानपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर के रावतपुर स्थित स्कूल छात्राओं ने कार ड्राइवर पर अश्लील हरकत का आरोप लगाया है। छात्राओं का आरोप है कि ड्राइवर ने उनके साथ अश्लील बातें और छेड़खानी की। घटना के समय स्कूल प्रबंधक की कार का ड्राइवर छात्राओं को प्रैक्टिकल परीक्षा दिला कर वापस ला रहा था। छात्राएं जब घर पहुंची तो उन्होंने परिजनों को जानकारी दी, जिसके बाद परिजनों ने स्कूल पहुंचकर जमकर हंगामा काटा। साथ ही पुलिस को भी सूचना दी। परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर मिलने के साथ ही पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

संभल सांसद के मकान पर क्या चलेगा बुलडोजर?

विभाग ने जियाउर रहमान को दिया अल्टीमेटम

संभल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान वर्क को संभल जिला प्रशासन ने नोटिस जारी किया है। यह नोटिस उनके निर्माणाधीन मकान को लेकर जारी किया गया है। नोटिस में बताया गया है कि मकान का निर्माण बिना नक्शे की मंजूरी के किया जा रहा है। सांसद जियाउर रहमान वर्क संभल हिंसा में आरोपी हैं। उनपर भीड़ को उकसाने का आरोप है। उन्होंने हाल ही में संभल में हुई बुलडोजर कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। सपा सांसद वर्क का मकान पर निर्माण सदर कोतवाली इलाके के दीपा सराय में दो वर्षों से चल रहा है। जिला प्रशासन ने कारण बताओ नोटिस जारी कर मकान के निर्माण कार्य को रोकने के आदेश दिए हैं। एसडीएम संभल ने नोटिस में कहा है कि यह मकान बिना नक्शा पास किए बनाया जा रहा है। नोटिस के जरिए सपा सांसद से जवाब मांगा गया है। उनपर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

ओला कैब चालक ने युवती से किया दुष्कर्म, फिर मंदिर में ले जाकर डाल दी वरमाला, केस दर्ज

गोरखपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गोरखनाथ क्षेत्र की एक युवती ने ओला कैब चालक मनोज जायसवाल पर दुष्कर्म का केस दर्ज कराया है। युवती का आरोप है कि वह मां के इलाज के लिए चालक को फोन कर गाड़ी बुक करती थी। इस दौरान उससे जान-पहचान हो गई। उसने नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। युवती की तहरीर पर केस दर्ज कर गोरखनाथ पुलिस जांच कर रही है। युवती ने तहरीर में आरोप लगाया है कि मां की तबीयत अक्सर खराब रहती है। उन्हें डॉक्टर को दिखाने के लिए गोरखनाथ क्षेत्र के ही ओला कैब चलाने वाले मनोज जायसवाल को कॉल कर गाड़ी बुक करती थी। उसने एक दिन नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया। युवती ने पुलिस को बताया कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी उसे लेहड़ा मंदिर ले गया। वहां जबरन गले में वरमाला डाल दी और बोला कि अब तुम मेरी पत्नी हो। लोकलाज के डर से वह सबकुछ सहती रही। युवती ने बताया कि इधर उसकी शादी दूसरे जगह तय हो गई तो आरोपी अब उसके दो भाइयों को जान से मारने की धमकी दे रहा है। वह यह धमकी भी दे रहा है कि जिस लड़के से उसकी शादी हो रही है,

यूपी में प्रियंका गांधी ने संभाली कमान!

कांग्रेस को अब ऊर्जावान युवाओं की तलाश, दिल्ली-लखनऊ की दौड़ लगा रहे नेता

कानपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बुंदेलखंड से लेकर कानपुर व आसपास जिलों में धड़ेबंदी, गुटबाजी में फंसी कांग्रेस अब संगठन की मजबूती के लिए ऊर्जावान युवाओं की तलाश में जुटी है। जिला, शहर व ब्लाक कमेटियां भंग होने के बाद वार्ड, बूथ, न्याय पंचायत से गांवों तक संगठन को धार देने का प्रयास है। राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा की कानपुर-बुंदेलखंड से प्रदेश के जिलों पर सीधी निगाह है। पार्टी आइएनडीआइ गठबंधन में सपा का साथ मिलने से लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद उत्साहित है। कमेटियां भंग होने के बाद कार्यवाहक अध्यक्षों को बेहतर समन्वय बना 2027 के विधानसभा चुनाव तक मजबूती लाने को लगाया गया है। पद पाने वाले दिल्ली-लखनऊ तक दौड़ लगाकर गोट फिट करने में लगे हैं।

प्रियंका वाड्रा ने समझी कानपुर-बुंदेलखंड का पूरा गणित

उत्तर, दक्षिण व ग्रामीण, बुंदेलखंड व आसपास जिलों में निवर्तमान, पुराने पदाधिकारी सक्रिय हैं। दिल्ली में शहर से एआइसीसी सदस्य विकास अवस्थी, प्रदेश महासचिव जेपी पाल, फतेहपुर के शिवाकांत तिवारी समेत प्रदेश के 50 से नेताओं को बुलाकर पार्टी महासचिव प्रियंका वाड्रा ने गणित समझी है। शहर कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी कहते हैं, नई कमेटियां बनने से नए लोग शामिल होंगे। पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्र संगठन में ऊर्जावान युवाओं के आने को उचित ठहराते हैं। नगर ग्रामीण के कार्यवाहक अध्यक्ष अमित पांडेय और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी आलोक मिश्रा ने बताया कि ब्लॉक स्तर तक कमेटियों के कार्यवाहक अध्यक्षों को संगठन मजबूती के लिए सीख दी गई है।

दक्षिण में अध्यक्ष नहीं

वर्ष 2022 से दक्षिण में कांग्रेस के अध्यक्ष ही नहीं है। यहां पर कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में काम चल रहा था। हरिकृष्ण भारतीय के निधन के बाद से तो संगठन ही नदारद है। यहां दीपक त्रिवेदी बल्ली, सुनीत त्रिपाठी समेत कई दावेदार सक्रिय हैं।

शहर में अधिक गुटबाजी

शहर कांग्रेस कमेटी और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों में गुटबाजी सबसे अधिक है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के जन्मदिन के समारोह में भी गुट अलग-अलग बंटे दिखे। कार्यवाहक शहर अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी, प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव दरियाबादी ने तिलक हाल में बड़ा कार्यक्रम किया। इससे इतर प्रदेश महासचिव हर प्रकाश अग्निहोत्री, पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्र अक्सर अलग ही कार्यक्रम करते हैं। सोनिया गांधी के जन्मदिन पर पूर्व प्रदेश सचिव कृपेश त्रिपाठी, पीसीसी सदस्य संदीप शुक्ला व अंकित कनौजिया समेत अन्य ने रक्तदान का कार्यक्रम कर मुख्य संगठन से दूरी बनाई।

प्रदेश कांग्रेस के निवर्तमान संगठन महामंत्री, अनिल यादव ने कहा

हर जिले में जाकर संगठन की मजबूती पर काम होगा। युवाओं, अनुभवी नेताओं से बात कर आवेदन लेंगे। उनकी ताकत समझकर जिला, शहर व ब्लॉक अध्यक्षों का चयन होगा। सप्ताह भीतर ये प्रक्रिया शुरू होगी।

आजम खान की चिट्ठी पर केशव मौर्य बोले

राहुल और अखिलेश में लगी है मुस्लिम वोट बैंक की होड़

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान की चिट्ठी पर मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है और लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। आजम खान की चिट्ठी को लेकर अब यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा है। उनके मुताबिक बेंगलुरु में शुरू हुआ इंडी गठबंधन चुनाव आते-आते कई हिस्सों में बंट चुका है। केशव मौर्य ने एक फिल्मी गाने की लाइन के आधार पर कहा है कि इंडी गठबंधन के टुकड़े अनेक हुए, कोई यहां गिरा-कोई वहां गिरा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के मुताबिक हरियाणा में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनने और महाराष्ट्र में भी बीजेपी गठबंधन की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने के बाद अब हालात बदल चुके हैं। इंडी गठबंधन के लोगों का विश्वास राहुल गांधी के नेतृत्व से उठ गया है। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं में अब खुद नेता बनने की होड़ मची हुई है। उनका कहना है कि मौजूदा हालात के मद्देनजर कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल दलों का अब कोई भविष्य नहीं है।

आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बन रहा देश- केशव

उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी ने 2047 तक का विकास का रोड मैप देश के सामने पहले ही रख दिया है। पीएम मोदी की अगुवाई में देश आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बन रहा है, इसलिए जनता बीजेपी के साथ खड़ी है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव से पहले राहुल गांधी के संभल जाने के सवाल पर चुटकी ली है और तंज कसते हुए कहा है कि दोनों नेताओं यानी राहुल और अखिलेश में मुस्लिम वोटों को लेकर होड़ मची हुई है।

महिला फरियादी का हाई वोल्टेज ड्रामा, महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के दौरे के बीच भ्रष्टाचार के आरोपों की गूंज

रायबरेली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। रायबरेली में महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के दौरे के दौरान एसपी ऑफिस में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक महिला फरियादी ने हाई वोल्टेज ड्रामा करते हुए शहर कोतवाल पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। यह घटना शहर कोतवाली के एसपी ऑफिस की है, जहां महिला को शांत कराने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। जब महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव रायबरेली के दौरे पर थीं। इसी दौरान एक महिला फरियादी ने एसपी ऑफिस में पहुंचकर शहर कोतवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। महिला ने पुलिस के कामकाज पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि बिना रिश्वत दिए उसकी कोई सुनवाई नहीं की जाती। महिला की नाराजगी और आक्रोश इस कदर था कि उसे शांत कराने के लिए महिला पुलिस को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। महिला पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन महिला थानाध्यक्ष भी महिला को पकड़ने में असमर्थ रहीं और खुद गिर गईं। यह घटना वहां मौजूद सभी लोगों के लिए हैरान कर देने वाली थी।

अपर्णा यादव की प्रतिक्रिया

घटना के समय अपर्णा यादव रायबरेली में महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर रही थीं। जब इस घटना की जानकारी उन्हें मिली, तो उन्होंने तुरंत पुलिस अधिकारियों से बातचीत की और मामले की निष्पक्ष जांच का आदेश दिया। अपर्णा यादव ने कहा, "महिलाओं की समस्याओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

महिला फरियादी का बयान

महिला फरियादी ने कहा, "मैं कई दिनों से अपनी शिकायत लेकर थाने के चक्कर काट रही हूं, लेकिन मेरी कोई सुनवाई नहीं हो रही। पुलिस अधिकारी रिश्वत मांगते हैं और जब मैंने रिश्वत देने से इनकार किया, तो मेरी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया गया।"

महिला पुलिस की परेशानी

घटना के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों ने महिला को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उसका गुस्सा शांत करना आसान नहीं था। प्रदर्शनकारी महिला का कहना था कि जब तक उसकी शिकायत नहीं सुनी जाएगी, वह वहां से नहीं हटेगी। महिला थानाध्यक्ष भी महिला को काबू में करने की कोशिश में गिर गईं, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई।

पुलिस विभाग पर उठे सवाल

इस घटना ने पुलिस विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर कोतवाल पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों ने विभाग की साख पर बट्टा लगा दिया है। स्थानीय लोग भी पुलिस की कार्यप्रणाली से नाखुश नजर आए।

मामले की जांच के आदेश

एसपी ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा, "महिला के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम गठित की जाएगी, जो पूरे मामले की जांच करेगी। अगर कोई पुलिसकर्मी दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

मथुरा में डबल डेकर बस और कार की भिड़ंत स्विफ्ट में सवार महिला दरोगा की मौत

मथुरा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें डबल डेकर बस ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। कार में सवार महिला दरोगा की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनके पति को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक महिला उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थी और वो नोएडा से आगरा की ओर जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ। मांट थाना इलाके के अंतर्गत यमुना एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 100 के समीप बीती देर रात करीब 12:15 नोएडा से लखनऊ जाने वाली एक डबल डेकर बस ने यमुना एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 100 के पास स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी। कार में 6/71 नेहरु नगर दिल्ली निवासी रोबिन पुत्र वशिष्ठ नारायण अपनी पत्नी नेहा शुक्ला के साथ सवार थे। हादसे के बाद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घटना की जानकारी लगते ही पुलिस

मौके पर पहुंची और कार में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला। रोबिन का गंभीर हालत में उपचार जारी है। पुलिस ने बताया मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाली महिला मृतक महिला दारोगा नेहा शुक्ला पुत्री स्व। फूल चन्द्र शुक्ला मूल रूप से बांदा जिले के गांव जमालपुर थाना देहात कोतवाली की रहने वाली हैं। नेहा शुक्ला 2022 में उत्तर प्रदेश पुलिस में दारोगा के पद पर भर्ती हुई।

गुम हो रहीं बेटियां, शास्त्री नगर से सबसे ज्यादा मामले; न्यू बाईपास दूसरे नंबर पर

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी में कॉलोनियों का तेजी से विकास हो रहा है। पटना जंक्शन और एयरपोर्ट से 20 किलोमीटर तक की परिधि में पॉश कॉलोनियां बन गई हैं, जो घनी आबादी वाले इलाकों में तब्दील होती जा रही हैं। शहर के ऐसे 19 थाना क्षेत्र हैं, जहां तेजी से नगरीय विकास हो रहा है। तेजी से विकसित हो रहे इन इलाकों में लापता होने वाले लोगों की संख्या भी ज्यादा है।

जुलाई से अब तक 200 से ज्यादा मामले

एक जुलाई से नया कानून प्रभावी होने के बाद 10 दिसंबर तक पूर्वी, पश्चिमी और मध्य क्षेत्र के 19 शहरी थानों में 219 लोगों के गुमशुदा होने का मामला प्रकाश में आया है। इन मामलों में सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार सामान्य अपहरण की प्राथमिकी की गई है, लेकिन बरामदगी की दर 20 प्रतिशत भी नहीं है। गुमशुदा लोगों में वयस्कों की संख्या ज्यादा है। दूसरे स्थान पर नाबालिग और तीसरे पर शादीशुदा और कामकाजी युवतियां हैं।

शास्त्री नगर से गुमशुदा हुईं सबसे ज्यादा लड़कियां

पांच महीने में शास्त्री नगर थाने में गुमशुदगी के 38 मामले सामने आए हैं। इनमें बालिग और नाबालिग लड़कियों की संख्या अधिक है। कामकाजी पुरुष भी लापता हुए हैं। इस थाना क्षेत्र में कई स्कूल एवं कॉलेज हैं। सरकारी क्वार्टर और स्लम बस्तियां भी हैं। वे जहां से गायब होती हैं, उसी थाने में उनके अपहरण की प्राथमिकी दर्ज की जाती है।

बाईपास से सटे इलाके दूसरे नंबर पर

न्यू बाईपास से सटे इलाके जक्कनपुर, गर्दनीबाग और रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र में लापता होने वाले ज्यादातर लोगों का सुराग नहीं मिल पाया। नई कॉलोनियों में दूसरे शहरों के किराएदारों की संख्या ज्यादा है। पुलिस गुमशुदगी का मामला कर अनुसंधान शुरू करती है तो मालूम होता है कि लापता व्यक्ति वहां से कोसों दूर गांव का रहने वाला है। अनुसंधानकर्ता जटिल कागजी प्रक्रिया से पल्ला झाड़ लेते हैं।

1 जुलाई से 10 दिसंबर तक के आंकड़े

गुमशुदा लोगों की बरामदगी के लिए अनुमंडल स्तर पर एएचटीयू (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) है। इसकी मानिटरिंग एसडीपीओ (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी) करते हैं। टीम की कमान इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी के पास है। गुमशुदगी मामलों की समीक्षा के बाद अनुसंधानकर्ता को कांड में प्रगति के निर्देश देते हैं। पांच महीने में इंटरनेट मीडिया के माध्यम से पुलिस ने 23 लापता लोगों को उनके स्वजन से मिलवाया था। इनमें सात मासूम, चार किशोरी व अन्य में बुजुर्ग एवं मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति थे। गुमशुदगी का मामला सामने आते ही पुलिस ने लापता लोगों की तस्वीर एक्स पर पोस्ट की, जिसे देख कर उनके स्वजन ने स्थानीय थाने से संपर्क किया था।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर गर्म होकर जलने लगे बस के टायर, सवारियों ने कूदकर बचाई जान

आगरा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब से बिहार जा रही स्लीपर बस के टायर एक्सप्रेस-वे पर गर्म होकर जलने लगे। फतेहाबाद टोल से पांच किलोमीटर पहले चालक को आग की जानकारी हुई और उसने बस को किनारे खड़ा कर सवारियों को उतारा। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कई सवारियों का सामान बस में ही जल गया। यूपीडा, स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। फतेहाबाद की लुहारी चौकी के प्रभारी पृथ्वी राज ने बताया कि फतेहगढ़ी कंपनी की प्राइवेट स्लीपर बस पंजाब से बिहार के सुपौल जा रही थी। बस में 65 सवारियां मौजूद थीं। सुबह छह बजे फतेहाबाद टोल के पास 21 एलएचएस किलोमीटर पर बस के टायरों के अधिक गर्म होने के कारण टायरों में आग लग गई। चालक पंजाब के संगरूरी के अमरीक सिंह ने बस सुरक्षित पुलिया पर खड़ी की और सवारियों को उतारा।

अभिनेता दिलीप को वीआईपी ट्रीटमेंट पर केरल हाईकोर्ट नाराज

कहा- विशेषाधिकारों पर लगाम लगाए टीडीबी

कोच्चि, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मलयालम अभिनेता दिलीप को सबरीमाला यात्रा के दौरान भगवान अयप्पा मंदिर में दर्शन के लिए वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने पर केरल हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। केरल हाईकोर्ट ने अभिनेता दिलीप को दर्शन कराने के लिए तीर्थयात्रियों को रोके जाने को गंभीर माना। न्यायमूर्ति अनिल के नरेंद्र और न्यायमूर्ति मुरली कृष्ण एस की पीठ ने कहा कि सवाल केवल दो मिनट का नहीं है। क्योंकि अभिनेता को दर्शन कराने के लिए सोपानम के सामने की पहली दो पंक्तियों को काफी देर तक बंद रखा गया था। इस पर कोर्ट ने कहा कि त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) ऐसे विशेषाधिकारों पर लगाम लगाए। मलयालम अभिनेता दिलीप पांच दिसंबर को भगवान अय्यप्पन के दर्शन के लिए सबरीमाला पहुंचे थे। रात्रि में मंदिर बंद होने से ठीक पहले उन्होंने दर्शन किए। इसके बाद वे हरिवरासनम के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चले गए। यहां अभिनेता दिलीप को वीआईपी ट्रीटमेंट दिया गया था, जिसके कारण अन्य तीर्थयात्रियों के दर्शन में रुकावट आई थी। इस मामले में केरल हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। साथ ही देवस्वम बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई थी। मामले में हाईकोर्ट ने देवस्वम पीठ को अभिनेता के दर्शन की सीसीटीवी फुटेज एक पेन ड्राइव में पेश करने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सीसीटीवी फुटेज पेश की गई। फुटेज को अदालत में दिखाया गया। फुटेज के अनुसार रात करीब 10.58 बजे ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने सोपानम के सामने पहली पंक्ति से तीर्थयात्रियों की आवाजाही को दक्षिणी तरफ से रोक दिया। इसके बाद फिल्म अभिनेता दिलीप रात 10.58 बजे दक्षिणी तरफ से सोपानम की पहली पंक्ति में दाखिल हुए और 11:05:45 बजे तक वहीं रहे इस पर अदालत ने कहा कि वीडियो से साफ है कि उत्तरी दिशा से पहली पंक्ति में तीर्थयात्रियों की आवाजाही को रात 10 ।51 बजे एक अन्य गार्ड ने रोक दिया था। अदालत ने पूछा कि मामले में देवस्वम बोर्ड ने क्या कार्रवाई की? इस पर बोर्ड की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में दो गार्डों समेत अधिकारियों को नोटिस दिए गए हैं।

अदालत ने पूछा कि ऐसे लोगों को क्या विशेषाधिकार प्राप्त है? त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) और मुख्य पुलिस समन्वयक को निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। सबरीमाला सन्निधानम के सोपानम के सामने लंबे समय तक तीर्थयात्रियों के दर्शन में बाधा उत्पन्न करने के लिए इस तरह के विशेषाधिकार किसी भी तीर्थयात्री को न दिए जाएं। पीठ ने कहा कि मुख्य पुलिस समन्वयक और बोर्ड सचिव की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। मामले में अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी।

देशभर में वायु प्रदूषण का कहर

हर साल पीएम2.5 पॉल्यूशन से 15 लाख मौतें
गाजियाबाद और दिल्ली सबसे ज्यादा प्रभावित- रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। एक अध्ययन के अनुसार 2009 से 2019 के बीच हर साल लगभग 15 लाख मौतें लंबे समय तक पीएम2.5 प्रदूषण के संपर्क में रहने से होने का दावा किया गया है। ये शोध द लांसेट प्लैनेटरी हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित हुआ। हरियाणा की अशोका यूनिवर्सिटी और नई दिल्ली के सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल के शोधकर्ताओं ने पाया कि भारत की 1.4 अरब आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां पीएम2.5 का लेवल विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिशों से ज्यादा है।

भारतीय मानकों से भी ज्यादा प्रदूषण में जी रहे लोग

शोध में ये भी सामने आया कि लगभग 82% भारतीय यानी 1.1 अरब लोग ऐसी जगहों पर रहते हैं जहां पीएम2.5 स्तर भारत के राष्ट्रीय पर्यावरण गुणवत्ता मानक से भी ज्यादा है। पीएम2.5 प्रदूषण का मुख्य स्रोत वे छोटे कण हैं जिनका व्यास 2.5 माइक्रॉन से कम होता है। शोधकर्ताओं ने ये भी पाया कि हर साल पीएम2.5 के 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की बढ़ोतरी से वार्षिक मृत्यु दर में 8.6% की वृद्धि हो सकती है।

2016 में गाजियाबाद और दिल्ली सबसे प्रदूषित

शोधकर्ताओं ने 2009 से 2019 के बीच जिला स्तर पर पीएम2.5 प्रदूषण और उससे जुड़ी मौतों का अध्ययन किया। उन्होंने सैटेलाइट डेटा और 1,000 से ज्यादा ग्राउंड-मॉनिटरिंग स्टेशनों का इस्तेमाल किया। आंकड़ों के अनुसार 2019 में अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी जिले में पीएम2.5 का लेवल सबसे कम था। इसके विपरीत 2016 में गाजियाबाद और दिल्ली में पीएम2.5 का लेवल सबसे ज्यादा था।

पॉल्यूशन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत

शोधकर्ताओं का कहना है कि भारत में एयर पॉल्यूशन और उससे जुड़ी मौतों पर अभी भी पर्याप्त अध्ययन नहीं हुए हैं। यह अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि लंबे समय तक पीएम2.5 के संपर्क में रहने से देशभर में मौतों का बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। देश को पीएम2.5 के स्तर को कंट्रोल करने और लोगों के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए गंभीर कदम उठाने की जरूरत है।

घर से भागी महिला, पति पर लगाए झूठे आरोप हाई कोर्ट ने सिखाया सबक, लगाया जुर्माना

चंडीगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने घर से किसी के साथ भागने और फिर पति पर झूठे आरोप लगाने वाली महिला की याचिका को खारिज करते हुए उस पर जुर्माना लगाया है। हाईकोर्ट ने न्यायिक प्रक्रियाओं में बाधा डालने वाले ऐसे झूठे बढ़ती संख्या पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इनके चलते सच्चे व महत्वपूर्ण मामलों के लिए मौजूद कीमती समय और संसाधन छिन जाते हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता महिला को 20 हजार रुपये जुर्माना भरने का आदेश दिया है। गुरुग्राम निवासी महिला ने याचिका दाखिल करते हुए पति और अन्य रिश्तेदारों द्वारा धमकी और उत्पीड़न का आरोप लगाया था। हाईकोर्ट ने कहा कि महिला ने अन्य बातों के अलावा अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि उसके पति ने नशे की लत के कारण उसे शारीरिक नुकसान पहुंचाया और उसे यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। लेकिन याचिका में घटना के किसी सबूत का जिक्र नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका में इस बात का दूर-दूर तक कोई संकेत मिलता है कि किस तरह से, किस तारीख को या किस स्थान पर प्रतिवादियों ने याचिकाकर्ता को धमकाया, हमला किया या परेशान किया हो। ऐसा कोई आधार नहीं है जिसके चलते उसे अपने जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की मांग करनी पड़े या उसके जीवन को खतरा हो। प्रतिवादी-पति के खिलाफ केवल सामान्य आरोप लगाए गए हैं। राज्य द्वारा दायर की गई स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार याचिकाकर्ता किसी व्यक्ति के साथ अपने वैवाहिक घर से भाग गई थी, जिससे धमकी और उत्पीड़न के दावे निराधार हो गए। यह न्यायालय यह देखकर दुखी है कि इस प्रकार के फर्जी मामलों से अदालतों पर बोझ बढ़ रहा है। ऐसे मामलों से राज्य की पूरी मशीनरी पर बोझ पड़ रहा है। इस तरह की प्रवृत्ति को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

लालू परिवार में फूट ? तेजस्वी यादव का एकला चलो से मचा हड़कंप, मीसा भारती और तेज प्रताप गायब

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के राजनीतिक आयाम की जब सम्मिलित रूप से चर्चा होती है तो उनकी आलोचना में सबसे ज्यादा कटाक्ष उनके परिवार वालों को ले कर किया जाता रहा है। पर वर्तमान राजनीति की बात की जाए तो लालू प्रसाद यादव का परिवारवाद कहीं न कहीं बंटा हुआ दिखता है। यह चाहे चुनावी मंच हो या चुनावी यात्रा। देखा यह जा रहा है कि बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एकला चलो की राह पर निकल पड़े हैं। आखिर राजनीति में परिवार की सामूहिकता दिख क्यों नहीं रही है। आइए विस्तार से जानते हैं।

तेजस्वी एकला चलो की राह पर

राष्ट्रीय जनता दल की बागडोर एक तरह से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ही संभाले हुए हैं। काफी अरसे से देखा जा रहा है कि चुनावी मंच पर तेजस्वी यादव अपने सहयोगी या फिर स्थानीय नेताओं के साथ मंच साझा करते रहे हैं। अपने इस मंच पर न तो पाटलिपुत्र लोकसभा से राजद की संसद मीसा भारती, छपरा के लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी रोहिणी आचार्या या फिर हसनपुर के विधायक तेज प्रताप यादव ही नजर नहीं आते। अब इसकी वजह क्या है यह तो राजद परिवार जाने मगर लालू यादव का परिवार सामूहिकता के साथ मंच पर उपस्थित नहीं होना कई सवालों को जन्म देता है। और वह भी नकारात्मक सवाल कुछ ज्यादा। मसलन सक्रिय राजनीति से मीसा भारती या फिर तेज प्रताप को कहीं अलग तो नहीं रखा जा रहा है? या कि परिवारवाद के भीतर कहीं कोल्ड वार तो नहीं छिड़ा हुआ है?

राहुल और प्रियंका की राजनीतिक बॉन्डिंग

वही अगर कांग्रेस की बात करें तो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा पारिवारिक ही नहीं राजनीतिक बॉन्डिंग भी काफी मजबूत दिखता है। प्रियंका की बात करें तो राहुल गांधी के राजनीतिक कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी या फिर संलिप्तता की बात करें तो वह सौ फीसदी दिखता है। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' की ही बात करें तो प्रियंका की संलिप्तता साफ दिखती है। गाजियाबाद में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। बाद में मीडिया के लिए प्रसारित एक वीडियो में राहुल-प्रियंका मंच पर एक साथ बैठे हैं। इस दौरान राहुल अपनी बहन प्रियंका का माथा चूमा और उनसे बातें करने लगे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने भाई और पार्टी सांसद राहुल गांधी की लोनी बॉर्डर पर प्रशंसा करते कहा भी कि राहुल गांधी को ठंड नहीं लगती क्योंकि उन्होंने सच्चाई की ढाल ओढ़ रखी है, मेरे भाई को कभी नहीं खरीद सकते क्योंकि वह सच्चाई के लिए खड़े हैं।

मीसा और तेजस्वी में आपसी प्रतिद्वंदिता

राज्य के वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण बागी मानते हैं कि जो राजनीतिक बॉन्डिंग राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच है वो मीसा भारती और तेजस्वी यादव, तेज प्रताप या कि रोहिणी आचार्या के बीच नहीं है। इसकी वजह है लालू यादव के परिवार में राजनीतिज्ञ प्रतिद्वंदिता की लड़ाई चल रही है। पावर का केंद्र कौन बने यह लड़ाई अंदुरूनी स्तर पर चल रही है।

राहुल-प्रियंका एक-दूसरे के सपोर्टर, प्रतिद्वंदी नहीं

दूसरी तरफ अपने पिता राहुल गांधी को खोने के बाद काफी उतार चढ़ाव देखने वाले राहुल और प्रियंका एक-दूसरे के सपोर्टर है,प्रतिद्वंदी नहीं। यही वजह भी है कि राहुल गांधी को पहले अकेले ही राजनीति में उतारा गया। पर जब सफलता नहीं मिली तो प्रियंका को लाया गया। संभव है राजनीति में शामिल होने के बाद राहुल और प्रियंका में भी प्रतिद्वंदिता का युद्ध शामिल हो। पर अभी तो जबरदस्त बॉन्डिंग है। वहीं लालू यादव के परिवार में अपनी डफली अपना राग का समय चल रहा है। यह दीगर कि लालू प्रसाद यादव का आशीर्वाद तेजस्वी को मिला है। यही वजह है कि बड़ा भाई होने के बाद भी तेज प्रताप को वह राजनीतिक कद हासिल नहीं हुआ।

स्कूल में बच्चों को गिफ्ट में टीचर दे रहा था बाइबिल, पैरेंट्स ने किया हंगामा; सस्पेंड

बेंगलूरू, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के राजन्ना सिरिसिला जिले में एक स्कूल में एक शिक्षक ने छात्रों के बीच बाइबिल बांटी। जब इस बात की जानकारी अभिभावकों को हुई तो वे नाराज हो गए और स्कूल प्रबंधन से शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने टीचर को सस्पेंड कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। राजन्ना सिरिसिला जिले के एल्लारेड्डीपेट में यह स्कूल है। नारायणपुरम सरकारी जिला परिषद हाई स्कूल में अंग्रेजी शिक्षक के रूप में कार्यरत शिक्षक लिंगला राजू ने क्रिसमस उपहार के नाम पर लगभग 100 छात्रों को गिफ्ट वितरित किए। गिफ्ट पैक में खिलौने, कैंची, बिस्कुट, चॉकलेट, पेन और बाइबिल की किताबें थीं। जब दूसरे शिक्षकों की नज़र बाइबिल की पुस्तक पर पड़ी तो उन्होंने गिफ्ट वितरण रोक दिया। इसकी जानकारी होने पर स्थानीय लोग स्कूल पहुंचे और छात्रों से गिफ्ट पैक जब्त कर लिया और स्कूल में ही हंगामा करने लगे। सूचना मिलने पर एमईओ कृष्णहरि और एसएसआई रमाकांत स्कूल पहुंचे और जांच शुरू की। स्थानीय लोगों ने वीडियो और फोटो के साथ मंडल शिक्षा अधिकारी से शिकायत की। उन्होंने स्थानीय लोगों से कहा कि शिक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जायेगी।

रेप, किडनैपिंग, शरीर के टुकड़े, एआई से सुलझी लड़की की मर्डर मिस्ट्री, पकड़ा गया कातिल

झारसुगुड़ा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। शहर में जमानत पर बाहर आए एक बलात्कार के आरोपी ने पीड़िता की हत्या कर दी। साथ ही सबूत मिटाने के लिए लड़की के शव के कई छोटे छोटे टुकड़े कर के उन्हें अलग अलग जगहों में भेज दिया। हालांकि पुलिस ने एआई की मदद से आरोपी को पकड़ लिया है। आरोपी की पहचान कुनू किसान के रूप में हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कुनु ने पिछले साल अगस्त में सुंदरगढ़ जिले में रहने वाली लड़की का रेप किया था। पीड़िता ने धारुआडीह पुलिस थाने में रेप का मामला दर्ज कराया था, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया था। झारसुगुड़ा के पुलिस अधीक्षक परमार स्मित पुरुषोत्तम दास ने कहा, '7 दिसंबर 2024 को लड़की के घरवालों ने उसके गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद हमने जांच शुरू की। हालांकि हमारे पास कोई न ही कोई लीड थी, न ही हमें कोई लिंक मिल रहा था। ऐसे में उन्होंने लड़की को ढूंढने के लिए एआई की मदद ली। उन्होंने बताया कि लड़की अपनी मौसी के घर से गायब हुई थी। पुरुषोत्तम दास ने बताया कि उन्होंने लड़की की तस्वीर को इलाके स्मार्ट सिटी सीसीटीवी सिस्टम में अपलोड की। ऐसे में जब उन्होंने गायब लड़की की फोटो सिस्टम में डाली तो उन्हें दो युवक के साथ एक बाइक की तस्वीर मिली, जिसमें नंबर प्लेट गलत लगी हुई थी। इसके बाद उन्होंने फुटेज का उपयोग करते हुए जांच शुरू की और लेफ्रिपाड़ा पुलिस स्टेशन के कुनू किसान का पता लगाया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी तीन महीने बाद पिछले साल दिसंबर में जेल से जमानत पर बाहर आया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके पूछताछ की गई, जिसमें उसने लड़की की हत्या करने की बात कबूल की। साथ ही बताया कि उसने लड़की के शरीर के छोटे छोटे हिस्से काटकर उनका अंतिमसंस्कार कर दिया।

आरडीवीवी के कुलपति पर महिला सहायक कुलसचिव ने लगाए प्रताड़ना के आरोप

जबलपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति पर एक महिला सहायक कुलपति ने प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। शिकायत में कुलपति पर अशोभनीय टिप्पणी,अभद्र इशारे,अपमानित और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की बात कही गयी है। इस संबंध में प्रदेश के राज्यपाल और राज्य महिला आयोग को शिकायत भी की गयी है।महिला सहायक कुलसचिव की तरफ से की गयी शिकायत में कहा गया है कि कुलपति आर के वर्मा ने 21 नवंबर को अपने कक्ष में चर्चा के लिए बुलाया गया था। वहां अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे। चर्चा में वह अकेली महिला थीं। कुलपति ने कर्मचारियों को, मुझसे काम करवाने के लिए कहा । साथ ही मेरे खिलाफ अशोभनीय टिप्पणियां भी की गईं। इसी दिन शाम 6 बजे आईक्यूएसी कार्यालय में बैठक के बाद डीआईटी परीक्षा की तारीख आगे करने के संबंध में उन पर झूठे आरोप भी लगाए गए। जबकि परीक्षा की तारीख कुलपति के अनुमोदन के बाद बढ़ाई गई थी। छात्रों,कर्मचारियों,सहकर्मियों के सामने कुलपति ने उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित भी किया। शिकायत में बताया गया है कि ऑफिशियल वाट्सअप ग्रुप में 13 अक्टूबर को देर रात अतिथि मानदेय भुगतान के बारे में अतिथि शिक्षकों और विभागाध्यक्षों ने अशोभनीय टिप्पणियां की। उन्होंने इसकी शिकायत अगले दिन कुलपति से की, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

एनआईए का बड़ा एक्शन! जैश-ए-मोहम्मद कट्टरपंथ मामले में पांच राज्यों में मारे छापे, कई संदिग्धों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े व्यक्तियों को कट्टरपंथी बनाने से जुड़े एक मामले की चल रही जांच के तहत पांच राज्यों में 19 स्थानों पर तलाशी ली। जम्मू-कश्मीर, असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और गुजरात में संदिग्धों के ठिकानों पर सुबह से ही छापेमारी चल रही है। यह अभियान आतंकवादी दुष्प्रचार के प्रसार और चरमपंथी गतिविधियों का मुकाबला करने के प्रयासों पर केंद्रित है। यह कदम आतंकवाद निरोधी एजेंसी द्वारा पांच राज्यों में कई स्थानों पर छापेमारी और शेख सुल्तान सलाह उद्दीन अयूबी उर्फ अयूबी नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के दो महीने बाद उठाया गया है। असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में 26 स्थानों पर तलाशी के बाद अयूबी को हिरासत में लिया गया। आरोपी को साजिश मामले (आरसी-13/2024/एनआईए/डीएलआई) में उसकी भूमिका के कारण गिरफ्तार किया गया था। ऑपरेशन के बाद, कई अन्य संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान, एनआईए की टीमों ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्चे और पत्रिकाएँ जब्त कीं। गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ और उन संदिग्धों के खिलाफ सबूतों की जांच के बाद एजेंसी को सुराग मिलने के बाद आज सुबह तलाशी की गई, जिनके परिसरों की इस वर्ष अक्टूबर में तलाशी ली गई थी। एनआईए ने तब कहा था कि संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े व्यक्तियों को कट्टरपंथी बनाने में लगे हुए थे और आतंकवाद से संबंधित दुष्प्रचार फैलाने तथा जैश-ए-मोहम्मद से प्रेरित होकर युवाओं को जमात संगठन में कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने में लगे हुए थे। एनआईए ने कहा है, ये संदिग्ध भारत भर में हिंसक आतंकवादी हमले करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने में शामिल थे।

शादी में हुई एक भूल, 7 साल तक दूल्हे को नहीं मनाने दी सुहागरात, कोर्ट ने निकाला ये हल

बेंगलुरु, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक शादी के बाद एक खुशहाल जिंदगी की हर कोई चाहत रखता है लेकिन कुछ लोगों की चाहत अधूरी रह जाती है। इसमें कई बार पति की कुछ कमी होती है, तो वहीं कई बार पत्नी की कुछ कमी होती है। ऐसा ही एक मामला कर्नाटक से सामने आया है, जहां शादी के सात साल बाद तक भी एक पत्नी ने पति को अपने आप को छूने तक नहीं दिया। शादी के इतने साल बाद में पत्नी सुहागरात के लिए नहीं मानी। वो हमेशा कुछ न कुछ बहाना बनाकर पति से दूर हो जाती है। इसके बाद पति रवि ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और पत्नी सौम्या से तलाक की अर्जी दी। हाईकोर्ट ने तलाक को मंजूरी दे दी। हाईकोर्ट ने सौम्या के रवैये को देखते हुए अपना फैसला सुनाया। रवि ने अपनी याचिका में बताया था कि उसकी पत्नी सौम्या शादी के बाद अपने स्टेटस के मुताबिक रिसेप्शन न देने की बात से नाराज हो गई थी, तब से वह रवि को अपने पास तक आने नहीं देती और अपने पति रवि से दूसरा दूल्हा ढूंढ़कर देने के लिए कहती है। इसके साथ ही बेडरूम में रवि पर बिना किसी वजह के हमला भी करती है।

127 पन्ने के व्हाट्सएप मैसेज

कपल की शादी माता-पिता की रजामंदी से साल 2017 में हुई थी लेकिन दो साल बाद ही रवि ने कोर्ट में अर्जी दे दी थी। पति ने बताया कि शादी के बाद पत्नी ने सुहागरात मनाने से भी इनकार कर दिया और कई साल बीत जाने के बाद भी वह उसे अपने करीब नहीं आने देती थी। इसके अलावा रवि को रिसेप्शन अच्छा न देने के लिए ताने भी मारती थी। हाईकोर्ट ने बताया कि साल 2018 से 2019 तक सौम्या के रवि को भेजे गए सभी व्हाट्सएप मैसेज देखे गए। ये सब मैसेज करीब 127 पन्ने के थे, जिन्हें देखने के बाद पता चलता है कि सौम्या को अपनी शादी और पति में कोई दिलचस्पी नहीं है इसलिए उनके तलाक को मंजूरी दे दी गई

कोर्ट ने दी तलाक को मंजूरी

पहले ये मामला पारिवारिक कोर्ट में चल रहा था, जिसमें पति के हक में फैसला करते हुए साल 2022 में तलाक को मंजूरी मिल गई थी लेकिन इसके बाद पत्नी ने पारिवारिक कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दे दी थी और कहा कि वह अपने पति से प्यार करती है और उनके साथ रहना चाहती है। इसके बाद ये पूरा मामला हाईकोर्ट में चला। पति ने कोर्ट में व्हाट्सएप मैसेज और बाकी बातें बताईं और हाईकोर्ट ने भी तलाक को मंजूरी दे दी।

आईटीबीपी के जवान विनोद कुमार की ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने से मौत, पूरे गांव में शोक की लहर

गगल (कांगड़ा), 12 दिसंबर (एजेंसियां)। धर्मशाला विधानसभा के अंतर्गत (आईटीबीपी) में एएसआई की ट्रेनिंग करने के लिए गुवाहाटी गए वगली गांव निवासी विनोद कुमार (47) वर्षीय की ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने से मौत हो गई। जवान का शव शुक्रवार तक पैतृक गांव पहुंचने की संभावना है। जवान की मौत की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी। विनोद कुमार इन दिनों गुवाहाटी में सेवाएं दे रहे थे। जानकारी देते हुए उनके छोटे भाई ने बताया कि वह करीब एक महीने पहले ही छुट्टी काटकर ड्यूटी पर गए थे। विनोद कुमार करीब 2000 मे आईटीबीपी में भर्ती हुए थे। उनके परिवार में पत्नी, और दो बेटे हैं। दोनों बेटे पढ़ाई कर रहे हैं। बड़ा बेटा चंडीगढ़ में और छोटा बेटा धर्मशाला कॉलेज में पढ़ाई कर रहा है। स्थानीय पंचायत प्रधान शालिनी एवं उपप्रधान संदीप कमार ने बताया कि विनोद कुमार मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे।

भाषण के बीच में क्यों भड़कीं हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष? सीएम सुक्खू 2 साल की सरकार का मना रहे थे जश्न

शिमला, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह मंच से भाषण दे रहीं थीं तभी अचानक उन्हें गुस्सा आ गया और वो मंच से निकल गईं। इस दौरान सामने पूरा पंडाल लोगों से भरा था और कार्यक्रम का लाइव प्रसारण चल रहा था। दरअसल, हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का बुधवार को 2 साल का कार्यकाल पूरा हो गया। इस मौके पर बिलासपुर में दो साल के जश्न का बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें कांग्रेस नेताओं ने मंच पर आकर जनता और अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश की।

'आप नहीं चाहते कि मैं ज्यादा बोलूं?'

इसी दौरान जब हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह भाषण दे रहीं थीं तब अचानक बिलासपुर के पूर्व विधायक बंबर ठाकुर आए और उन्हें रोककर भाषण खत्म करने के लिए कहा जिसपर प्रतिभा सिंह भड़क गईं। प्रतिभा सिंह ने कहा, "अंत ही कर रही हूं। अंत ही कर रही थी। मैं ज्यादा कुछ लंबी चौड़ी बात नहीं कर रही, मैं तो संगठन की बात आपसे कर रही थी। मेरे को पता है कितना बोलना है।" उन्होंने सीएम की तरफ कहा कि आप नहीं चाहते कि मैं ज्यादा बोलूं। यह सारी बातें वीडियो में रिकॉर्ड हो गई।

कांग्रेस नेता को दी हिदायत

मंच पर ऐसे टोकने से प्रतिभा सिंह की बॉडी लैंग्वेज भी असहज हो गई और उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं और मीडिया का आभार व्यक्त कर अपना भाषण खत्म किया। भाषण खत्म करने के बाद प्रतिभा सिंह ने कांग्रेस नेता को दोबारा हिदायत दी कि जब कोई भाषण दे रहा हो, तो उन्हें इस तरह बीच में नहीं रोकना चाहिए।

हिमाचल बीजेपी ने ली चुटकी

अपने भाषण के दौरान प्रतिभा सिंह ने अपनी सरकार की उपलब्धियां भी गिनवाईं और संगठन की भी तारीफ की। इस दौरान भाजपा पर भी जमकर निशाने साधे लेकिन हिमाचल भाजपा ने प्रतिभा सिंह को बीच में टोकने वाली बात पर चुटकी ली है। कुछ देर बाद ही हिमाचल प्रदेश भाजपा के ऑफिशियल एक्स हैंडल पर प्रतिभा सिंह का वीडियो पोस्ट किया है। साथ ही लिखा है, "कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष की जुबान पर तानाशाह सुक्खू की लगाम। प्रतिभा सिंह जी कितना बोलेंगी ये भी अब सुक्खू तय करते हैं।" बीजेपी ने एक और वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है, "सुक्खू मंत्रिमंडल ने किया पूर्व मुख्यमंत्री स्व। वीरभद्र सिंह जी की धर्मपत्नी एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा सिंह जी

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 13 दिसंबर- 2024

इंडिया गठबंधन की 'दीदी'

देश की राजधानी नई दिल्ली के मौसम में कडाके की ठण्डक है लेकिन राजनीति में उतनी ही गर्माहट। कुछ इलाक़ों में ठण्डक इतनी कि खून तक जम जाए। वहीं कई इलाक़ों में राजनीतिक गर्मी इतनी कि खून खौल जाए। महाराष्ट्र में बुरी तरह हारने के बाद कांग्रेस कंपकंपा रही है। कांग्रेस के लिए एक कहावत मुफीद है कि बैल जब थक- हार जाता है तो बैलगाड़ी के पहिए में खुद लात मार कर घायल हो जाता है। यही हाल कांग्रेस का है। करारी हार के बाद उसने अडाणी मुद्दे को पकड रखा है। बदले में भाजपा और उसके होशियार अय्यार, सोनिया गांधी के विरुद्ध जार्ज सोरोस का मामला खोज लाए हैं। उनका कहना है कि सोनिया गांधी ऐसे संगठन से जुड़ी हुई हैं जो भारत के खिलाफ लगातार अभियान चलाता रहता है। दिल्ली में अभी भी उतनी ठंड नहीं है जितनी की हर साल हुआ करती थी लेकिन उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में पारा पाँच या दो डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके बाद भी आम आदमी पार्टी के नेता केजरीवाल ने गर्मी बढ़ा रखी है। विधानसभा चुनाव फ़रवरी 2025 में होने हैं लेकिन केजरीवाल अभी से उम्मीदवारों की लिस्ट पर लिस्ट जारी करते जा रहे हैं। केजरीवाल इस बार भी दिल्ली में भाजपा को बख्शने के मूड में नहीं दिखाई दे रहे हैं। वे भाजपा के लोकल चेहरे के अभाव को भुनाने का प्रयास कर रहे हैं। एक संघर्षशील डॉक्टर हर्ष वर्धन हुआ करते थे, लेकिन वे अब कहां हैं, खुद भाजपा भी नहीं पता। ...भाजपा अब उन्हें जानना भी नहीं चाहती है! दूसरी ओर महाराष्ट्र की परम पराजय के बाद इंडिया गठबंधन के तमाम साथियों का कांग्रेस से मोह भंग होता दिख रहा है। हर मौसम में कोलकाता जिस तरह गर्म रहता है, राजनीतिक रूप से भी उतना ही गर्म है। इंडिया गठबंधन के अधिकांश सदस्य-दल अब राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस की बजाय ममता बनर्जी में आस्था जताने को आतुर हैं। उनका कहना है कि मोदी से टक्कर लेने की हिम्मत सिर्फ़ ममता दीदी में है। अब इन्हें कौन समझाए कि जो मोदी ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल को जीते बिना दस साल से देश पर राज कर रहे हैं, उनका ममता दीदी गठबंधन की मुखिया बन कर क्या बिगाड़ लेंगी? देखा जाए तो इन दलों की हालत डूबते को तिनके का सहारा जैसी है। लोकसभा चुनाव के तत्काल बाद इंडिया गठबंधन के तमाम दलों को राहुल गांधी में ही अपना ईश्वर नज़र आने लगा था। खुद ममता दीदी भी कह रही थीं कि कांग्रेस के पाँव में सबका पाँव! लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र की करारी हार ने सबका मुंह कडवा कर दिया है, सिवाय मल्लिकार्जुन खडगे के। हार हो या जीत, वे हमेशा तटस्थ ही दिखते हैं। एक तरह से भाव शून्य नज़र आते हैं। निर्विकार। शायद वे अपनी इसी खूबी के कारण अध्यक्ष बनाए गए हैं। वैसे भी कांग्रेस को ऐसे नेताओं की तलाश हमेशा रहती है। तमाम दुख- सुख से परे भी, और हार- जीत के झंझट से मुक्त भी। इस बीच ममता के एक बयान ने इन दिनों तहलका मचा रखा है। बांग्लादेश के एक नेता ने कह दिया था कि अगर भारत हमसे चटगाँव माँगेगा तो हम बंगाल, बिहार और ओडिशा वापस ले लेंगे। ममता दीदी ने आव देखा न ताव, तमतमाते चेहरे के साथ कह डाला कि आप बंगाल, ओडिशा छीनने की कोशिश करेंगे तो हम क्या लॉलीपॉप खाते रहेंगे? राहुल छोड़ ममता में विश्वास जताने वाले इंडिया गठबंधन के कुछ दलों को यह बयान इतना जबर्दस्त लगा कि जिसे देखो वही वार-वाह करने में जुट गया है। इस जयकारे से ममता दीदी भी फूली नहीं समा रही हैं।

दहेज़ के कानूनों में कब तक हलाल होते रहेंगे ?

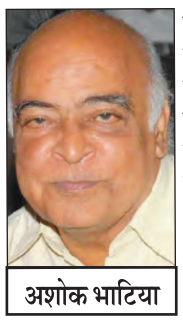

अशोक भाटिया

सोशल मीडिया पर इन दिनों अतुल सुभाष सुसाइड केस चर्चा का विषय बना हुआ है। बेंगलुरु में एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने लगभग डेढ़ घंटे के वीडियो में बताया है कि उनकी पत्नी, उनके परिवार और फैमिली कोर्ट की जज ने उन्हें परेशान किया। इन आरोपों के बाद इंजीनियर ने आत्महत्या कर ली। इस केस के बाद सोशल मीडिया से लेकर देशभर में चर्चा चल रही है कि लड़कियां लड़कों पर झूठे आरोप लगाती हैं और कानून का गलत इस्तेमाल करती हैं। अभी तो चर्चा हो रही है पर इससे कुछ नहीं बदलने वाला। ना ये सिस्टम, ना सिस्टम की सोच। ना पुलिस का रवैया। ना न्याय प्रणाली की रफ्तार। ना सुधरेगा भ्रष्टाचार। कुछ भी इसलिए नहीं बदलेगा, क्योंकि हमारे देश में एक दिन अचानक जागकर फिर लंबी गहरी नींद में सो जाने वाली सोच समाज में फैली है। जिसे क्रांति तो चाहिए लेकिन अपने घर से नहीं। इसी सोच की वजह से सिस्टम जस का तस बना रहता है। अतुल सुभाष ने खुदकुशी से 24 पन्नों का जो सुसाइड नोट लिखा हैऔर 81 मिनट का वीडियो बनाया है। इनमें उन्होंने अपनी पूरी व्यथा कथा कह डाली है। उन्होंने सुसाइड नोट में लिखा, ₹मेरे ही टैक्स के पैसे से ये अदालत, ये पुलिस और पूरा सिस्टम मुझे और मेरे परिवार और मेरे जैसे और भी लोगों को परेशान करेगा। और मैं ही नहीं रहूंगा तो ना तो पैसा होगा और न ही मेरे माता-पिता, भाई को परेशान करने की कोई वजह होगी।" अतुल को लगता है कि उनको या उनके जैसे लोगों को न्याय मिलेगा? देखने वाली बात यह है कि क्या जो आरोप लगे हैं उसके आधार पर जांच करके अतुल सुभाष को न्याय मिलेगा? या फिर कल, आज और कल या फिर कुछ दिन और सब चर्चा करके भूल जाएंगे? सॉरी अतुल सुभाष! कुछ भी नहीं बदलने वाला! जिन माता-पिता और परिवार को सिस्टम के क्रूर पंजों से बचाने के लिए अतुल अपनी जान दे गए, क्या वो बुजुर्ग अब न्याय पाएंगे? मां बेंगलुरु में श्मशान घाट पर अपने बेटे के अंतिम संस्कार के वक्त खुद को संभाल नहीं पाईं। पूरी रात रोते बीती। एयरपोर्ट पर बेहोश हो गईं।इसके बाद भी कुछ नहीं बदलेगा । गौरतलब है कि एक मामले की सुनवाई करते जस्टिस बीआर गवई ने कहा था कि नागपुर में मैंने एक ऐसा मामला देखा था, जिसमें एक लड़का अमेरिका गया था और उसे शादी किए बिना ही 50 लाख रुपए देने पड़े थे। वो एक दिन भी साथ नहीं रहा था। मैं खुले तौर पर कहता हूं कि घरेलू हिंसा और धारा 498ए का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया जाता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने भी तेलंगाना के एक मामले में सुनवाई करते हुए इसके दुरुपयोग की बात कही थी।अगस्त में बॉम्बे हाईकोर्ट ने 498ए के दुरुपयोग पर चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि दादा-दादी और बिस्तर पर पड़े लोगों को भी फंसाया जा रहा है। मई में केरल हाईकोर्ट ने कहा था कि पत्नियां अक्सर बदला लेने के लिए पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ऐसे मामले दर्ज करवा देती हैं। ज्ञात हो कि दहेज कुप्रथा को रोकने के लिए हमारे देश में कई कानून बनाए हैं। असहाय महिलाओं के खिलाफ हिंसा को कम करने के लिए कानून बनाने पर जोर दिया गया था। इसके चलते दहेज निषेध अधिनियम, 1961 बना। दहेज की मांग के बाद घरेलू हिंसा की घटनाएं भी सामने आती रही हैं ऐसे में 'घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005' पारित किया गया।इसके साथ ही पुरानी आईपीसी में दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्याओं को रोकने के लिए कई प्रावधान किए गए थे। आईपीसी की धारा 498 दहेज से पहले और बाद में किसी भी रूप में उत्पीड़न को दंडनीय और गैर-जमानती बनाती है। 1983 में संसद द्वारा एक आपराधिक अधिनियम 'आईपीसी 498 ए' पारित किया था जो कहता था कि दहेज वसूलने के लिए की गई क्रूरता पर तीन या अधिक वर्षों की अवधि की सजा और जुर्माना देना होगा। दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्याओं को रोकने के लिए आईपीसी 1961 में एक नई धारा 'आईपीसी 304 बी' जोड़ी गई। आईपीसी 304 बी में 'दहेज हत्या' का जिक्र है। भारतीय दंड संहिता की धारा 304 बी में कहा गया है कि अगर किसी महिला की शादी के सात साल के भीतर किसी भी जलने या शारीरिक चोट से मृत्यु हो जाती है या यह पता चला है कि उसकी शादी से पहले वह अपने पति या पति के किसी अन्य रिश्तेदार द्वारा क्रूरता या उत्पीड़न के संपर्क में थी। दहेज मांगने का संबंध तब महिला की मृत्यु को दहेज मृत्यु माना जाएगा। दहेज हत्या के लिए सजा सात साल के कारावास की न्यूनतम सजा या आजीवन कारावास की अधिकतम सजा है। कानून पारित होते ही दहेज उत्पीड़न के हजारों मामले दर्ज होने लगे। कई बार यह विवाहित महिला के लिए सुरक्षा के बजाय हथियार बन गया जिस पर समय-समय पर अदालतों ने भी चिंता जताई। पिछले दिनों नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) से सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए सवाल के जवाब के हवाले से एक खबर आई थी । उससे पता चला कि एक साल में करीब सवा लाख मुकदमे झूठे पाए गए। ये मुकदमे दूसरों को फंसाने के लिए दर्ज कराए गए थे। जिन लोगों पर मुकदमे किए गए थे, उनके खिलाफ आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी यानी वे झूठे थे। कहीं रास्ते के विवाद में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया गया। कहीं विरोधी पर दबाव बनाने के लिए छेड़खानी का मुकदमा तो कहीं दुश्मनी निकालने के लिए मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया गया। इन मुकदमों में फंसने के बाद लोगों का जीवन तबाह हो गया।

बिना मतलब की भागदौड़ हुई, ऊपर से पैसा और समय लगा। समाज में लोगों के तरह-तरह के ताने सुनने को मिले। देखा जाए तो इस तरह के मामले नए नहीं हैं। कुछ लोग बदला लेने के लिए कुछ भी करते हैं। आरोप किसी एक आदमी पर नहीं, बल्कि पूरे परिवार पर लगा देते हैं। इनमें बड़ी संख्या में स्त्रियां भी होती हैं। यहां तक कि कई बार बच्चों को भी नहीं बख्शा जाता। खेत की मेड़ जरा-सी इधर-उधर हुई नहीं कि मुकदमे से लेकर खून-खराबे तक बात पहुंच जाती है। हत्याएं तक हो जाती हैं। ऐसे में महाभारत का वह अंश याद आता है जहां दुर्योधन कहता है कि वह पांडवों को सुई की नोक के बराबर भी जमीन नहीं देगा। परिणामस्वरूप इतना बड़ा युद्ध और सर्वनाश हुआ। न कौरव बचे, न ही पांडव राज कर पाए। आखिर कानूनों में इतनी खामियां क्यों हैं कि कोई किसी के भी खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा देता है। जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाता है, उसके पास यदि इतने संसाधन न हों कि वह कानूनी लड़ाई लड़ सके तो उसे सजा भी मिल जाती होगी। बहुत साल पहले फांसी पाए कैदियों की एक रिपोर्ट पढ़ी थी। उसमें अधिकांश ने कहा था कि उन्होंने किसी को नहीं मारा। ग्राम प्रधान या सरपंच ने अपने किसी को बचाने के लिए उनका नाम लिखवा दिया। उन्हें न कानून की कोई जानकारी थी, न वकील को फीस देने के पैसे थे। उन पर अपराध सिद्ध हो गया। स्त्री रक्षा संबंधी कानूनों के तहत जिन पुरुषों और उनके घर वालों को मुकदमे झेलने पड़ते हैं, उनकी आफत का तो कहना ही क्या। कितने मामलों में यदि पुरुष विवाहित है तो पत्नियां ही घर छोड़कर चली जाती हैं। बहुत से लोग अपनी जीवनलीला समाप्त करने के बारे में सोचते हैं। यदि किसी बुजुर्ग पर ऐसे आरोप लगाए जाते हैं तो उसकी खैर नहीं रहती। कुछ साल पहले इंदौर की एक घटना प्रकाश में आई थी। उसमें जमीन-जायदाद के विवाद में परिवार की बहू ने बुजुर्ग के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। बुजुर्ग को इससे इतनी पीड़ा पहुंची कि उन्होंने आत्महत्या कर ली। ऐसा और भी न जाने कितने लोग करते होंगे। बहुत बार विवाह के बाद कुछ बहुएं संयुक्त परिवार में नहीं रहना चाहतीं तो दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले दर्ज करा देती हैं। ऐसा नहीं है कि पुलिस को सच्चाई मालूम नहीं होती, लेकिन वह कहती है कि अगर किसी स्त्री ने ऐसे मामले दर्ज कराए हैं तो हमारे हाथ बंधे रहते हैं। सच जानते हुए भी वह कुछ कर नहीं सकती। दहेज प्रताड़ना और दुष्कर्म के मामलों में अक्सर पुरुषों की नौकरी तक चली जाती है। सताई गईं स्त्रियों को हर तरह से कानून और पुलिस की मदद मिलनी चाहिए, लेकिन बदले की भावना से किसी पर कोई भी आरोप लगा देना नितांत गलत है। कानून लोगों की मदद के लिए हैं, किसी को सताने के लिए नहीं। उनका दुरुपयोग रोका जाना चाहिए। अदालतें बार-बार इन बातों को दोहराती रहती हैं।

चिंताजनक हैं किशोरों द्वारा हिंसा और अपराध की बढ़ती वारदातें

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में गोरखपुर में भाभा रिसर्च इंस्टीट्यूट के साइंटिस्ट की पत्नी की हत्या की वारदात को उनके नाबालिग बेटे ने ही वारदात को अंजाम दिया। वजह सिर्फ इतनी थी कि मां ने स्कूल जाने के लिए बेटे को जगा दिया था। गुस्से में उसने मां को धक्का दिया। उनका सिर दीवार से टकरा गया।वह गंभीर रूप से जख्मी हो गईं, लेकिन बेटा उन्हें अस्पताल नहीं ले गया, बल्कि मां को छोड़कर स्कूल चला गया। खून बहने से मां की मौत हो गई। 5 दिन तक मां की लाश के साथ रहा।6 दिन तक पत्नी से बात न होने पर साइंटिस्ट घर पहुंचे। दरवाजा खुला था और बदबू आ रही है। अंदर गए तो देखा पत्नी की लाश फर्श पर पड़ी थी। बेटे ने पिता-पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की।उन्हें बताया कि गिरने की वजह से मां की मौत हुई। मगर जब पोस्टमॉर्टम हुआ तो लाश 6 दिन पुरानी निकली। इसके बाद पुलिस ने नाबालिग से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने जुर्म कबूल कर लिया।यह वारदात नाबालिग किशोरों द्वारा पेशेवर अपराधियों की तर्ज पर अपराधिक वारदात कारित करने की बढ़ती मनःस्थिति को उजागर करती है। आज फिल्मी स्क्रीन ओटीटी प्लेटफार्म तथा सोशल मीडिया पर लगातार दिखाई जाने वाली हिंसक सामग्री का किशोरों और युवाओं के मन पर बेहद दुष्प्रभाव पड़ रहा है जिससे उनमें यौन अपराध तथा हिंसा की भावना कुलांचे भर रही है। पिछले एक महीने में किशोर बाल अपचारियो की करतूतों पर नजर डालें तो रूह कांप जाएगी।

12 नवम्बर को छतरपुर (मध्य प्रदेश) में एक युवक ने अपने पिता 'पूरन रैकवार' को पीट-पीट कर मार डाला क्योंकि उसका पिता बचपन में उसे शरारत करने पर पीटा करता था तथा बड़ा होने पर उसकी शादी भी उसकी मनपसंद लड़की से नहीं करवाई जिसका बदला उसने इस प्रकार लिया। 14 नवम्बर को नालंदा (बिहार) के गांव 'छोटीआट' में एक लड़की से छेड़छाड़ करने वाले नाबालिग को गांव के मुखिया 'कारू तांती' द्वारा दंडित किए जाने पर उसने गुस्से में आकर अपने 2 साथियों के साथ मिल कर 'कारू तांती' की हत्या कर दी। 23 नवम्बर को मुम्बई लोकल ट्रेन में सीट को लेकर हुए झगड़े में एक 16 वर्षीय किशोर ने 'अंकुश भालेराव' नामक 35 वर्षीय एक यात्री की चाकू घोंप कर हत्या कर दी।27 नवम्बर को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के 'हर्ष विहार' इलाके में लूटपाट का विरोध करने पर एक व्यक्ति की चाकू से गोद कर हत्या कर देने के आरोप में पुलिस ने एक नाबालिग सहित 5 आरोपियों को पकड़ा। 5 दिसम्बर को दक्षिण दिल्ली में 'अर्जुन तंवर' नामक एक युवक ने अपने माता-पिता तथा बड़ी बहन की हत्या कर दी क्योंकि 'अर्जुन तंवर' हमेशा यह महसूस करता था कि उसके माता-पिता उसकी तुलना में उसकी बड़ी बहन को अधिक तवज्जो दे रहे हैं। 5 दिसम्बर को ही दुर्ग (छत्तीसगढ़) के 'जेवरा' गांव में एक विवाह समारोह में रसगुल्ले को लेकर हुए विवाद के परिणामस्वरूप एक नाबालिग ने चाकुओं से वार करके 'सागर ठाकुर' नामक युवक को मार डाला। 6 दिसम्बर को 'रायचोटी' (आंध्र प्रदेश) में 'जिला परिषद उर्दू स्कूल' में 'सय्यद अहमद' नामक एक अध्यापक द्वारा 3 छात्रों को कक्षा में शोर मचाने से मना करने पर उन्होंने अध्यापक 'सय्यद अहमद' पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई।*

6 दिसम्बर को ही छतरपुर (मध्य प्रदेश) जिले के 'धमोरा' गांव में सरकारी हायर सैकेंडरी स्कूल की 12वीं कक्षा के नाबालिग छात्र 'सदम यादव' ने अपने एक साथी के साथ मिल कर अपने स्कूल के प्रिंसीपल एस.के. सक्सेना की गोली मार कर हत्या कर दी। प्रिंसीपल ने 'सदम यादव' को मात्र इतना समझाया था कि बेटा सुधर जाओ, बिगड़ो मत।7 दिसम्बर को कुरुक्षेत्र (हरियाणा) के 'यारा' गांव में पैसों के लेन- देन से तंग आकर शाहाबाद कोर्ट में कार्यरत कर्मचारी दुष्यंत ने अपने माता- पिता और पत्नी की हत्या करने के बाद कोई जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। आरोपी ने अपने 13 वर्ष के बेटे को भी कोई जहरीला पदार्थ खिला दिया लेकिन उसे बचा लिया गया। 8 दिसम्बर को नोएडा के 'मंगरोली' गांव में 9वीं कक्षा के एक छात्र द्वारा अपनी भाभी से शादी करने की खातिर अपने भाई की हत्या कर देने का मामला सामने आया। नाबालिग छात्र का कहना है कि उसके अपनी भाभी से अवैध संबंध थे और वह उससे शादी करना चाहता था। यह तो सिर्फ चंद वारदातों की बानगी है। लगातार ऐसी वारदातों की झड़ी लगी है कहीं जरा सा डांट-फटकार पर किशोर बुजुर्ग दादी दादा का कत्ल करने से भी नहीं चूक रहे हैं तो कहीं सरेराह गोली चाकू मारकर हत्या कर रहे हैं कई बार शातिर अपराधियों के गिरोह किशोरों से हत्या लूट जैसी वारदातों को अंजाम दिला रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि किशोर अपचारियो को कुछ समय सुधारगृह में रखकर छोड़ दिया जाएगा।

किशोर अपचारियो के लिए बनाए गए कानून ही अब बाल व किशोरों को एक से बढ़कर एक संगीन अपराध करने के लिए गलत प्रेरणा का माध्यम बन गए हैं।

ओटीटी प्लेटफार्म , सोशल मीडिया पर अनियंत्रित हिंसा सेक्स की उल जलूल रील तथा फिल्मों में हिंसा के चित्रण से बाल मनोवेग दूषित हो रहा है इस के अलावा युवाओं में बढ़ रही इस हिंसक प्रवृत्ति के अन्य प्रमुख कारणों में अभिभावकों की बच्चों के प्रति उदासीनता, धार्मिक व सामाजिक संगठनों की नकारात्मक भूमिका आदि शामिल हैं।आजकल हमारे समाज में बच्चों को नैतिकता सदाचार और आत्मानुशासन सिखाने के स्थान पर झूठ कपट और बिना मेहनत किए सुगम रास्ते से अधिकाधिक धन कमाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अतः इस समस्या से बचने के लिए न केवल शिक्षा संस्थानों में नैतिकता के आचरण को पाठ्यक्रम में शामिल कर उस के व्यवहारिक प्रशिक्षण को लागू करने की जरूरत है वहीं धार्मिक सामाजिक संगठनों को आगे आना होगा सिर्फ कर्म कांड धार्मिक आचरण से इत्र मानवीय मूल्यों का महत्व जीवन में आत्मसात करने के लिए मानवता का पाठ पढ़ाने का पर्याप्त इंतजाम करना चाहिए। अभिभावकों को भी शुरू से ही अपने बच्चों के आचरण को परख कर मनोवैज्ञानिक तरीके से उनके आचरण को सुधारने की कोशिश करना चाहिए । बच्चे समाज के कर्णधार है इनके चाल चरित्र की रक्षा करना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

चुनावी राजनीति में विकास निचले पायदान पर क्यों

धीतेन्द्र कुमार शर्मा

राजस्थान में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार में ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने भारतीय चुनावी राजनीति के चेहरे पर जो कड़वी टिप्पणी की है, वो हमारे लोकतांत्रिक सौन्दर्य का राजनेताओं की नजर में असल रूप है। हाल ही कोटा जिले के अपने विधानसभा क्षेत्र के सीमल्या कस्बे में एक बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं की सियासी नसीहत दी। बैठक के वायरल वीडियो में मंत्री नागर कार्यकर्ताओं से कह रहे हैं- मैं एक बात कह दूं भाइयों, कोई यह कह दे कि विकास कराने से चुनाव जीत जाते हैं तो यह भूल मत करना। विकास से कोई चुनाव नहीं जीतता है, यह गलतफहमी है कि हमने विकास कर दिया और अब फलां गांव में जाना ही नहीं है। आप पक्का वहां से हारोगे।

वे इससे आगे मुद्दे की कहते हैं- आप विकास मत करो, लेकिन गांवों में सतत संपर्क बनाए रखो, लोगों से मिलते-जुलते रहो, हारी-बीमारी में मदद करते रहो...सौ परसेंट चुनाव जीतोगे। चुनाव में अपन कहते हैं न कि यह नहीं हुआ तो वह जाएगा.....कुछ नहीं हो रहा, सब करके देख लिया।

तमाम आलोचनाओं के बीच हमें भी यह सच तो स्वीकारना ही होगा कि यह लोकतांत्रिक-सार नागर को अपने वरिष्ठजनों के ज्ञानानुभव और स्वयंसीखे सबकों से ही बोध आया है। हीरालाल नागर हवा-हवाई नहीं, जमीनी नेता हैं और चुनावी प्रबन्धन में माहिर माने जाने वाले संगठक लोकसभा स्पीकर आम बिरला के पक्के शागिर्दों में शुमार माने जाते हैं। असल में, चुनावी राजनीति और विकास का द्वंद्व नया नहीं है। राजस्थान में गांव-गांव में सीधा संपर्क रखने वाले, बच्चे-बच्चे की जुबां पर बाबोसा के नाम से ख्यात भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता रहे भैरोसिंह शेखावत भी अक्सर यही बात कहते थे। शेखावत तीन बार राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे, काम भी खूब कराया लेकिन चुनाव जीतने का मंत्र उनका भी लोक-जुड़ाव (पीपुल्स कनेक्ट) ही था। प्रदेशभर में किसी भी कोने में जाते, कार्यकर्ताओं को उनके नाम से पुकारना उनके स्वभाव में शुमार था लेकिन सत्ता में रहने के बाद उनकी भी सरकारें चुनाव हारीं। प्रदेश में वसुन्धरा राजे के शासन में सरकार ने विकास के कई प्रतिमान गढ़े, सत्ता में रहते विकास पर ही चुनाव लड़ती लेकिन 2008 और 2018 में उनकी सरकार दुबारा नहीं लौटी। यही हाल कद्दावर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की सरकार के रहे। गहलोत सरकार के पहले कार्यकाल में विकास के मद्देनजर बेहद सख्त शासन चला। अतिक्रमण हटे, सडक़ें चौड़ी हुई, फलाईओवर्स का जाल बिछा, लेकिन विधानसभा चुनाव में तगड़ी हार मिली। दूसरे कार्यकाल वाली सरकार संतुलन साधकर चली लेकिन पांच वर्ष बाद हार नहीं टाल सकी। और, तीसरा कार्यकाल मुक्तहस्त लोककल्याण की योजनाओं के नए प्रतिमान गढ़ गया लेकिन सारे विश्लेषकों को झुठलाते हुए जनता ने शासन बदल दिया।

केन्द्र में अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार कई वर्षों नारों के बाद आई थी। सडक़ों का आज जो जाल देश में दिख रहा है यह उसी दूरदृष्टा-शासन की देन है। इसके अलावा परमाणु शक्ति संपन्नता, आर्थिक उदारीकरण के दूसरे चरण के क्रियान्वयन, फौजी शहादत को उन्नत पैकेज समेत विकास के कई कीर्तिमान अटल बिहारी सरकार के नाम हैं, कई योजनाएं हैं लेकिन शाइनिंग इंडिया के नारे को धता बताते हुए जनता ने उनसे अप्रत्याशित रूप से शासन की बागडोर छीन ली। इधर, कोटा में ही दाऊदयाल जोशी जैसे सहज-सरल सुलभ भाजपा नेता रहे जो मजबूत जनजुड़ाव की बदौलत पार्षद से लेकर सांसद तक के चुनाव में कभी नहीं हारे।

दरअसल, यही हमारे लोकतांत्रिक चरित्र की असल तस्वीर है। विकास के मुद्दे को निचले पायदान पर धकेलने में राजनेताओं के साथ ही हम स्वयं और नागरिक बोधपरक जनशिक्षा अभियान से जुड़े तमाम बुद्धिजीवी भी कम दोषी नहीं हैं। हमारा सामाजिक चरित्र मोटे तौर पर भावना प्रधान है और समाज यह प्राथमिकता से चाहता है कि काम कोई करे न करे पर हमारा प्रतिनिधि हमारे व्यक्तिगत-सामूहिक सुख-दुख में साथ खड़ा रहे।

उसकी बात सुने। ऐसे में हमारे लोकतांत्रिक चरित्र में लोक-जुड़ाव सर्वोच्च प्राथमिकता पर आ गया और विकास बाद के पायदानों पर। अगर लोगों से जुड़ाव शासनिक जिम्मेदारियों के चलते कम हो गया तो जनआक्रोश राजनेता को जमीन पर उतारने को आतुर हो जाता है, सत्ता से हटा देता है। निस्संदेह, नागरिक बोध शिक्षा का इसमें बड़ा बदलावकारी योगदान हो सकता है। आखिर, शासन की बागडोर अपने प्रतिनिधियों को सौंपने के पीछे स्थापित उद्देश्य तो राष्ट्र-समाज का विकास और आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही तो है। लोकतंत्र की परिभाषा ही सही है, जनता के लिए, जनता के द्वारा चलाया जाने वाले जनता का शासन! ऐसे में तस्वीर का रुख विकासोन्मुख तो करना ही होगा।

प्रयोग धर्मिता नवनिर्माण की जननी

संजीव ठाकुर

परिवर्तन का क्रिया चक्र खुद इस बात का प्रमाण है कि परिवर्तन की खोज ही नवीनता है। परिवर्तन का सीधा-सीधा तात्पर्य जड़ता का नाश और विकास की अनंत गाथा का प्रादुर्भाव होना और स्थिरता का अंत ही है। चलायमान परिवर्तन की विदाई स्थिर और जंगम का का समापन होता है। आज की परिस्थितियों ने जड़ता और स्थिरता को बड़ी चोट दी है। मशीनों का शोर, हथियारों की होड़ के बीच कैलिफोर्निया क्रांति ने विश्व को सूचना प्रौद्योगिकी का बहुत बड़ा अवदान दिया है, इस परिवर्तन ने मानवीय समाज को को नया अवसर प्रदान किया है। इस परिवर्तन ने काम को सरल बनाया और व्यवस्था को पारदर्शिता के साथ समाज के सम्मुख रखा है। एक युगीन क्रांतिकारी कदम उठाया गया था। इतिहास में सबसे बड़ा तथा पहला परिवर्तन 1215 से मैग्नाकार्टा यानी कि नागरिक अधिकार पत्र की प्राप्ति हुई थी। यह वही समय था कि जब सदियों की जड़ता का प्रतिकार करते हुए मानव मस्तिष्क में नव विकास तथा नव प्रवर्तन का बीज बोया था। परिवर्तन की उस घड़ी में एक बड़े अवसर ने दस्तक दी थी। उसी अवसर का सदुपयोग करते हुए मानव को अधिकार प्रदान किया गया था, अब वह साधन नहीं साध्य बन गया है। अवसर में किए गए प्रयत्नों का परिणाम है कि आज हर सभ्य समाज को सभ्यता का प्रमाण उसी अधिकार पत्र की पारदर्शिता एवं उपलब्धता के कारण दिया जाता है। विश्व में बढ़ती जनसंख्या के कारण उत्पादन की न तो मात्रा संपूर्ण उपाय थी और ना ही गति के साथ साधन ही उपलब्ध हो पा रहे थे, ऐसे समय में युग में परिवर्तन की करवट ली और माननीय बौद्धिक क्षमता ने मशीनीकरण को जन्म दिया। मशीनीकरण के फल स्वरुप कार्य करने की गति, क्षमता और स्वरूप को बदला गया, मनुष्य ने अवसर के साथ परिवर्तन के चलते नए-नए कल पुर्जों का इजाद किया और प्रयत्नों का अंबार लगा कर संपूर्ण विश्व में औद्योगिक क्रांति का शंखनाद किया। और यही परिवर्तन आज विकास की धुरी है। इस बात से यह स्पष्ट होता है कि परिवर्तन नए-नए विकास तथा अविष्कार को जन्म देता है, और वह समाज के लिए सदैव बहु उपयोगी होते हैं। समाज में या देश में जब जब जनता ने गति रोकने का प्रयास किया तब तब माननीय साहस तथा मस्तिष्क ने उसे अपने प्रयासों से पराजित कर नई युक्ति को जन्म दिया। परिवर्तन वस्तुतः ना केवल जीवन की आवश्यक विशेषता और अपरिहार्य सच है बल्कि वह विकास के प्रत्येक स्वप्न का प्रथम चरण भी है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जिस 'आय हैव ए ड्रीम' की कल्पना की थी वह परिवर्तन में छिपे अवसर को पाने का ही एक सपना था।

महात्मा गांधी जी ने जिस 'स्वराज' की कल्पना की,वह भी अवसर की तलाश की तरफ अग्रसर एक महत्वपूर्ण प्रयास ही था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने 'यस वी कैन' में भी उसी परिवर्तन को साकार करने की लालसा थी। कुल मिलाकर बात यह है कि जब जब मनुष्य पुराने विचारों जड़ता स्थिरता का प्रतिकार करता है है तब-तब परिवर्तन ने समाज में नवप्रवर्तन आया है।

नेता जी का विकास पर्व

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गांव के एक छोटे से चौपाल पर सुबह-सुबह हलचल मच गई। गांव के बुजुर्गों, बच्चों, नौजवानों और औरतों में अजीब-सी उत्सुकता थी। आखिर हो भी क्यों ना? आज गांव में खुद माननीय नेता जी आने वाले थे। ये वही नेता जी थे जो चुनाव से ठीक पहले धरती पर पधारते थे और फिर अगली पंचवर्षीय योजना में कहीं गुम हो जाते थे। नेता जी को लेकर गांव वालों के बीच चर्चाएं गरम थीं। कोई कहता, नेता जी बहुत काम कर रहे हैं, सारा देश बदल रहा है, तो कोई बोलता, हां, हमारे गांव में भी पिछले चुनाव में उन्होंने दो पेड़ लगवाए थे, और इस बार सुना है कि वो तिनका-तिनका विकास करने का प्लान लेकर आए हैं।

थोड़ी देर में धूल उड़ाती गाड़ियों का काफिला चौपाल के पास आकर रुका। चार-चार बंदूकधारी सुरक्षा गार्ड उतर कर चौकस हो गए। उसके बाद बेशकीमती सूट-बूट में नेता जी उतरते हुए दिखाई दिए। गांव वालों की भीड़ में से किसी ने धीरे से कहा, "देखो, इनकी पोशाक से ही पता चलता है कि कितने महान नेता हैं हमारे!" नेता जी मंच पर चढ़े और एक जोरदार भाषण शुरू किया, "मेरे प्यारे गांववासियों, आप सब जानते हैं कि मैं जनता की सेवा में हमेशा तत्पर रहता हूं। मुझे कोई निजी स्वार्थ नहीं है। मैं जनता के सुख-दुख का साथी हूं। मुझे जनता की समस्याओं से गहरी सहानुभूति है।

"गांव वाले भौंचक्के होकर नेता जी की बातों को सुन रहे थे, और एक-दूसरे से इशारों में पूछ रहे थे, "यह सहानुभूति कौनसी जगह है?" नेता जी ने अपनी बात जारी रखी, "हमने पिछले कार्यकाल में गांव के विकास के लिए करोड़ों रुपये स्वीकृत किए। हमने जनता के सपनों को हकीकत में बदलने का वादा किया था, और वही करने का प्रयास कर रहे हैं।" इतने में गांव के एक उत्साही युवक ने सवाल कर दिया, "नेता जी, आपने जो करोड़ों खर्च किए, वो दिख क्यों नहीं रहे?"

नेता जी ने बिना हिचकिचाए जवाब दिया, "अरे बेटा, तुम लोगों की आंखें विकास देखने के लिए थोड़ी कमजोर हैं। मैं चाहता हूं कि सरकार जल्द ही आपकी आंखों का भी इलाज कराए ताकि आप असली विकास देख सको।" चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। किसी ने कहा, "देखा, कितने सच्चे और सीधे-साधे नेता हैं!" फिर नेता जी ने बड़ी गर्व से घोषणा की, "हमने गांव में बिजली के लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू किया है। अभी तक तार बिछा दिए हैं, और अगले चुनाव तक बिजली भी आने की संभावना है।"

गांव के एक बुजुर्ग ने हिम्मत करके पूछा, "नेता जी, पिछली बार भी आपने यही कहा था।" नेता जी मुस्कुराते हुए बोले, "बाबा, विकास का स्वाद धीरे-धीरे लेना चाहिए। अभी से सब मिल गया तो अगले चुनाव में क्या वादा करेंगे?" चौपाल में बैठे सारे लोग एक-दूसरे को देखकर मुस्कुरा दिए, मानो विकास का स्वाद उन्हें समझ आ गया हो।

फिर नेता जी ने आगे कहा, "हमने गांव में सफाई अभियान चलाया है। आपको जल्द ही कचरा प्रबंधन की आधुनिक व्यवस्था का लाभ मिलेगा। शहरों की तरह कचरे का सिस्टमैटिक मैनेजमेंट किया जाएगा।"

तभी एक महिला ने साहस जुटाकर कहा, "पर गांव में तो कचरे की गाड़ी महीने में एक बार भी नहीं आती, कचरा कहां जाएगा?"

शिवभक्तों के लिए भोले का आशीर्वाद पाने का बन रहा अत्यंत शुभ योग

व्रत भगवान शिव की महा कृपा पाने का दिन है, इस दिन पर लोग व्रत रखते हैं और भावपूर्ण पूजा-पाठ करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को रखने से शिव परिवार की कृपा प्राप्त होती है। जो प्रदोष शुक्रवार के दिन आता है उसे शुक्र प्रदोष कहते हैं।

मान्यता है कि प्रदोष व्रत पर उपवास रखने से मनचाहा वर पाने की कामना पूरी होती है, यह तिथि सुहागिन महिलाओं के लिए और भी खास मानी जाती है। कहते हैं इस व्रत के प्रताप से पति की आयु लंबी होती है, साथ ही सुख-सौभाग्य मिलता है। इस साल दिसंबर 2024 में प्रदोष व्रत कब-कब है।

दिसंबर में शुक्र प्रदोष व्रत और शनि प्रदोष व्रत का संयोग बन रहा है। शुक्र प्रदोष व्रत करने से दरिद्रता का नाश होता है। शादीशुदा जिंदगी बेहतर रहती है और भाग्य अच्छा होता है। मान्यता है कि शनि प्रदोष रखने से संतान प्राप्त होती है, मानसिक परेशानियों से छुटकारा मिलता है, और शनि संबन्धी दोष दूर होते हैं।

दिसंबर 2024 पहला प्रदोष व्रत

दिसंबर का पहला प्रदोष व्रत 13 दिसंबर 2024 को है। इस दिन शुक्रवार होने से ये शुक्र प्रदोष व्रत होगा।

मार्गशीर्ष शुक्ल त्रयोदशी तिथि समाप्त - 13 दिसंबर 2024, रात 09 ।40

प्रदोष काल मुहूर्त - शाम 05 ।26 - रात 07.40

दिसंबर 2024 दूसरा प्रदोष व्रत

दिसंबर का दूसरा प्रदोष व्रत 28 दिसंबर 2024 को है। इस दिन शनिवार होने से ये शनि प्रदोष व्रत कहलाएगा।

पौष कृष्ण त्रयोदशी तिथि शुरू - 28 दिसंबर 2024, प्रातः 02 ।26

पौष कृष्ण त्रयोदशी तिथि समाप्त - 29 दिसंबर 2024, प्रातः 3.32

प्रदोष काल मुहूर्त - शाम 05.33 - रात 08.17

12 साल बाद ही क्यों होता है महाकुंभ? देवता और असुर से जुड़ी है वजह

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुंभ की तैयारी काफी बड़े स्तर पर की जा रही है। प्रत्येक 12 साल बाद महाकुंभ लगता है जो इस साल उत्तर प्रदेश में 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने जा रहा है। दुनिया के बड़े धार्मिक मेलों में से एक महाकुंभ का मेला होता है, जिसमें देश दुनिया के करोड़ों की संख्या में भक्त भाग लेने पहुंचते हैं। प्रयागराज में श्रद्धालु गंगा यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम तट पर स्नान करते हैं। कहा जाता है एक बार स्नान करने के बाद यहां पर सभी तरह के पापों से मुक्ति मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर 12 साल बाद क्यों लगता है महाकुंभ?

12 साल बाद ही क्यों होता है महाकुंभ?

महाकुंभ को लेकर पौराणिक कथा के अनुसार महाकुंभ का कनेक्शन समुद्र मंथन से है। जब देवता और असुर में अमृत प्राप्त करने को लेकर भयंकर युद्ध चल रहा था, उस दौरान अमृत कलश की प्राप्ति हुई थी। ऐसा माना जाता है कि उस दौरान अमृत कलश से कुछ बूंद पृथ्वी के चार पवित्र स्थलों पर गिरा था जिसमें प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक शामिल है। इसके बाद इन्हीं दिव्य स्थान में कुंभ लगता है।

शास्त्रों में भी बताया गया है कि प्रयागराज को तीर्थराज अथवा तीर्थ स्थलों का राजा कहा जाता है। ऐसी मान्यता भी है कि पहला यज्ञ ब्रह्मा जी द्वारा यहीं पर किया गया था,जिसका उल्लेख धार्मिक ग्रंथो में भी देखने को मिलता है। इतना ही नहीं देवता और असुर में 12 दिनों तक अमृत को पाने के लिए भयंकर युद्ध हुआ जिसके बाद 12 दिन मनुष्य के 12 साल के समान होते हैं। यही वजह है कि हर 12 साल बाद कुंभ का आयोजन होता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार एक वजह यह भी है कि जब बृहस्पति ग्रह वृषभ राशि में हो और उसे दौरान सूर्य देव मकर राशि में आते है। तो कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में होता । ऐसे ही जब गुरु बृहस्पति कुंभ राशि में हो और उसे दौरान सूर्य देव मेष राशि में गोचर करते हैं, तब कुंभ हरिद्वार में आयोजित होता है। इसके साथ ही जब सूर्य और बृहस्पति सिंह राशि में विराजमान होते हैं, तो महाकुंभ नासिक में लगता है। जब बृहस्पति सिंह राशि में हो और सूर्य मेष राशि में हो तो कुंभ का आयोजन उज्जैन में होता है।

भाग्य नहीं दे रहा है साथ, तो आज ही धारण करें ये चमत्कारी रत्न

भाग्य का साथ हर किसी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन कई बार परिस्थितियां हमारे पक्ष में नहीं होतीं और हमें ऐसा लगता है, कि हमारे प्रयासों के बावजूद सफलता नहीं मिल रही है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली में ग्रहों के अशुभ प्रभावों से बचने और भाग्य को मजबूत करने के लिए कुछ विशेष रत्नों को धारण करना लाभकारी माना गया है। इनमें से एक महत्वपूर्ण रत्न टाइगर स्टोन है, जिसे बेहद चमत्कारी और प्रभावशाली माना गया है।

ऋषिकेश में स्थित हिमालयन जेम्स एंड हैंडीक्राफ्ट के मालिक और ज्योतिष अशोक ने बताया कि टाइगर स्टोन का संबंध मुख्य रूप से मंगल, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु ग्रहों से होता है। इन ग्रहों के अशुभ प्रभावों को कम करने और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए यह रत्न अत्यधिक प्रभावी माना गया है। ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि इस रत्न को सही तरीके और विधि से धारण करने पर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। इसे पहनने से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, मानसिक तनाव कम होता है और निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होता है। साथ ही, व्यक्ति अपने कार्यों को अधिक जागरुकता और समर्पण के साथ पूरा करता है।

टाइगर स्टोन के फायदे

इस रत्न को धारण करने से जीवन की अनेक समस्याओं से छुटकारा मिलता है। जैसे, अगर किसी व्यक्ति को करियर में लगातार असफलता का सामना करना पड़ रहा है, आर्थिक संकट हो रहा है, या वैवाहिक जीवन में परेशानियां आ रही हैं, तो टाइगर स्टोन पहनने से इन समस्याओं में कमी देखी जा सकती है। यह रत्न न केवल जीवन को संतुलित करता है, बल्कि व्यक्ति के भाग्य को मजबूत बनाकर उसे आगे बढ़ने में मदद करता है।

ऐसे करें धारण

टाइगर स्टोन धारण करने से पहले ज्योतिषी से सलाह लेना बहुत जरूरी है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की कुंडली और ग्रह स्थिति अलग होती है। टाइगर स्टोन रत्न को सही तरीके से धारण करने के लिए शुभ दिन और विधि का ध्यान रखना जरूरी है। इसे मंगलवार, गुरुवार या शनिवार को धारण करना सबसे शुभ माना जाता है। रत्न को पहनने से पहले इसे गंगाजल, दूध और शहद में डुबोकर शुद्ध करें। फिर भगवान शिव या अपने इष्ट देव की पूजा करें और "ॐ भौमाय नमः" मंत्र का 108 बार जाप करें। इसे चांदी, तांबे या पंचधातु की अंगूठी में मढ़वाकर अनामिका या मध्यमा अंगुली में पहनें। हमेशा ज्योतिषी की सलाह लेकर इसे धारण करें, ताकि इसका सकारात्मक प्रभाव मिले।

हर पूजा-पाठ और मांगलिक कार्य में क्यों किया जाता है हवन?

हिंदू धर्म में किसी भी विशेष पूजा-पाठ और कथा के बाद हवन करने का महत्व है। हवन करने से ही पूजा को पूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि जिस घर में हवन होता रहता है वहां का वातावरण शुद्ध व सकारात्मक बना रहता है, क्योंकि इसमें मंत्रोच्चारण के साथ-साथ अग्नि में आहुतियां डाली जाती हैं। जो कि घर को पवित्र बनाती हैं।

पारंपरिक हिंदू अनुष्ठान में इसे होम के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि, मानव शरीर के निर्माण के लिए जो पांच प्राथमिक घटक हैं उनमें से एक अग्नि को प्रमुख घटक माना जाता है। जो कि हवन या होम के माध्यम से हम सब में महत्व रखता है। इसके आलावा आइए हवन के महत्व और लाभ के बारे में जानते हैं।

क्या होता है हवन?

सूर्य देवता साक्षात देव और ऊर्जा के स्त्रोत हैं, वहीं अग्नि और सभी अग्नि तत्वों को सूर्य की शक्ति के प्रतीक के रूप में माना जाता है। वहीं हिंदू गुरु और पौराणिक कथाओं में अग्नि देव का माध्यम बनाकर मंदिरों, घरों और सभी मांगलिक कार्यों में पूजा-पाठ के बाद हवन कर शुद्धिकरण संस्कार किया जाता है।

हिंदू ग्रंथों के अनुसार, अग्नि देव को जो भी वस्तु हम पेश करते हैं या सरल भाषा में कहें कि हम उन्हें जो भी अर्पित करते हैं व साक्षात सूर्य देव को पहुंचती है। जब हम मंत्रों का उच्चारण करते हुए, अग्नि में घी, चावल, सूखे मेवे, शहद, जड़ी-बूटियां और लकड़ी की आहुति देते हैं तो इस प्रक्रिया को हवन कहा जाता है। इस अनुष्ठान को करने के लिए हम 'हवन कुंड' का उपयोग करते हैं।

हवन के लाभ

1. हवन करने से ना सिर्फ हमारे घर में बल्कि आसपास के वातावरण में भी यह हवा को साफ करता है और इसके परिणामस्वरुप यह हमारे शरीर और दिमाग से दूषित पदार्थों का नाश कर उन्हें शुद्ध करता है।

2. हवन करने से आपका मन एकाग्र रहता है और इससे मन-मस्तिष्क से सभी बुरे विचार अग्नि में चले जाते हैं और मनचाहे बरे विचरों से मुक्ति मिलती है। क्योंकि संस्कृत के दिव्य मंत्रों के लगातार उच्चारण करने से मन भी शुद्ध हो जाता है।

3. हवन करने से परिवार और सामाजिक एकजुटता बनी रहती है व आपस में शांति, प्यार बना रहता है। क्योंकि हवन करते समय परिवार के सभी सदस्य एक साथ शामिल होकर अग्नी को आहुति देते हैं।

4। कहा जाता है ना कि जब मन व घर का वातावरण शुद्ध होता है तो जीवन में सफलता व सुख-समृद्धि अपने आप चली आती है। उसी प्रकार हवन करने से माहौल में शुद्धता आती है और इसके साथ ही व्यक्ति के जीवन में फायनेंशियल व पारिवारिक सुख आते हैं।

हवन का महत्व

विद्वान पंडित बताते हैं कि हवन सिर्फ एक कर्मकांड नहीं है बल्कि यह सृष्टि को चलाने वाली सभी शक्तियों से जुड़ने और उन्हें धन्यवाद करने का माध्यम है। अक्सर लोगों को हवन करने के बाद मन में शुद्धि व जीवन में प्रभावशाली परिवर्तन महसूस होता है।

जैसा कि हम सब जानते हैं कि मानव शरीर पांच तत्वों आकाश, जल, अग्नि, वायु व पृथ्वी के संयोजन से बना है उसी प्रकार सृष्टि के निर्माण के लिए पांच मूल तत्वों आकाश, जल, अग्नि, वायु व पृथ्वी का संयोजन हुआ है। लेकिन इन सभी तत्वों में अग्नि का विशेष महत्व माना जाता है क्योंकि अन्य सभी तत्व प्रदूषित हो सकते हैं, लेकिन अग्नि को प्रदूषित नहीं किया जा सकता। इसलिए इसे पवित्र माना जाता है।

मंदोदरी ने क्यों की 'दुश्मन' देवर से शादी

वण की पतिव्रता पत्नी पटरानी मंदोदरी ने जब युद्ध में पति के मारे जाने के कुछ दिनों बाद दुश्मन माने जाने वाले देवर विभीषण से शादी कर ली तो हर कोई हैरान रह गया। क्योंकि मंदोदरी धार्मिक भी थीं और उसी रास्ते पर चलने वाली तो सही और नैतिक हो। इसी वजह से उन्होंने तब इस शादी के प्रस्ताव को सिर से खारिज कर दिया था, जब राम ने उनसे कहा था कि उन्हें श्रीलंका के नए राजा विभीषण से शादी कर लेनी चाहिए। फिर उन्होंने इस पर विचार किया। सही और गलत भी सोचा। इस नतीजे पर पहुंची कि शादी कर लेने में कोई बुराई नहीं। तो वो कौन सी बात थी जिसने पतिव्रता मंदोदरी को इस फैसले पर पहुंचने में मदद की।

वैसे हम आपको बता दें कि मंदोदरी के साथ रावण की शादी दबाव और बलपूर्वक हुई थी। रावण उसे बलपूर्वक उसी तरह हरण कर लिया था, जैसे उसने सीता का अपहरण किया था। मंदोदरी की जिंदगी भी बहुत से उतार-चढ़ावों से गुजरी थी। वह पहले अप्सरा थी लेकिन पार्वती को एक बात पर इतना नाराज किया कि उन्होंने शाप दे दिया। और तब वह बहुत कष्ट में रही। फिर उसकी जिंदगी बदली जरूर लेकिन उठापटक तो उसमें कम नहीं हुई।

क्यों पार्वती हो गई नाराज

पुराणों की एक कथा के मुताबिक मधुरा नाम की एक अप्सरा कैलाश पर्वत पर भगवान शिव की तलाश में पहुंची। जब वो भगवान शिव के पास पहुंची तो उसने वहां पार्वती को न देखकर शिव को रिझाने के प्रयास शुरू कर दिए। जब पार्वती वहां पहुंचीं तो उन्होंने मधुरा के शरीर पर शिव की भस्म देखी। वो क्रोधित हो गईं। पार्वती ने मधुरा को शाप दिया कि वो 12 साल तक मेंढक बनी रहेगी। कुंए में ही रहेगी। मधुरा के लिए मुश्किल जीवन शुरू हो गया, जिसमें बहुत कष्ट थे।

राजा मायासुर ने शापित अप्सरा मधुरा को बेटी के रूप में स्वीकार किया। उसे वो महल ले आए। उसे मंदोदरी नाम दिया गया। मंदोदरी अत्यंत रूपवान और धार्मिक महिला थी।

फिर कैसे वह मंदोदरी बन गई

जिस समय ये सारी घटनाएं घट रही थीं उसी समय कैलाश पर असुर राजा मायासुर अपनी पत्नी के साथ तपस्या कर रहे थे। दोनों एक बेटी की कामना के लिए तपस्या कर रहे थे। 12 वर्षों तक दोनों तप करते रहे। इधर मधुरा के शाप का जब अंत हुआ तो वो कुंए में ही रोने लगी।

सौभाग्य से असुरराज और उनकी पत्नी दोनों कुंए के नजदीक ही तपस्या कर रहे थे। जब उन्होंने रोने की आवाज सुनी तो कुंए के पास गए। वहां उन्हें मधुरा दिखी, जिसने पूरी कहानी सुनाई। असुरराज ने तपस्या छोड़कर मधुरा को ही बेटी मान लिया। मधुरा का नाम बदलकर मंदोदरी कर दिया गया।

महल का जीवन और रावण से मुलाकात

असुरराज के महल में मंदोदरी को राजकुमारी का जीवन मिला। वो नई जिंदगी में बेहद खुश थीं। इस बीच उसकी जिंदगी में रावण की एंट्री हुई। वह मंदोदरी के पिता मायासुर से मिलने रावण पहुंचा। वहीं उसने मंदोदरी को देखा। मोहित हो गया। उसने मायासुर से मंदोदरी का हाथ मांगा।

मायासुर ने प्रस्ताव ठुकरा दिया। तब क्रोधित रावण मंदोदरी का बलपूर्वक अपहरण कर लाया। दोनों राज्यों में युद्ध की स्थिति बन गई। मंदोदरी जानती थी कि रावण उसके पिता से ज्यादा शक्तिशाली शासक है लिहाजा उसने रावण के साथ रहना स्वीकार किया।**(क्रमशः)**

कुंडली में खराब हैं ये ग्रह, तो खराब हो सकती है आपकी आंखें

अगर नेत्र रोग आपको परेशान कर रहे हों तो कुंडली में देखें कि कहीं सूर्य, चंद्र, द्वितीयेश और द्वादशेश पीड़ित तो नहीं हैं, क्यों इन दोनों ग्रहों के पीड़ित हो जाने पर जातक की आंख में विकार होते हैं। ज्योतिष में सूर्य और चंद्र को नेत्र की रक्षा करने वाला कहा गया है क्योंकि ये दो ग्रह हमें रोशनी देते हैं। हमारी आंखों में सूर्य और चंद्र से प्रभावित होने वाले तत्व है, इसलिए जब ये तत्व विकार युक्त हो जाए तो रोग होता है।

कालपुरुष की कुंडली में दूसरे भाव से दायीं आंख का और बारहवें भाव से बायीं आंख का विचार किया जाता है, इसलिए किसी भी कुंडली के इन दो भावों का विश्लेषण भी जरूरी है। ज्योतिष में छठे भाव से रोग का विचार किया जाता है और ऐसे में जब सूर्य चंद्र शत्रु रूप में और रोगकारक ग्रह मिलकर इस भाव को प्रभावित करते हैं तो जातक को आंख में समस्या होने लगती है।

आंखों संबंधी बीमारियों के लिए जिम्मेदार हैं ये ग्रह :

अगर किसी जातक की कुंडली में सूर्य या फिर चंद्रमा की स्थिति कमजोर होती है, तो व्यक्ति को आंखों संबंधी समस्याएं हो सकती है, क्योंकि ये दोनों ही ग्रह प्रकाश के कारक है।

जब सूर्य और चंद्रमा पर किसी अशुभ ग्रह की दृष्टि हो या फिर दोनों ग्रहों की बारहवें भाव में युति हो रही है।

अगर कुंडली में दूसरे भाव में मंगल और शनि की युति हो रही है, तो नेत्र संबंधी समस्याएं होती है।

अगर जातक की कुंडली के दूसरे भाव में कोई अशुभ ग्रह मौजूद हो या फिर इस भाव में किसी अशुभ ग्रह का स्वामित्व हो, तो आंख संबंधी समस्याएं होती है।

अगर कुंडली में दूसरे, बारहवें, पहले घर के स्वामी और शुक्र त्रिक घर में युति हो, तो नेत्र संबंधी समस्याएं होती है।

अगर कुंडली में चंद्रमा की युति बारहवें या फिर सातवें घर के स्वामी के साथ हो रही हो, तो इस समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

कारगर हो सकते हैं ये ज्योतिष उपाय :

रोजाना सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। इसके लिए एक तांबे के लोटे में जल भर दे सकते हैं। इसके साथ हृदय स्त्रोत का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है।

मैंने सरोजनी नगर के कपड़ों से बनाया अपना फैशन : भूमि पेडनेकर

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर शुरू से मुखर रहीं अभिनेत्री भूमि पेडनेकर फैशन के जरिये भी समाज को मुखर बनाने का दम भरती रही हैं। वह मानती हैं कि एक महिला अपने तौर तरीकों, खुद को समाज में प्रस्तुत करने के ढंग और अपने लिबास से परिवर्तन की प्रहरी बन सकती है।

भूमि का ये स्पष्ट मानना रहा है किसी भी नई चीज को अपनाने के लिए उसके बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी है। वह कहती हैं, "फैशन को लेकर ये समझना बहुत जरूरी है कि इसका सहज, सरल और सामाजिक होना अनिवार्य है। सिर्फ महंगे वस्त्र या डिजाइनर कपड़ों से ही फैशन होता है, ये भी सही नहीं है। फैशन सामाजिक बदलाव का एक बहुत बड़ा मानक है, ये बात मैं शुरू से मानती रही हूं।"

हमारे आसपास के वातावरण को संभालने में फैशन किस तरह काम आ सकता है, इस बारे में भूमि कहती हैं, "पर्यावरण संरक्षण पर काम करने के दौरान ही कोरोना संक्रमण काल के बाद मैंने फैशन के इस पहलू के बारे में लोगों को जागरूक करना शुरू किया। हम लोग जब दिल्ली में थे तो मैं सरोजनी नगर से ही कपड़े लाती थी। फिर उनमें अपनी सोच के हिसाब से मोहल्ले के टेलर मास्टर से बदलाव कराती और नई ड्रेस तैयार कर लेती।"

भूमि पेडनेकर के मुताबिक, "हमारे लिबास हमारे व्यक्तित्व की पहली बनागी होते हैं और इसका सबसे सुंदर उदाहरण मैं अभिनेत्री रेखा जी को मानती हूं। उनका आकर्षण उनके लिबास को देखकर जो बनता है, उससे न जाने कितने लोग प्रभावित हुए हैं। लोगों ने भी अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके जैसा दिखना शुरू कर दिया है।"

नई सोच का फैशन आज हर तरफ डिमांड में है। लेकिन, भूमि कहती हैं, "फैशन वही अच्छा लगता है जो हमारे आसपास के वातावरण के मुताबिक हो। मौसम के मुताबिक हो और हमारी सोच व हमारी परंपराओं के मुताबिक हो। आधुनिक दिखने के लिए आधुनिक कपड़ों से ज्यादा जरूरी आधुनिक सोच है। वह सोच जो रंग, रूप, जाति, वर्ग, क्षेत्र आदि से परे है।"

नितेश तिवारी की 'रामायण' के लिए शाकाहारी बनीं साई पल्लवी? अफवाहों पर भड़कीं अभिनेत्री

साई पल्लवी नितेश तिवारी की रामायण में रणबीर कपूर के साथ सीता की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पहले ऐसी खबरें आई थीं कि अभिनेत्री ने फिल्म के लिए मांसाहारी भोजन छोड़ दिया है। हालांकि, अब उन्होंने उन खबरों को खारिज कर दिया है और आगे किसी भी तरह की अफवाहों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

बुधवार को साई पल्लवी ने एक्स पर एक लंबा नोट लिखा, जिसमें रामायण में सीता की भूमिका निभाने के लिए उनके शाकाहारी बनने की खबर की निंदा की गई। उन्होंने लिखा, 'अधिकांश समय, लगभग हर बार, जब भी मैं बेबुनियाद अफवाहें, गढ़े हुए झूठ, गलत बयानों को उद्देश्य के साथ या बिना किसी उद्देश्य के फैलाते हुए देखती हूं तो मैं चुप रहना चुनती हूं, लेकिन अब समय आ गया है कि मैं प्रतिक्रिया दूं, क्योंकि यह लगातार हो रहा है और रुकने का नाम नहीं ले रहा है। खासकर मेरी फिल्मों की रिलीज, घोषणाओं, मेरे करियर के यादगार पलों के समय। अगली बार जब मैं किसी प्रतिष्ठित पेज या मीडिया या व्यक्ति को समाचार या गपशप के नाम पर कोई मनगढ़ंत घटिया कहानी चलाते हुए देखूंगी तो आप मुझसे कानूनी तौर पर सुनेंगे। बस।'

क्या है साई को लेकर अफवाह

यह खबर तब आई है, जब एक तमिल दैनिक ने बताया कि अभिनेत्री ने मांसाहारी भोजन छोड़ दिया है, क्योंकि वह सीता की भूमिका निभा रही हैं। इसमें आगे दावा किया गया कि वह अपनी यात्राओं के दौरान अपने रसोइयों की टीम के साथ यात्रा करती हैं, जो उनके लिए केवल शाकाहारी भोजन बनाते हैं।

पहले से ही शाकाहारी हैं साई

दरअसल, साई पल्लवी हमेशा से शाकाहारी रही हैं। एक बार एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'अगर आप खाना खाते हैं तो मैं हमेशा शाकाहारी हूं। मैं नहीं देख सकती कि कब कोई मर जाता है। मैं किसी दूसरे व्यक्ति को चोट नहीं पहुंचा सकती और यह नहीं सोच सकती कि यह ठीक है, वे इसके लायक हैं।'

साई पल्लवी की आगामी फिल्म

साई पल्लवी को आखिरी बार तमिल बायोग्राफिकल एक्शन फिल्म 'अमरन' में देखा गया था। यह शिव अरूर और राहुल सिंह की पुस्तक सीरीज इंडियाज मोस्ट फियरलेसः ट्रू स्टोरीज ऑफ मॉडर्न मिलिट्री हीरोज का रूपांतरण है, जिसमें मुकुंद पर आधारित एक खंड शामिल है। फिल्म में शिवकार्तिकेयन मेजर मुकुंद वरदराजन की भूमिका में हैं, उनके साथ राहुल बोस और भुवन अरोड़ा हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की। अब वह नितेश तिवारी की रामायण से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। फिल्म में रणबीर कपूर, रवि दुबे, सनी देओल और कन्नड़ सुपरस्टार यश भी हैं और यह दो भागों में रिलीज होने वाली है, जिसका पहला भाग 2026 में रिलीज होगा।

इस वजह से 'जवान' का हिस्सा बनीं नयनतारा, शाहरुख खान ने शूटिंग से पहले अभिनेत्री से कही ऐसी बात

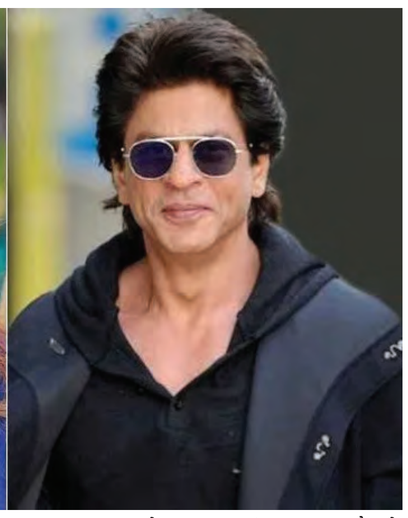

शाहरुख खान की एक्शन फिल्म 'जवान' में उनके साथ अभिनेत्री नयनतारा नजर आईं थीं। इस फिल्म से नयनतार ने हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया है। इस फिल्म में काम करने का मौका नयनतारा को केवल शाहरुख खान के कारण ही मिला है। एक इंटरव्यू के दौरान नयनतारा ने फिल्म को लेकर कुछ बातें कही हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि वे एटली और शाहरुख के साथ फिल्म करने को क्यों तैयार हो गईं।

नयनतारा ने शाहरुख को लेकर द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में कहा, निर्देशक एटली और शाहरुख खान ने उन्हें एक खास स्थिति से महसूस करवाया, यही कारण है कि वे 'जवान' फिल्म का हिस्सा बनीं। शाहरुख खान ने फिल्म से पहले ही उनसे बात की और कहा कि वे मुझे बहुत सहज महसूस कराएंगे।

नयनतारा ने कहा कि जब भी शाहरुख खान को उनकी जरूरत महसूस होगी या उन्हें लगेगा कि वह फिल्म के लिए सही विकल्प हैं, वे शाहरुख के लिए मौजूद रहेंगी। फिल्म जवान की रिलीज के एक साल होने पर नयनतारा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी मनाई थी और यादों को फैंस के साथ साझा किया।

एटली के लिए नयनतारा ने कहा कि वे उनके छोटे भाई की तरह हैं। उन्होंने ही नर्मदा राय का किरदार निभाने का मौका नयनतारा को दिया था। नयनतारा ने कहा कि उनकी पहली फिल्म से लेकर जवान तक उनकी ज्यादातर फिल्में एटली के साथ ही रही हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो नयनतारा की आगामी फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' और 'रक्कई' है। नयनतारा की बायोग्राफी फिल्म हाल ही में बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी, इसे उनके फैंस का बहुत सारा प्यार मिल रहा है। नयनतारा अक्सर इस सीरीज के कुछ हिस्सों की तस्वीरें और यादें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।

क्या वाकई सोनाक्षी देने वाली हैं खुशखबरी? प्रेग्नेंसी की खबरों पर अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

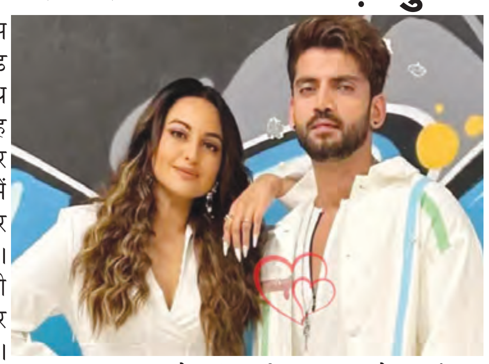

सोनाक्षी सिन्हा ने इस साल जून में अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी रचाई। निजी समारोह में हुई रजिस्टर मैरिज और फिर रिसेप्शन पार्टी में करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। शादी के बाद सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लग रही हैं। उनकी हालिया तस्वीरें देख नेटिजन्स अक्सर अभिनेत्री से सवाल पूछते हैं कि क्या वे खुशखबरी देने वाली हैं? इस तरह की अफवाहों पर सोनाक्षी ने चुप्पी तोड़ी है।

मजाकिया अंदाज में किया खंडन

सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस तरह की अकटलों का खंडन अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में किया और इसे अपने बढ़ते वजन से जोड़ा। सोनाक्षी ने कहा, 'मैं बस मोटी हो चुकी हूं'। अपने इस बेबाक अंदाज और जवाब के जरिए उन्होंने अफवाहों को विराम दे दिया है। सोनाक्षी ने कर्ली टेल्स के साथ इंटरव्यू के दौरान यह बात कही।

जहीर को मिलने लगीं बधाईयां

सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रहीं अफवाहों को विराम लगाते हुए कहा, 'दोस्तों, मैं यहां पर कहना चाहती हूं कि मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं। मैं बस मोटी हो चुकी हूं'। सोनाक्षी सिन्हा ने मजाक में यह भी खुलासा किया कि इस तरह की खबरों को लेकर किसी ने तो उनके पति जहीर इकबाल को बधाई तक दे डाली।

बोले- लगातार यात्राओं में व्यस्त हैं

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने बातचीत के दौरान हंसते हुए कहा कि शादी के बाद से वे लगातार यात्राओं में व्यस्त हैं। इसके अलावा उन्हें लगातार लंच और डिनर के आमंत्रण मिल रहे हैं, जिसमें वे इतने व्यस्त हैं कि उन्हें किसी और चीज पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिल रहा है।

इस पोस्ट के बाद शुरू हुईं अफवाहें

सोनाक्षी सिन्हा की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब कपल ने अपने पालतू कुत्ते के साथ एक तस्वीर साझा की। सोनाक्षी सिन्हा ने भी माना की इस तस्वीर के बाद इस तरह के कयास लगने लगे। आगे उन्होंने माना कि इंटरनेट पर यूजर्स की कल्पनाओं की कोई सीमा नहीं। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर ने एक-दूसरे को करीब सात साल डेट किया। 23 जून 2024 में इन्होंने शादी रचाकर जिंदगी के नए अध्याय में प्रवेश किया।

बेटी आलिया की शादी में भावुक हुए अनुराग कश्यप फूट-फूटकर रोए, चेहरे पर साफ झलक रहीं भावनाएं

आलिया कश्यप की शादी बहुत ही शानदार तरीके से हुई। उन्होंने 11 दिसंबर को मुंबई में शेन ग्रेगोइरे से शादी की और शाम को रिसेप्शन का भव्य आयोजन किया। समारोह के खुशनुमा रेड कार्पेट पलों को कैद करने के लिए पैपराजी भी मौजूद थे। इस दौरान जब अनुराग पैपराजी से मिले तो वह रो रहे थे। वहां पर मौजूद सभी लोगों ने उन्हें दिलासा दिया और कहा कि आप प्लीज ना रोए।

दुल्हन आलिया के पिता और बॉलीवुड निर्देशक-अभिनेता-निर्माता अनुराग कश्यप ने बेटी के रिसेप्शन के दौरान पैपराजी से बात की। अनुराग ने कहा कि वे रो रहे हैं। पैपराजी से बातचीत करते समय उनकी आंखें नम थीं और उनकी शक्ल पर साफ दिख रहा था कि वह रो रहे हैं।" अनुराग ने पैपराजी से कहा, "मैं रो रहा हूं। अनुराग ने यह भी कहा कि वह शादी के सारे तामझाम में काफी थक गए हैं।

जब पैपराजी ने उनसे आलिया और शेन की जोड़ी वाली तस्वीर मांगी, तो अनुराग ने कहा, भेजता हूं (मैं उन्हें आने के लिए कहूंगा।)

आलिया ने शादी की तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन दिया, अभी और हमेशा के लिए। आलिया ने शादी के दिन पेस्टल रंग का लहंगा पहना था, जबकि शेन ने शेरवानी पहनी थी। रस्मों के दौरान, दूल्हे राजा काफी भावुक हो गए थे। शेन ने मई 2023 में अपनी छुट्टियों के दौरान बाली में आलिया को प्रपोज किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, मेरे सबसे अच्छे दोस्त, मेरे साथी, मेरे हमसफर और अब मेरे मंगेतर! तुम मेरी जिंदगी का प्यार हो। मुझे यह दिखाने के लिए शुक्रिया कि असली और बिना शर्त वाला प्यार कैसा होता है। तुम्हें हां कहना मेरे लिए अब तक का सबसे आसान काम था और मैं अपनी बाकी की ज़िंदगी तुम्हारे साथ बिताने का इंतजार नहीं कर सकता, मेरे प्यार। मैं तुमसे हमेशा और हमेशा प्यार करता रहूंगा मंगेतर।

शेन ने कब किया था आलिया को प्रपोज

प्रपोजल के बाद आलिया और शेन ने 3 अगस्त 2023 को मुंबई में सगाई कर ली थी। समारोह की तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "मेरा (लाल दिल इमोजी)" आलिया ने कैप्शन के साथ और तस्वीरें पोस्ट कीं, "मुझे पता है कि मैंने कहा था कि आखिरी डंप आखिरी डंप था लेकिन मैं वादा करती हूं कि यह आखिरी डंप है।" आलिया एक कंटेंट क्रिएटर हैं जिन्होंने कैलिफोर्निया में पढ़ाई की है। फिल्म इंडस्ट्री से दूर अपना करियर बनाया। इस दौरान, उन्हें शेन से प्यार हो गया और शादी से पहले वे कुछ सालों तक डेटिंग करते रहे।

श्रद्धा-एंड्रयू की तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर मचाया तहलका, लोगों ने कीं मजेदार टिप्पणियां

साल 2024 में अब तक सितारों के कई अप्रत्याशित मुलाकातें देखने को मिली हैं। इनमें से ही एक दिलचस्प मुलाकात बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर और हॉलीवुड अभिनेता एंड्रयू गारफील्ड के बीच देखने को मिली। हाल ही में दोनों सितारों को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर एक साथ देखा गया। यह मुलाकात ऐसी थी, जिसने सोशल मीडिया पर खूब तहलका मचाया।

ब्राउन सूट में शानदार दिख रहे थे एंड्रयू गारफील्ड

सऊदी अरब के जेद्दा में हुए इस फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर यह किसी बॉलीवुड सितारे की दूसरी बड़ी मुलाकात थी। इससे पहले रणबीर कपूर और ओलिविया वाइल्ड की भी खास मुलाकात हुई थी। श्रद्धा से मुलाकात के दौरान एंड्रयू गारफील्ड स्लेट ब्राउन सूट में काफी हैंडसम नजर आ रहे थे।

गाउन में खूबसूरत लगीं श्रद्धा

वहीं, श्रद्धा कपूर ने गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वहीं, नीले रंग का दुपट्टा उनके लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा था। श्रद्धा और एंड्रयू की मुलाकात को देखकर एक फैंस से भी रहा नहीं गया और उन्होंने सोशल मीडिया पर दिलचस्प टिप्पणियां कीं।

लोगों ने कीं मजेदार टिप्पणियां

एक यूजर ने लिखा, "पीटर पार्कर और हसीना पार्कर।" वहीं, एक और यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, "स्पाइडरमैन-स्पाइडरमैन तूने चुराया इस स्त्री का चैन।" एक फैन ने इस जोड़ी को लेकर अपनी उत्सुकता जताते हुए लिखा, "क्या स्पाइडरमैन अब स्त्री यूनिवर्स का हिस्सा बनेंगे?" एक यूजर ने लिखा, "उन्हें शादी कर लेनी चाहिए, वे एक बेहतरीन कपल बनेंगे।"

इस फिल्म में नजर आएंगी श्रद्धा

वर्क फ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर को हाल ही में 'स्त्री 2' में देखा गया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया था। टिकट खिड़की पर फिल्म ने कुल 597.99 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस फिल्म के बाद श्रद्धा कपूर जल्द ही 'नागिन' नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं।

धनुष के साथ कानूनी लड़ाई पर नयनतारा ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- मैंने धनुष को दोस्त समझा था

नयनतारा ने अपनी नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरीटेल' में 'नानम राउडी धान' के बीटीएस क्लिप के इस्तेमाल को लेकर धनुष के साथ कानूनी लड़ाई के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि वह और उनके निर्देशक-पति विग्नेश शिवन 'नानम राउडी धान' के निर्माता धनुष के पास अधिकारों के लिए एक दोस्त के रूप में पहुंचे। हालांकि, जब धनुष ने एनओसी देने से इनकार कर दिया तो वे उससे आगे बढ़ गए।

कैसे बढ़ा धनुष-नयनतारा के बीच विवाद

इसके साथ ही नयनतारा ने यह भी बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद कैसे बढ़ा। उन्होंने कहा, 'इसका कभी भी विवाद बनने का इरादा नहीं था और इसे उस विशेष समय पर प्रदर्शित करने का कभी भी इरादा नहीं था जब हम नेटफ्लिक्स पर अपनी फिल्म रिलीज करने वाले थे।' दरअसल, 16 नवंबर को अपनी नेटफ्लिक्स फ़िल्म की रिलीज से दो दिन पहले नयनतारा ने धनुष द्वारा उनकी डॉक्यूमेंट्री में बीटीएस क्लिप के इस्तेमाल को लेकर कानूनी नोटिस भेजे जाने के बाद एक निंदा पत्र लिखा।

एनओसी नहीं मिली तो किया यह काम

नयनतारा और उनकी टीम ने दावा किया कि फिल्म में इस्तेमाल किए गए बीटीएस क्लिप उनके क्रू मेंबर्स द्वारा शूट किए गए थे और उन्होंने ऐसा ही किया। इसके चलते धनुष ने उनके और नेटफ्लिक्स के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन का मामला दर्ज कराया। अपने रुख का बचाव करते हुए नयनतारा ने बताया कि वे विग्नेश शिवन द्वारा फिल्म के लिए लिखी गई चार खास पंक्तियों का इस्तेमाल करना चाहते थे। उन्होंने कहा,'हम फिल्म में सिर्फ यही चार लाइन चाहते थे। वे हमारे लिए बहुत मायने रखती थीं, क्योंकि वे हमारी जिंदगी, हमारे प्यार, हमारे बच्चों को समेटे हुए थीं। यह बहुत निजी था। हमने वाकई सोचा था कि धनुष, एक दोस्त होने के नाते इस पर सहमत होने वाले पहले व्यक्ति होंगे,लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ, तो हम उन लाइनों का इस्तेमाल न करने के लिए तैयार थे। हमें एनओसी नहीं मिली। हम उससे आगे बढ़ गए।

ऐसे बिगड़े धनुष-नयनतारा के रिश्ते

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने आपसी संपर्क के जरिए धनुष से इंकार करने का कारण जानने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'मैंने उनके मैनेजर से बात की, जो मैं आमतौर पर नहीं करती। मैंने उनसे कहा कि अगर आप एनओसी नहीं देते हैं तो कोई बात नहीं। यह उनका फैसला है। यह उनकी फिल्म है, लेकिन मैं उनसे फोन पर बात करना चाहती थी, ताकि समझ सकूं कि मामला क्या है। मैं मामले को स्पष्ट करना चाहती थी। हमें सबसे अच्छे दोस्त होने की जरूरत नहीं थी, लेकिन मैं चाहती थी कि अगर हम भविष्य में एक-दूसरे से मिलें तो कम से कम हाय तो कह सकें।'

आधिकारिक फुटेज का नहीं किया इस्तेमाल

उन्होंने आगे कहा, 'हमने क्लिप का उपयोग न करने का फैसला किया। विग्नेश ने हमारे लिए नए गीत भी लिखे, लेकिन जब ट्रेलर रिलीज हुआ, तो बीटीएस फुटेज फिर से जांच के दायरे में आ गई। लोग यह नहीं समझते कि बीटीएस अब केवल एक अनुबंध का हिस्सा है। यह 10 साल पहले की बात है। ये हमारे फोन और क्रू में अन्य लोगों के फोन पर लिए गए रैंडम वीडियो थे। यह आधिकारिक फुटेज नहीं थी।'

अभिनेत्री ने क्यों लिखा था खुला पत्र

नयनतारा को लगा कि विवाद को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया और उन्होंने बताया कि उन्हें खुला पत्र क्यों लिखना पड़ा। उन्होंने कहा, 'धनुष जैसे व्यक्ति के लिए, जिनका अपने प्रशंसकों और साथियों द्वारा बहुत सम्मान किया जाता है, मुझे लगा कि वह इसे ऐसे ही छोड़ देंगे, लेकिन जब ट्रेलर आया तो इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। यह अनुचित लगा और मुझे बोलना पड़ा।'

अभिनेत्री को नहीं है कोई डर

अभिनेत्री ने आगे कहा ,'मुझे डरने की जरूरत नहीं है। साहस सिर्फ सच से आता है। मुझे सिर्फ तभी डरना चाहिए, जब मैं कुछ गढ़ रही हूं। अगर मैं ऐसा नहीं कर रही हूं तो मुझे डरने की जरूरत नहीं है। अगर मैंने अभी नहीं बोला, जब चीजे पहले ही बहुत आगे बढ़ चुकी थीं तो मुझे नहीं लगता कि किसी में फिर कभी अपने लिए खड़े होने की हिम्मत होगी।' नयनतारा, विग्नेश शिवन और धनुष के बीच कानूनी लड़ाई अभी भी जारी है।

पुष्पा 2 के बुग्गा रेड्डी को देख क्यों होने लगी क्रुणाल पंड्या की चर्चा?

पुष्पा 2: द रूल, जिसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं, हर दिन बॉक्स ऑफिस के हर बड़े रिकॉर्ड को तोड़ रही है। सिनेमाघरों में रिलीज होने के महज 7 दिनों में फिल्म ने 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इस बीच फिल्म का एक एक्टर काफी चर्चा में है।

अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल-स्टारर 'पुष्पा 2: द रूल' रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाए हुए है। ये फिल्म हर दिन बॉक्स ऑफिस के हर बड़े रिकॉर्ड को तोड़ रही है। इसने हाल ही में शाहरुख खान की 'पठान' और 'जवान' के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया और अब इसने रणबीर कपूर की 'एनिमल' के कलेक्शन के आंकड़े को भी पार कर लिया है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने अब तक 645.95 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जिसमें इसके ओजी तेलुगु वर्जन और हिंदी वर्जन का बड़ा योगदान है। फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल लीड रोल में हैं, लेकिन इन तीन कलाकारों के अलावा भी एक कलाकार है, जिसकी इंटरनेट पर खूब चर्चा हो रही है।

क्रुणाल पंड्या जैसा दिखने वाला एक्टर कौन है?

इस एक्टर के चर्चा में होने की वजह हैं इंडियन क्रिकेटर क्रुणाल पंड्या। पुष्पा 2 में फहाद फासिल के अलावा तेलुगू एक्टर तारक पोनप्पा हैं, जिन्हें देखकर क्रुणाल पंड्या के फैन कन्फ्यूज हो गए। कई को तो लगा कि पुष्पा 2 से क्रुणाल ने भी अपना एक्टिंग डेब्यू कर लिया है। तारक पोनप्पा और क्रुणाल पंड्या के लुक में काफी समानता है, जिसके चलते अब वह इंटरनेट पर हॉट टॉपिक बन गए हैं।

तारक पोनप्पा को देख कन्फ्यूज हो गए क्रुणाल पंड्या के फैन

सोशल मीडिया पर तारक पोनप्पा की तस्वीर शेयर करते हुए यूजर पूछ रहे हैं कि क्या क्रुणाल ने भी एक्टिंग का रुख कर लिया है? अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2: द रूल में तारक पोनप्पा ने बुग्गा रेड्डी का किरदार निभाया है, जो विलेन है और पुष्पा को कड़ी टक्कर देता है। बुग्गा रेड्डी से पुष्पा का आमना-सामना फिल्म के क्लाइमैक्स में होता है और इसी दौरान तारक की अपीयरेंस देख लोगों को लगा कि ये हार्दिक पंड्या के बड़े भाई और क्रिकेटर क्रुणाल पंड्या हैं।

2017 में किया था एक्टिंग डेब्यू

क्रुणाल और तारक के मिलते-जुलते फेशियल फीचर्स के चलते ऐसा हो रहा है। क्रुणाल संग मिलते-जुलते लुक को लेकर पुष्पा 2 के बुग्गा रेड्डी यानी तारक पोनप्पा खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। तारक की बात करें तो वह साउथ सिनेमा के जाने-माने अभिनेता हैं और कई तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने 2017 में कन्नड़ फिल्म Ajaramara से अपना एक्टिंग डेब्यू किया और इसके बाद कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जादू बिखेरा।

एंथनी थाटिल की हुईं कीर्ति सुरेश

साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने आज आखिरकार अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड एंथनी थाटिल से शादी कर ली है। कार्ति ने कुछ ही देर पहले सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी शादी की शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिन पर अब प्रशंसक अपना प्यार बरसा रहे हैं और उन्हें शादी की शुभकामनाएं दे रहे हैं। साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने गोवा में एक निजी समारोह के दौरान एंथनी थाटिल के साथ शादी करे ली है। कीर्ति ने अपनी शादी की तस्वीरों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है और साथ ही अपने दिल की बात लिखी है।

पत्रलेखा ने बॉलीवुड में अपने बुरे दौर को किया याद

बोलीं- सक्सेस पाने के लिए बहुत स्ट्रगल किया, राजकुमार राव के लिए ये देखना मुश्किल था

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने एक-दूसरे को 11 साल तक डेट किया और फिर 2021 में यह कपल शादी के बंधन में बंध गया। अब एक इंटरव्यू में पत्रलेखा ने अपने फिल्मी करियर के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि राजकुमार राव के लिए यह देखना बहुत मुश्किल था कि वह फिल्म इंडस्ट्री में सफलता पाने के लिए स्ट्रगल कर रही थीं।

पत्रलेखा ने कहा, 'जब आप अपने करियर में अच्छा नहीं कर पाते हैं, तो आप उस पर कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन मुश्किल तब होती है, जब आपका पार्टनर या भाई-बहन अच्छा नहीं कर रहे होते हैं। उस समय आप उनकी स्थिति को महसूस तो करते हैं, लेकिन कुछ नहीं कर पाते। यही अनुभव राजकुमार राव का मेरे साथ था।'

पत्रलेखा ने कहा, 'एक समय ऐसा था जब मैं काफी संघर्ष कर रही थी और उस वक्त राजकुमार काफी सफलता हासिल कर रहे थे। फिर भी, वह कभी-कभी अपनी फिल्मों के बारे में बात नहीं करते थे, ताकि मुझे बुरा न लगे और मैं दुखी न हो जाऊं। हालांकि, वह मुझसे कुछ नहीं कहते थे, लेकिन मुझे पता था कि मेरा संघर्ष करना उन्हें दुखी करता था।'

इस बातचीत में राजकुमार राव ने अपनी पत्नी का सपोर्ट करते हुए कहा कि एक्टिंग में बहुत अकेलापन होता है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि शहर की रोशनी के बाद उसे उतना अच्छा काम क्यों नहीं मिला। मैं हमेशा उसके साथ हूं, लेकिन एक्टिंग एक अकेला और व्यक्तिगत अनुभव है।'

11 साल से रिलेशन में थे राजकुमार और पत्रलेखा

राजकुमार राऔर पत्रलेखा ने 11 सालों तक एक दूसरे को डेट किया था। एक इंटरव्यू के दौरान पत्रलेखा ने बताया था कि उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' फिल्म में पहली बार राजकुमार राव को देखा था।

पहली बार पत्रलेखा को लगा था कि राजकुमार, फिल्म के किरदार की ही तरह अजीब हैं, हालांकि ऐसा नहीं था। वहीं, दूसरी तरफ राजकुमार राव ने एक एड में पत्रलेखा को देखकर उनसे शादी करने का मन बना लिया था।

30 साल पहले आई पारिवारिक फिल्म 'हम आपके हैं कौन', जिसे देख आज भी नम हो जाती हैं आंखें, 1994 में की सबसे ज्यादा 117 करोड़ कमाई

साल 1994 में सिनेमाघरों में एक ऐसी फिल्म ने दस्तक दी, जिसके आगे तमाम फिल्में पानी भरती नजर आईं। इस फिल्म ने 1982 में रिलीज हुई फिल्म की रीमेक होते हुए भी बॉक्स ऑफिस पर ऐसा कोहराम मचाया कि सब देखते रह गए। ये एक फैमिली ड्रामा फिल्म थी, जिसमें माधुरी दीक्षित लीड रोल में थीं। क्या आप इस फिल्म का नाम बता सकते हैं?

1994 की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म का नाम बता सकते हैं?

सलमान खान बॉलीवुड के वो सुपरस्टार हैं, जिनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई करती हैं। 1994 में भी सलमान खान की एक फिल्म रिलीज हुई थी, जिसने दर्शकों के बीच धूम मचा दी थी। इस फिल्म में उनके साथ उस दौर की टॉप स्टार माधुरी दीक्षित लीड रोल में नजर आई थीं और इसने उस साल रिकॉड तोड़ कमाई की थी। ये फिल्म एक बॉलीवुड फिल्म का ही रीमेक थी, जो साल 1982 में रिलीज हुई थी। ये फिल्म भी एक पारिवारिक फिल्म थी। इन दोनों फिल्मों की कहानी में बस एक ही अंतर है कि 1982 में आई फिल्म में एक गांव के परिवार की कहानी दिखाई गई थी। वहीं , साल 1994 में आई फिल्म की कहानी शहरी परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन, कहानी दोनों फिल्मों की जस की तस है।

खूब मशहूर हुए गाने

अगर आप अभी तक फिल्म का नाम नहीं पहचान पाए तो चलिए हम आपको बताते हैं कि फिल्म का नाम क्या है? फिल्म का नाम है 'हम आपके हैं कौन'। 1994 में रिलीज हुई इस फिल्म ने उस समय बेहद शानदार कमाई की थी। लगभग 30 साल पहले आई इस फिल्म के गाने भी बेहद मशहूर हुए थे। इस फिल्म में

माधुरी दीक्षित और सलमान खान के साथ मोहनीश बहल, अनुपम खेर, रेणुका शहाणे, अलोकनाथ और रीमा लागू जैसे कलाकार थे।

फिल्म की कमाई

लगभग 30 साल पहले आई इस फिल्म का बजट कुल 6 करोड़ था। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने लगभग 117 करोड़ की शानदार कमाई की थी। राजश्री प्रोडक्शन्स तले बनी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के डायरेक्टर सुरज बड़जात्या हैं।

इस फिल्म का रीमेक है हम आपके हैं कौन?

सुपरहिट फिल्म 'हम आपके हैं कौन' 1994 में रिलीज हुई थी और ये फिल्म साल 1982 में आई फिल्म 'नदिया के पार' का रीमेक है। 'हम आपके हैं कौन' और 'नदिया के पार' दोनों फिल्म राजश्री बैनर की हैं। फिल्म 'नदिया के पार' के डायरेक्टर गोविंद मूनिस थे और इस फिल्म में साधना सिंह , लीला मिश्रा ,सचिन पिलगांवकर, और इंद्र ठाकुर लीड रोल में नजर आए थे।

जमाल कुडू के डांस मूव्स पर बॉबी देओल बोले:बचपन में पंजाब से मैंने ये स्टेप्स सीखे थे सोचा नहीं था इतना वायरल हो जाएगा

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल ब्लॉकबस्टर हुई थी। इस फिल्म में बॉबी देओल विलेन के रोल में नजर आए थे। जहां एक तरफ उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई। वहीं, दूसरी ओर फिल्म के गाने जमाल कुडू में उनके डांस मूव्स भी काफी वायरल हुए थे। अब हाल ही में बॉबी ने इस गाने के डांस स्टेप्स के बारे में बात की।

स्क्रीन लाइव इवेंट में बॉबी ने कहा, 'मुझे आज भी याद है जब मैं उस सीन की शूटिंग कर रहा था। शुरुआत में थोड़ा झिझकते हुए मैंने संदीप से कहा कि मैं कोरियोग्राफर के साथ डांस नहीं कर सकता। फिर मैंने डांस करना शुरू किया, लेकिन इसी बीच उन्होंने मुझे टोका और कहा कि यह किरदार बॉबी देओल का नहीं, बल्कि अबरार का है, इसलिए मुझे उसी हिसाब से डांस करना है।'

बॉबी देओल ने कहा, 'जब उन्होंने मुझसे ऐसा कहा, तब मैं सोचने लगा, अब क्या करूं? फिर मैंने फिल्म में मेरे भाई का किरदार निभाने वाले सौरभ सचदेवा से पूछा था तुम कैसे डांस करोगे? और वह डांस करने लगा। अचानक, मुझे नहीं पता क्या हुआ, मेरे दिमाग में पुराने समय की सारी यादें ताजा हो गईं।'

बॉबी ने कहा, 'बचपन में मैं गर्मियों और सर्दियों की छुट्टियों में पंजाब जाता था। रात को वहां लोग शराब पीते थे और सॉन्ग बजाते थे। इसके बाद वे सिर पर गिलास और बोतल रखकर नाचते थे। मैंने सोचा चलो, एक बार इसे आजमाता हूं। मैंने सिर पर गिलास रखा और डांस करना शुरू किया और फिर यह अचानक वायरल हो गया।

बॉबी ने अपने 28 साल लंबे करियर में तकरीबन 45 फिल्में की हैं, लेकिन इतने लंबे करियर में 'एनिमल' ही ऐसी फिल्म है जो कि उनकी पहली ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसने बॉक्सऑफिस पर तकरीबन 950 करोड़ का बिजनेस किया है। इससे पहले उनकी सिर्फ 6 फिल्में ही हिट हुई हैं। ये हैं- बरसात, गुप्त, सोल्जर, बादल, यमला पगला दीवाना और हाउसफुल 4।

13 साल की उम्र में करने लगा था काम

मिलता था एक टाइम का खाना और 35 रुपये महीना पगार, रुला देगी नाना पाटेकर की कहानी

इस एक्टर का बचपन अथाह गरीबी में गुजरा था. घर की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि इन्हें 13 साल की उम्र में महज 35 रुपये महीने की नौकरी करनी पड़ी थी. भूख ने फिर इन्हें एक्टिंग के गुर सिखा दिए थे.

बॉलीवुड में कई ऐसे अभिनेता हैं जिनका बचपन काफी गरीबी में बीता और फिर उन्होंने कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया. आज हम आपको यहां ऐसे ही एक दिग्गज अभिनेता की कहानी बताएंगें जिन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर राज किया है. इस एक्टर को 13 साल की उम्र में भूख ने एक्टिंग के गुर सिखा दिए थे और फिर इनकी फिल्मों में एंट्री हुई थी.

दरअसल हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं नाना पाटेकर हैं. नाना पाटेकर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी गरीबी भरी परवरिश के बारे में खुलकर बात की है. उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने 13 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था.

दरअसल एक्टर ने उत्कर्ष शर्मा और गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा के साथ अपनी अपकमिंग रिलीज़ - वनवास का प्रमोशन करते हुए खुलासा किया कि उनकी सिचुएशन ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला, जिससे उन्हें बहुत तेजी से बड़ा होना पड़ा.

बता दें कि एक इंटरव्यू के दौरान नाना पाटेकर ने कहा, ₹मैंने 13 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था. इसलिए मैं जीवन में बहुत कम उम्र में 30 साल का हो गया था.

नाना पाटेकर 13 साल की उम्र में स्कूल से आने के बाद रोज 8 किलोमीटर पैदल चलकर चूना भट्टी काम करने के लिए जाते थे. वह फिल्मों के पोस्टर्स को पेंट करने का काम करते थे. फिर 8 किलोमीटर चलकर वापस घर आते थे. उन्हें काम के बदले हर महीने 35 रुपये मिलते थे और वे इन पैसों से वह अपने घर का खर्च उठाते थे.

नाना ने बताया, मुझे दिन में एक बार भोजन मिलता था और हर महीने केवल 35 रुपये मिलते थे. हालांकि तमाम मुसीबत के बावजूद पाटेकर अपने काम और शिक्षा के बीच बैलेंस बनाते हुए डटे रहे. एक्टर ने कहा, "मैं दिन में काम करता था और फिर स्कूल भी जाता था. मैं 9वीं क्लास में था.

नाना पाटेकर ने आगे कहा, "तो मुझे लगता है कि आपके हालात (परिस्थितियाँ) आपकी उम्र तय करती हैं." उन्होंने कहा,"लेकिन एक समय के बाद, मैंने अपनी स्थिति को मेरी उम्र तय नहीं करने दी. अब मैं अपनी उम्र तय करता हूं- 18, 19... मैं उतना बूढ़ा हूं जितना मैं होना चाहता हूं.

उन्होंने कहा, मुझे हंसी मजाक के सिवा और कुछ सूझता नहीं, पाटेकर ने आगे कहा, "मैं मौत से नहीं डरता, जब मरना है तो निकलूंगा.

बता दें कि नाना ने अपने करियर में हर तरह को रोल निभाए हैं. उन्होंने संजीदा से लेकर रोमांटिक और नेगिवेट के साथ कॉमिक रोल में भी अपना लोहा मनवाया है.

उन्होंने 1978 में आई फिल्म गमन से एक्टिंग करिय़र की शुरुआत की थी. लेकिन उन्हें परिंदा से पहचान मिली थी. इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला था.

करोड़ों में है रजनीकांत की नेटवर्थ, सुनकर उड़ जाएंगे होश

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत का जन्म 12 दिसंबर 1950 को एक मराठी परिवार में हुआ था। फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले उनका नाम शिवाजी राव गायकवाड़ था। उनके पिता पुलिस हेड कांस्टेबल थे। उन्होंने साल 1975 में रिलीज हुई फिल्म अपूर्वा रागंगल से फिल्मों में अपना करियर शुरू किया था।

रजनीकांत का फिल्मी करियर

रजनीकांत ने एक्शन कॉमेडी फिल्म जेलर, फैमिल ड्रामा एक्शन फिल्म अन्नात्थे, एक्शन थ्रिलर फिल्म दरबार, एक्शन थ्रिलर फिल्म पेट्टा, साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म 2.0, एक्शन ड्रामा फिल्म काला, एक्शन ड्रामा फिल्म कबाली, साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म रोबोट, एक्शन ड्रामा फिल्म शिवाजी: द बॉस और साइको हॉरर कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी के अलावा भी कई फिल्मों में लाजवाब अभिनय किया है। पिछली बार उन्हें वेट्टैयन में देखा गया था। अब वो 2025 में कुली में नजर आएंगे। फिलहाल, फिल्म की शूटिंग चल रही है। लग्जरी लाइफ जीते हैं रजनीकांत

रजनीकांत ने अपने करियर में खूब सक्सेस हासिल की है। उन्होंने अपने अनोखे स्टाइल और टैलेंट से प्रशंसकों का दिल जीता है।

उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई करती हैं। रजनीकांत लग्जरी लाइफस्टाइल मेंटेन करते हैं। उनके कार कलेक्शन से लेकर लग्जरी घर तक सभी कुछ काफी महंगा है।

रजनीकांत की नेटवर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रजनीकांत की नेटवर्थ 430 करोड़ रुपये है। वो एक फिल्म का 50 करोड़ रुपये तक चार्ज करते हैं। उनका चेन्नई के पोएस गार्डन में लग्जरी बंगला है। इस प्रॉपर्टी की कीमत तकरीबन 35 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा रजनीकांत का खुद का एक मैरिज हाल भी है। उनके इस मैरिज हॉल की कीमत 20 करोड़ रुपये है और इसक नाम राघवेंद्र मंडपम है। उनके कार कलेक्शन में दो रॉल्स रॉयस मॉडल हैं। रॉल्स रॉयस घोस्ट की कीमत 6 करोड़ रुपये है और दूसरी रॉल्स रॉयस फैंटम की कीमत 16.5 करोड़ रुपये है। इसके अलावा उनके पास 1.77 करोड़ की बीएमडब्ल्यू एक्स5, 2.55 करोड़ की मर्सिडीज बेंज जी वैगन और लैम्बॉर्गिनी उरुस है। उनके पास 6 करोड़ रुपये की बेंटले ल्यूमिनस कार भी है।

प्यार से उन्हें बुलाते थे निम्मी

फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले रजनीकांत एक बस कंडक्टर थे। इसी दौरान उन्हें एक लड़की से प्यार हुआ था, जिसका नाम निम्मी था।

रजनीकांत ने अपनी बायोग्राफी 'द नेम इज रजनीकांत' में इस किस्से का जिक्र किया है। थलाइवा जिस लड़की को दिल दे बैठे थे उसका नाम निर्मला था। रजनीकांत उसे प्यार से निम्मी बुलाते थे।

रजनीकांत आज जो भी हैं, वो निम्मी की वजह से ही हैं। निर्मला एमबीबीएस की स्टूडेंट थीं। रजनीकांत अक्सर उनसे मिलते थे। निम्मी ने ही रजनीकांत को अभिनय कोर्स करने के लिए पैसे दिए थे, ताकि वह अपना करियर बना सकें। रजनीकांत, निम्मी के साथ शादी के सपने देखने लगे थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

अंबानी-अडानी के समधियों में है ये समानता,क्या अब दोनों में होगी तुलना

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी और गौतम अडानी हमेशा चर्चा में रहते हैं, इस साल के शुरुआत में मुकेश अंबानी ने अपने छोटे बेटे की शादी बड़े धूमधाम से की थी, जिसमें देश-विदेश से मेहमान आए थे। वहीं साल के आखिर में गौतम अडानी अपने छोटे बेटे जीत अडानी की शादी करने जा रहे हैं, जिसका प्री-वेडिंग फंक्शन 10 और 11 दिसंबर को उदयपुर में आयोजित किया गया है। गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के बेटों की शादी इसी साल हो रही है, इस समानता के साथ दोनों उद्योगपतियों के समधियों में भी एक चीज मेल खाती है, जिसके बारे में बहुत से लोग नहीं जानते। इसीलिए हम आपको यहां गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के समधी के बीच की समानता के बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

अंबानी और अडानी के समधी

मुकेश अंबानी के समधीः उनके बड़े बेटे आकाश अंबानी की शादी श्लोका मेहता से हुई है। श्लोका के पिता रसेल अरुण भाई मेहता हीरा उद्योग के बड़े व्यापारी हैं। उनकी कंपनी रोज़ी ब्लू इंडिया भारत और दुनिया के अन्य देशों में हीरों का व्यापार करती है। रसेल मेहता का नाम भारतीय व्यापार जगत में बहुत प्रतिष्ठित है। गौतम अडानी के समधीः गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की शादी जैमिन शाह की बेटी से हो रही है। जैमिन शाह भी सूरत के प्रमुख हीरा कारोबारी हैं। सूरत, जिसे "डायमंड सिटी" भी कहा जाता है, में जैमिन शाह की एक अलग पहचान है।

दोनों समधियों में समानताएं

हीरा उद्योग में विशेषज्ञताः अंबानी और अडानी दोनों के समधी हीरा व्यापार से जुड़े हुए हैं। यह उद्योग न केवल भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इसका बड़ा महत्व है।वैश्विक पहचानः रसेल मेहता और जैमिन शाह दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान रखते हैं। इनका व्यापार केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है। गुजरात से संबंधः दोनों परिवारों की जड़ें गुजरात में हैं। गुजरात, जो भारत का व्यापारिक केंद्र है, ने इन परिवारों के व्यापार और संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सोना 497 बढ़कर 78,163 पर पहुंचाःचांदी 861 चढ़कर 93,561 प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 12 दिसंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 497 रुपए बढ़कर 78,163 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 77,666 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी भी आज 861 रुपए बढ़कर 93,561 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी 92,700 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,620 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,470 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 79,470 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,470 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपए है

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 72,850 रुपये है।

आटे की कीमतों पर लगेगी लगाम, जमाखोरों की बढ़ेगी टेंशन, सरकार ने लिया बड़ा एक्शन

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। आम जनता की रोटी आने वाले दिनों में सस्ती हो सकती है। दरअसल, सरकार ने आटे की स्टॉक जमाखोरी रोकने और कीमतों में तेजी पर लगाम लगाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने थोक विक्रेताओं, छोटे-बड़े खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं का स्टॉक रखने के मानदंडों को और सख्त कर दिया है। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा, गेहूं की कीमतों को कम करने के निरंतर प्रयासों के तहत केंद्र सरकार ने 31 मार्च, 2025 तक लागू गेहूं की स्टॉक सीमा को बदलने का फैसला किया है। संशोधित मानदंडों के अनुसार, थोक विक्रेताओं को अब 2,000 टन के बजाय 1,000 टन तक गेहूं का स्टॉक रखने की अनुमति होगी।

कितना रख सकते हैं स्टॉक?

खुदरा विक्रेता प्रत्येक बिक्री केंद्र पर 10 टन के बजाय पांच टन का स्टॉक रख सकते हैं। जबकि बड़ी चेन के खुदरा विक्रेता प्रत्येक बिक्री केंद्र पर 10 टन के बजाय पांच टन गेहूं ही रख सकते हैं। प्रसंस्करणकर्ताओं को अप्रैल, 2025 तक शेष महीनों से गुणा करके अपनी मासिक स्थापित क्षमता के 60 प्रतिशत के बजाय 50 प्रतिशत को बनाए रखने की अनुमति दी जाएगी। गेहूं पर स्टॉक सीमा पहली बार 24 जून को लगाई गई थी और बाद में समग्र खाद्य सुरक्षा का प्रबंधन करने और जमाखोरी व सट्टेबाजी को रोकने के लिए नौ सितंबर को मानदंडों को कड़ा किया गया था।

हर हफ्ते देना होगा अपडेट

मंत्रालय ने कहा कि सभी गेहूं भंडारण संस्थाओं को गेहूं स्टॉक सीमा पोर्टल पर पंजीकरण करना और हर शुक्रवार को स्टॉक की स्थिति को अपडेट करना आवश्यक है। यदि संस्थाओं के पास स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक है, तो उन्हें अधिसूचना जारी होने के 15 दिन के भीतर अपनी मात्रा को निर्धारित स्टॉक सीमा तक लाना होगा। कोई भी संस्था जो पोर्टल पर पंजीकृत नहीं पाई जाती है या स्टॉक सीमा का उल्लंघन करती है, उसपर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत उपयुक्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य मंत्रालय कीमतों को नियंत्रित करने और देश में आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गेहूं की स्टॉक स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है।

एडिबल ऑयल का इंपोर्ट नवंबर में बढ़ा, खाने के तेल के दाम पर दिख सकता है असर

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में खाने के तेल का इंपोर्ट इस पिछले डिस्ट्रीब्यूशन ईयर में तेजी से बढ़ा है और इसके चलते देश के इंपोर्ट बिल पर भी इसका असर देखा जा सकता है। भारत का एडिबल ऑयल आयात नवंबर में 38.5 फीसदी बढ़कर 15.9 लाख टन हो गया। इसकी मुख्य वजह सूरजमुखी तेल और कच्चे सोयाबीन तेल के आयात में तेज उछाल रहा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया यानी एसइ ने गुरुवार को नवंबर के लिए वेजिटेबल ऑयल (खाने-पीने व अन्य तेल) के इंपोर्ट के आंकड़े जारी किए। तेल विपणन वर्ष या ऑयल मार्केटिंग ईयर नवंबर से अक्टूबर तक होता है।

ऑयल मार्केटिंग ईयर के पहले महीने में ही इंपोर्ट बढ़ा

आंकड़ों के मुताबिक ऑयल मार्केटिंग ईयर 2024-25 के पहले महीने नवंबर में वेजिटेबल ऑयल का इंपोर्ट सालाना आधार पर 11,60,590 टन की तुलना में 40 फीसदी बढ़कर 16,27,642 टन हो गया।

एडिबल ऑयल कैटेगरी में आरबीडी पामोलिन ऑयल का भी इंपोर्ट बढ़ा

कुल वेजिटेबल ऑयल आयात में से भारत ने नवंबर में 15,90,301 टन

एडिबल ऑयल का आयात किया, जबकि पिछले साल इसी महीने में 11,48,092 टन का आयात हुआ था। अन्य तेलों (जिनका इस्तेमाल खाने के लिए नहीं किया जाता) का आयात नवंबर 2023 में 12,498 टन की तुलना में बढ़कर 37,341 टन हो गया। एडिबल ऑयल कैटेगरी में, नवंबर 2024 में आरबीडी पामोलिन का आयात सालाना आधार पर 1,71,069 टन की तुलना में बढ़कर 2,84,537 टन हो गया।

कच्चे सूरजमुखी तेल का इंपोर्ट 3.40 लाख टन पर पहुंचा

समीक्षाधीन अवधि में कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात 1,28,707 टन से बढ़कर 3,40,660 टन हो गया, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल का आयात 149,894 टन से बढ़कर 407,648 टन हो गया। हालांकि, कच्चे पाम तेल का आयात पिछले महीने घटकर 5,47,309 टन रह गया, जो नवंबर 2023 में 6,92,423 टन था। पाम तेल का आयात (कच्चा और रिफाइंड सहित) पिछले महीने सालाना आधार पर 8,69,491 टन से घटकर 8,41,993 टन रह गया। नवंबर 2023 में 'सॉफ्ट ऑयल' का आयात 2,78,601 टन से बढ़कर 7,48,308 टन हो गया। पाम तेल की हिस्सेदारी 76 फीसदी से घटकर 53 फीसदी हो गई, जबकि 'सॉफ्ट ऑयल' की हिस्सेदारी 24 फीसदी से बढ़कर 47 फीसदी हो गई। सॉफ्ट ऑयल से अर्थ सोयाबीन तेल, सूरजमुखी के बीज के तेल आदि से है। इंडोनेशिया और मलेशिया भारत को आरबीडी पामोलिन और कच्चे पाम ऑयल के प्रमुख सप्लायर्स हैं।

नवंबर में महंगाई से थोड़ी राहत; खुदरा महंगाई दर छह फीसदी से नीचे 5.48% पर

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। महंगाई के मोर्चे पर नवंबर महीने में लोगों को मामूली राहत मिली। सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर बीते महीने 5.48% रही। इससे पहले अक्तूबर में खुदरा महंगाई दर 6.21% थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति को 4% पर रखने का लक्ष्य रखा है, जिसमें दोनों ओर दो प्रतिशत अंकों की सहनशीलता सीमा तय की गई है।

गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति दर नवंबर में धीमी होकर 5.48 प्रतिशत पर आ गई। अक्तूबर में यह 6.21 प्रतिशत थी। खुदरा महंगाई घटने का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों, विशेषकर सब्जियों की कीमतों में नरमी आना है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों के

अनुसार, नवंबर में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति घटकर 9.04 प्रतिशत रह गई। अक्तूबर में यह 10.87 प्रतिशत और नवंबर 2023 में 8.70 प्रतिशत रही थी। एनएसओ ने कहा, नवंबर 2024 के महीने के दौरान सब्जियों, दालों और उत्पादों, चीनी और मिठाई, फलों, अंडे, दूध और उससे जुड़े उत्पादों, मसालों, परिवहन और संचार व व्यक्तिगत देखभाल जैसे उपसमूहों में मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। सीपीआई आधारित हेडलाइन मुद्रास्फीति जुलाई-अगस्त के दौरान औसतन 3.6 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 5.5 प्रतिशत और अक्तूबर 2024 में 6.2 प्रतिशत हो गई थी। यह आंकड़ा सितंबर 2023 के बाद से एक वर्ष से अधिक समय में सबसे अधिक था। बीते सप्ताह, रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने यह भी कहा कि खाद्य कीमतों पर दबाव के कारण दिसंबर तिमाही में महंगाई दर के ऊंचे स्तर पर बने रहने की संभावना है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित हेडलाइन मुद्रास्फीति जुलाई-अगस्त तिमाही के दौरान औसतन 3.6 प्रतिशत थी।भारत के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर इस साल अक्तूबर में धीमी होकर 3.5 प्रतिशत रह गई। इसका मुख्य कारण खनन, बिजली और विनिर्माण क्षेत्रों का खराब प्रदर्शन है। गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला कारखाना उत्पादन, अक्तूबर 2023 में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अक्तूबर 2024 में 3.5 प्रतिशत बढ़ जाएगा।

बिटकॉइन निवेशकों की जमकर चांदी

यूएस में इस बड़े कदम की आस से 1,01,000 डॉलर से भी ऊपर गए दाम

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। बिटकॉइन में पैसा लगाने वालों को दिन दूनी, रात चौगुनी स्पीड से पैसा डबल होने का एक्सपीरिएंस मिल रहा है। अमेरिका से आ रही खबरों के दम पर बिटकॉइन आगे के रेट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसने एक लाख एक हजार डॉलर से ऊपर के रेट को पार कर लिया है। अमेरिका में आए ताजा महंगाई दर के आंकड़ों के बाद ऐसी उम्मीदों पर पंख लग गए हैं कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व एक और रेट कट यानी नीतिगत दरों में कटौती का फैसला सुनाने वाला है।

क्यों लगातार मिल रहा क्रिप्टोकरेंसी को बूस्ट

जबसे अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत हुई भी नहीं थी, उससे पहले ही यूएस में बिटकॉइन की कीमतों में उछाल आना शुरू हो गया था। आज 12 दिसंबर को जब बिटकॉइन ने 1 लाख 1 हजार का लेवल पार कर लिया है, इसमें और तेजी आने की संभावना बनी हुई हैं। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी को अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ होने से बड़ा बूस्ट मिला है।

बिटकॉइन की बादशाहत कायम

ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैपिटलाइजेन में 5.53 फीसदी का इजाफा देखा जा रहा है और आज ये 3.64 ट्रिलियन डॉलर पर आ गई है। इस मार्केट में बिटकॉइन का हिस्सा 55.09 परसेंट पर है और

क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में सबसे ज्यादा मार्केट शेयर पर काबिज है। (कॉइनमार्केट कैप डेटा के मुताबिक)

अमेरिका से बिटकॉइन को जमकर मिल रहा सपोर्ट

बिटकॉइन की चाल देखी जाए तो इसने बीती 5 दिसंबर को 1,03,800 डॉलर प्रति टोकन का लेवल पार कर लिया था। अमेरिकी चुनाव से 50 दिन पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने एक क्रिप्टोकरेंसी वेंचर में पैसा लगाकर इस बात का साफ संकेत दे दिया था कि वो भविष्य में क्रिप्टोकरेंसी के कारोबार को बढ़ावा देने के कदमों को बढ़-चढ़कर आगे लाएंगे। इसके अलावा ट्रंप की पूरी कैंपेनिंग में टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने खूब पैसा लगाया और अपने दोस्त ट्रंप और क्रिप्टोकरेंसी में अपने निवेश दोनों की जमकर ब्रांडिंग और प्रमोशन किया और इसको राष्ट्रपति चुनाव में माइलेज मिला।

शेयर बाजार में फिर बिकवाली लौटी; सेंसेक्स 236 अंक फिसला, निफ्टी 24550 से नीचे बंद

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को फिर लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन 236.18 (0.28%) अंक कमजोर होकर 81,289.96 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 93.10 (0.38%) अंक टूटकर 24,548.70 पर पहुंच गया। एनटीपीसी और एचयूएल जैसे शेयरों में 3% तक की गिरावट दर्ज की गई।

मुद्रास्फीति के आंकड़ों की घोषणा से पहले निवेशकों के सतर्क रुख के कारण प्रमुख सूचकांक रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी और एचयूएल में बिकवाली दबाव के कारण गुरुवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा रुपये में कमजोरी और विदेशी पूंजी निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, मुद्रास्फीति और आईआईपी आंकड़ों की घोषणा से पहले निवेशकों ने सतर्कता के साथ कारोबार किया और शेयरों में अपने दांव लगातार कम किए। वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ते अमेरिकी बांड प्रतिफल से फंड का बहिर्वाह बढ़ रहा है और मध्य पूर्व तथा पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहने के कारण निवेशकों में विश्वास की कमी है। सेंसेक्स की 30 शेयरों वाली प्रमुख कंपनियों में एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स, मारुति, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और भारतीय स्टेट बैंक सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, अडानी पोर्ट्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लाभ में रहीं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, साप्ताहिक समाप्ति के दिन बाजार थोड़ा कमजोर होकर बंद हुआ। मिश्रित संकेतों के बीच बाजार में करीब आधा प्रतिशत की गिरावट आई। बाजार को तेजी के लिए नए उत्प्रेरक का इंतजार है, जबकि आईटी और बैंकिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में चक्रीय खरीदारी से सुधार की उम्मीदें बनी हुई हैं। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 1 प्रतिशत की गिरावट आई, तथा मिडकैप सूचकांक में 0.56 प्रतिशत की गिरावट आई। एफएमसीजी (1.15 प्रतिशत), ऊर्जा (1.03 प्रतिशत), औद्योगिक (0.83 प्रतिशत), उपभोक्ता विवेकाधीन (0.81 प्रतिशत), तेल एवं गैस (0.73 प्रतिशत) और ऑटो (0.70 प्रतिशत) में गिरावट रही। आईटी, यूटिलिटीज, टेक और बीएसई फोकस्ड आईटी में लाभ रहा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू सीपीआई डेटा और कमजोर होते रुपये से पहले बाजार सीमित दायरे में रहा। हालांकि मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन निवेशक सब्जियों की कीमतों पर कड़ी नजर रख रहे हैं, जो भविष्य की ब्याज दरों की दिशा तय करेगी। इस बीच, अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों के उम्मीद के मुताबिक आने के बाद निफ्टी आईटी इंडेक्स नई ऊंचाई पर पहुंच गया, जिससे अगले हफ्ते फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ गई है। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग लाभ में रहे। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा।

बुधवार को रात भर के कारोबार में वॉल स्ट्रीट ज़्यादातर बढ़त पर बंद हुआ। गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ 84.87 (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,012.24 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.30 प्रतिशत बढ़कर 73.74 डॉलर प्रति बैरल हो गया। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 16.09 अंक या 0.02 प्रतिशत बढ़कर 81,526.14 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 31.75 अंक या 0.13 प्रतिशत बढ़कर 24,641.80 अंक पर बंद हुआ था।

एलन मस्क ने रच दिया इतिहास,400 अरब डॉलर की संपत्ति वाले बने पहले इंसान

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क 400 अरब डॉलर की कुल नेटवर्थ रखने वाले दुनिया के पहले इंसान बन गए हैं। आज तक किसी ने भी इस तरह का

इतिहास नहीं रचा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार स्पेसएक्स की इनसाइडर ट्रेडिंग सेल्स की वजह से एलन मस्क की नेटवर्थ में एक झटके में 50 बिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिला है। वैसे शेयर बाजार बंद होने और टेस्ला के शेयरों में तेजी के बाद एलन मस्क की दौलत में और भी इजाफा हो गया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार एलन मस्क की नेटवर्थ में बुधवार को 62 अरब डॉलर की तेजी देखने को मिली और कुल नेटवर्थ 447 अरब डॉलर हो गई है। खास बात तो ये डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद एलन मस्क की नेटवर्थ में 183 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। वहीं दूसरी ओर टेस्ला के शेयरों में भी अच्छी तेजी देखने को मिली है। 4 दिसंबर के बाद से टेस्ला के शेयरों में 72 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
सूर्योदय - 06-40
सूर्यास्त. - 17-39

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु मे	धनु----	04-39 बजे
चंद्र-	मेष मे	मकर...	06-53 बजे
मंगल	कर्क मे	कुंभ -	09-00 बजे
बुध-	वृश्चिक मे	मीन-	10-50 बजे
गुरु-	वृष मे	मेष---	12-31 बजे
शुक्र-	मकर मे	वृष---	14-04 बजे
शनि-	कुंभ मे	मिथुन	15-48 बजे
राहु-	मीन मे	कर्क...	17-49 बजे
केतु-	कन्या मे	सिंह---	20-01 बजे
		कन्या---	22-13 बजे
		तुला----	00-20 बजे
		वृश्चिक...	02-26 बजे

दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी . 19-39 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल , शुक्रवार 13 December
नक्षत्र - भरणी 07-49 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - शिव 11:52 तक उप साध्य
करण- कौलव 09-02 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - प्रदोष व्रत

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:48 से 12:11 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:40 - 08:02	शुभ	रोग.	17:39 - 19:20	अशुभ
लाभ.	08:02 - 09:25	शुभ	काल	19:20 - 20:57	अशुभ
अमृत	09:25 - 10:48	शुभ	लाभ.	20:57 - 22:34	शुभ
काल.	10:48 - 12:11	अशुभ	उत्पात	22:34 - 00:11	अशुभ
शुभ.	12:11 - 13:33	शुभ	शुभ	00:11 - 01:48	शुभ
रोग.	13:33 - 14:56	अशुभ	अमृत.	.01:48 - 03:25	शुभ
उत्पात	14:56 - 16:19	अशुभ	चंचल	03:25 - 05:02	शुभ
चंचल.	16:19 - 17:39	शुभ	रोग.	05:02 - 06:40	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपका धैर्य से अब लाभ मिलने लगा है । आप एक लंबे समय से इसके लिए इंतजार कर रहे थे , जिसके लिए आपने कभी अपनी मेहनत को पीछे नहीं रखा और अवसरों की तलाश करते रहे । धीरे-धीरे जो आप चाहते थे वो आपको मिल रहा है ।आप संयमित रहे । इन लाभों का आनंद लें , लेकिन साथ ही साथ आसपास के लोगों से विनम्र रहे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आप एक लंबे समय से सीधे और संकीर्ण रास्ते में कठिन काम कर रहे है, लेकिन आज आप अपने कार्य को पूरा करने के लिए प्रवंचना या चतुराई का सहारा ले सकते है , हालाँकि ये एक अनावश्यक जोखिम है। लोग आसानी से आपके तंत्र को पहचान लेंगे और इसे अपराध के रूप में लेंगे और आपने सालो से जो प्रतिष्ठा कमाई है वो आप गवां सकते है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है , लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है। आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा , इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे , ताकि इसका असर दुसरो पर हो । इस बीच में अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे !

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संभंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर भी लगाम लगानी होगी क्योकि आप अछा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो और हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीज़ो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपको तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र का आखिरी दिन

बोले सीएम हेमंत- यह राज्यपाल का अभिभाषण नहीं बल्कि सरकार का श्वेत पत्र है

रांची, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सदन की कार्यवाही के अंतिम दिन के पहले हाफ में राज्यपाल के अभिभाषण पर सरकार की ओर से जवाब देते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि यह अभिभाषण सदन में अब तक पढ़े गए सभी अभिभाषण में सबसे छोटा और सबसे स्पष्ट एवं प्रभावशाली है। यह अभिभाषण नहीं बल्कि सरकार का श्वेत पत्र है। सरकार क्या करना चाहती है और राज्य को किस दिशा में ले जाना चाहती है, इससे साफ हो रहा है।

कल्पना सोरेन

उन्होंने कहा कि देश की तमाम बड़ी कंपनियां जैसे सेल बोकारो, एसईसी, सिंदरी खाद फैक्ट्री इसी राज्य में लगी। इसके बाद भी समझ से परे है कि यहां के लोग भूमिहीन होने लगे, विस्थापित और बेरोजगार होने लगे। पलायन होने लगे। यह बहुत गंभीर विषय रहा है। हमने झारखंड राज्य के लिए लड़ाई लड़ी। तब देश में सामंती विचार के लोग राज्य आंदोलन के अग्रणी नेताओं पर कटाक्ष करते थे। कहते थे मांझी लोग राज्य ले पाएगा। ये लोग हंडिया दारू पीकर पेड़ के नीचे पड़ा रहेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लंबी लड़ाई लड़ी और असंभव को संभव कर दिखाया।

सरकार की ओर से उत्तर देते हुए सीएम हेमंत ने कहा कि भाजपा कहती है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने सरकार बनाई। ऐसा सही है। सरकार बनी पर राज्य के लोगों को हक नहीं मिला। राज्य के आंदोलन में कितनों से जान गंवाई। इस पीड़ा को हम समझ सकते हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि साल 2000 से 2019 तक इस राज्य को क्या मिला। उस समय (साल 2000 से 2019 तक) यहां हाथ में राशन कार्ड लेकर लोग भात-भात कर मर गए। किसानों ने आत्महत्या की। यह हाल भाजपा ने राज्य का कर डाला। साल 2019 में महागठबंधन की सरकार बनी। तब भी इन्होंने सरकार गिराने के लिए कौन से हथकंडे नहीं अपनाए।

उन्होंने कहा कि अभिभाषण में सब कुछ साफ है। यह सरकार प्रोजेक्ट बिल्डिंग से चलने वाली नहीं गांव से चलने वाली सरकार है। हम जिस तत्परता से पहले काम किए इस बार भी ऐसा ही करेंगे। जब तक गांव का विकास नहीं होगा तब तक राज्य का विकास नहीं होगा। झारखंड संघर्ष की ऊपज है। खून से सींचा गया राज्य है झारखंड। हमारा लक्ष्य साफ है। हर वर्ग के सपने को पूरा करेंगे। कहा कि 2019 में हमने राज्य के विकास की नींव डाली। अब बिल्डिंग बनाना है। मैं बोलने का इच्छुक नहीं काम कर के दिखाना चाहता हूं। राज्य अलग होने के बाद परिवर्तन दिखा है तो साल 2019 के बाद ही दिखा है। देश का पहला राज्य है जिसने मजदूरों के लिए कानून बनाया है।

दुकानदारों ने सीओ के खिलाफ दिया धरना

दुकान हटाने के नोटिस से आक्रोश दुकानदारों ने कहा-परिवार रोड पर आ जाएगा

लातेहार, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। लातेहार अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो ने बुधवार को नगर पंचायत क्षेत्र के सड़क किनारे दुकान लगाने वालों को 24 घंटे के अंदर दुकान हटाने का निर्देश दिया है। इससे फुटपाथ दुकानदार आक्रोशित हो गए और गुरुवार को अनुमंडल कार्यालय के पास धरना देकर इसका विरोध जताया। दुकानदार किरण चंद्रवंशी, महेश प्रसाद, दिनेश प्रसाद ने बताया कि सीओ द्वारा नोटिस देकर हम लोगों को 24 घंटे में दुकान हटाने का निर्देश दिया गया है। दुकान हट जाने से हम लोगों का रोजगार छीन जाएगा। परिवार के लोग सड़क पर आ जाएंगे। विभाग द्वारा फुटपाथ दुकान हटाने का मुख्य कारण सड़क दुर्घटना बताया गया है। जबकि हम लोग सड़क से काफी दूर रह कर अपनी दुकान चलाते हैं।

पुलिस ने 'रावण' का निकाला जुलूस

रायगढ़ में बदमाश बोला-अपराध करना पाप, कानून हमारा बाप, युवकों को नंगा कर पीटा था

रायगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में चार दिन पहले पिटाई का वीडियो सामने आया था। जिसमें बदमाश 'रावण' ने दो युवकों को नंगा कर पीटा था। अब पुलिस ने आरोपी बंटी साहू उर्फ रावण को गिरफ्तार कर जुलूस निकाला। बदमाश कह रहा है कि, अपराध करना पाप है, कानून हमारा बाप है। बताया जा रहा है कि, पुलिस ने गुरुवार को जूटमिल थाने से बदमाश का जुलूस निकालकर शहर की सड़कों पर घुमाया। बंटी साहू उर्फ रावण आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई भी हो चुकी है। पुलिस ने वायरल वीडियो से रावण गैंग के बदमाशों की पहचान की। मंगलवार को पकड़कर इनका भी जुलूस निकाला था। पुलिस ने जिन 9 बदमाशों को पकड़ा गया है। उसमें मालीडीपा निवासी आशीष यादव 36 साल, अभिकांत राज यादव 23 साल, मनोष सिदार 27 साल, रमन यादव 30 साल, श्याम यादव 36 साल हैं। इसके अलावा कबीर चौक नवापारा के रहने वाले बबलू साहू 22 साल, राजू साहू 28 साल, अम्बेडकर चौक चक्रधरनगर क्षेत्र निवासी राजा सारथी 25 साल, संदीप कुमार सारथी 34 साल शामिल हैं। पीड़ित रोमेश साहू ने बताया था कि, रावण ने उसे बातचीत करने के लिए ऑफिस बुलाया था। जब वो पहुंचा तो उसे कपड़े उतारने के लिए कहा, लेकिन रोमेश ने मना कर दिया। उसे डरा धमकाकर कैमरे के सामने उसे नंगा किया गया। बेल्ट से पीटने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी ने कहा कि तू बुलाने पर भी नहीं आता है। बहुत होशियार हो गया है। इस पर रोमेश ने माफी भी मांगी, लेकिन रावण उसे पीटने के नाम पर जमकर डराया धमकाया। वारदात के बाद रोमेश काफी डरा हुआ था। उसने अपने परिवार के लोगों को जानकारी दी। कुछ दिन तक पुलिस की कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित ने परिवार के साथ एसपी दिव्यांग पटेल से रावण के खिलाफ शिकायत की थी। इसके बाद कार्रवाई की गई। पीड़ित रोमेश साहू ने बताया था कि थाना में शिकायत करने पर उसके परिवार को फोन से मारने की धमकी दी जा रही है। घर आकर धमका रहा है। रात में किसी घटना के डर से परिचितों के घर जाकर सोने को मजबूर है। शिकायत को वापस लेने के लिए रिश्तेदारों को भी धमकी देने लगा। परिवार में दहशत का माहौल है।

दरअसल, सोमवार 9 दिसंबर को रावण के 2 वीडियो वायरल हुए थे। दोनों वीडियो में रावण अलग-अलग दिन युवकों से कपड़े उतरवाता है। उनको कैमरे के सामने नग्न करता है। इसके बाद फिर बेल्ट से पीठ पर मारता है। युवक चिल्लाने लगता है, लेकिन आरोपी पीटता रहता है।

पति पर एसिड अटैक, 10 दिन बंधक बनाकर पीटा

इंजेक्शन लगाकर जिंदा रखा, सूरजपुर में जमीन विवाद पर पत्नी, बहन-बहनोई ने किया किडनैप

सूरजपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में एक पत्नी ने अपने ही पति को एसिड से जला दिया। उसे 10 दिनों तक बंधक बनाकर रखा। जिंदा रखने के लिए रोज एक इंजेक्शन दिया जाता रहा। दूसरी पत्नी को जब यह पता चला तो उसने अपने परिचितों के साथ उसे मुक्त कराया और हास्पिटल पहुंचाया। मामला जनकपुर थाना क्षेत्र के कमलपुर गांव का है। शंखलाल अगरिया अपने परिवार के साथ यहां रहता है। 1 दिसंबर को पिता की मौत हो गई। इस दौरान उसकी दोनों बहनें, बहनोई और पहली पत्नी भी यहां आई थीं।

शंखलाल का कहना है कि पिता के अंतिम संस्कार के कार्यक्रम के जमीन का एक हिस्सा गिरवी रखकर 25 हजार रुपए उधार लिए। इससे दोनों बहनें और पहली पत्नी नाराज़ हो गई। बता दें कि शंखलाल की एक और पत्नी दूसरी जगह रहती है। शंखलाल ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा है कि 10 दिनों तक उसे इंजेक्शन दिया जाता रहा, ताकि भूख न लगे। रोज़ टार्चर करते थे। शंखलाल के मुताबिक जमीन की लड़ाई की वजह से उसे ये प्रताड़ना दी जाती रही। शंखलाल ने किसी तरह दूसरी पत्नी को फोन किया और बंधक बनाने की बात बताई। इसके बाद दूसरी पत्नी कुछ परिचित के लोगों को लेकर शंखलाल के घर पहुंची और उसे वहां से छुड़ाया। हास्पिटल में एडमिट कराया। डॉक्टरों के मुताबिक उसका ट्रीटमेंट चल रहा है। वो ठीक है। एसिट अटैक गले पर हुआ था, जिसका ट्रीटमेंट किया जा रहा है। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. हर्षवर्धन शर्मा ने बताया के शंखलाल को रेफर कर जिला अस्पताल में दाखिल किया गया है। उसके हाथों और पैरों में सूजन है।

एक्स-रे कराया जा रहा है। गले के पास की चमड़ी जली हुई है, जो संभवतः एसिड से जलाया गया है। इंजेक्शन देने के संबंध में जांच के बाद स्पष्ट कह पाएंगे।

एमबीबीएस में एडमिशन दिलाने 7 साल तक 35 लाख ठगे

धमतरी के युवक को दिल्ली तक नेटवर्क बिछाकर फंसाया, पिता ने ब्याज पर कर्ज लेकर दिए पैसे

रायपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस में एडमिशन दिलाने के बहाने 7 साल में 35 लाख की ठगी की गई है। छत्तीसगढ़ में धमतरी के एक युवक को दिल्ली तक नेटवर्क बिछाकर फंसाया गया। उसके पिता ने ब्याज पर कर्ज लेकर पैसे दिए। अब कर्ज में डूब गए हैं। लेकिन बेटे को मेडिकल में एडमिशन नहीं मिला। जिससे परेशान होकर युवक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मदद की गुहार लगाई है। वहीं, रायपुर के देवेंद्र नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

पीड़ित सूर्यकांत प्रजापति ने पुलिस को 4 पन्नों की शिकायत लिखकर दी है। जिसमें उसने बताया कि, 2016 में वो नीट कोचिंग के लिए भिलाई के सचदेवा कोचिंग सेंटर गया था। उसकी मुलाकात जांजगीर निवासी सलामुद्दीन शेख से हुई।

सलामुद्दीन ने 2017 में सूर्यकांत को बताया कि, वो उसका एडमिशन सरकारी मेडिकल कॉलेज में करवा देगा। सूर्यकांत ने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। 2018 में सलामुद्दीन फिर से उसे एडमिशन के लिए

उकसाने लगा। सलामुद्दीन ने सूर्यकांत, सिद्धार्थ चौधरी, शेखर श्रीवास्तव समेत 4 स्टूडेंट को एडमिशन दिलवाने के लिए किसी परिचित से मिलाने दिल्ली लेकर गया। उसने नई दिल्ली में भिलाई निवासी राघवेंद्र कुमार गुप्ता से मुलाकात करवाई। राघवेंद्र ने दिल्ली के रहने वाले दो मुकुल जैन और अनीश जैन से मुलाकात कराई। उन्होंने चारों स्टूडेंट का 30 लाख रुपए में एडमिशन करवा देने की बात कही। रकम ज्यादा होने की वजह से सभी युवक वापस आ गए।

2020 में सलामुद्दीन ने सूर्यकांत को कहा कि 5 लाख रुपए में उसका एडमिशन करवा देगा। सूर्यकांत ने 75 हजार फोन-पे के जरिए उसके खाते में भेज दिए। सलामुद्दीन ने कहा कि, लखनऊ में बैठा एक व्यक्ति एडमिशन का प्रोसेस कराएगा। परीक्षा करीब आते ही तुम्हारी जगह कोई और व्यक्ति एग्जाम दिलाएगा। उसके बाद उसने कुछ डॉक्यूमेंट ले लिए, जो परीक्षा में उपयोग होते हैं।

पीड़ित के मुताबिक, साल 2020-21 में नीट का रिजल्ट घोषित होते ही सलामुद्दीन ने कहा कि, 560 रैंक आया है। लेकिन उसने रिजल्ट नहीं दिखाया। कुछ दिन बाद सलामुद्दीन ने कहा कि, पुलिस को इसकी भनक लग गई है। एडमिशन कराने वाला व्यक्ति अंडरग्राउंड है। उसने पैसे वापस नहीं लौटाए। 2022 में सलामुद्दीन ने फिर सूर्यकांत को फोन कर पैसे वापस देने के बहाने भिलाई मिलने बुलाया। भिलाई में सलामुद्दीन ने राघवेंद्र कुमार गुप्ता से फिर मिलाया और कहा कि, तुम्हारा पैसा वापस हो जाएगा। इस साल तुम्हारा काम भी हो जाएगा। इसके बाद सलामुद्दीन और राघवेंद्र उसे फोन कर लगातार परेशान करने लगे। उन्होंने कुछ लोगों से फोन पर बात कर यह विश्वास दिलाया कि, इन स्टूडेंट का एडमिशन उन्होंने कराया है। सूर्यकांत को दोबारा लेकर दिल्ली चले गए। वहां उन्होंने मुकुल जैन और अनीश जैन से फिर मिलवाया। उन्होंने कहा कि, 35 लाख रुपए एडमिशन के लिए लगेंगे। इसके बाद सूर्यकांत वापस आ गया। उसने अपने पिता को ये बात बताई। सूर्यकांत के पिता ने उसे साफ मना कर दिया। लेकिन आरोपी उसे लगातार फोन पर उकसाते रहे। जिसके बाद घर वालों ने एडवांस के 5 लाख दे दिए। ठगों ने 5 लाख रुपए लेकर 3 मई 2023 को नीट परीक्षा दिलवाने और आगे की प्रक्रिया बताने के लिए तीसरी बार सूर्यकांत को दिल्ली ले गए। इस ट्रिप के पूरे खर्च को वापस देने की बात की गई। जिस वजह से सूर्यकांत ने फ्लाइट की 23 हजार की टिकट से लेकर दिल्ली में होटल बुकिंग तक सभी जगह पर पैसे पेमेंट किए। ये खर्च करीब चार लाख हुए।

शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ में 7 नक्सली ढेर

1 हजार से ज्यादा जवानों ने नक्सलियों को घेरा, फायरिंग जारी, अब-तक 215 मारे

जगदलपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बस्तर में अमित शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ के रेकावाया इलाके में सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया है। इनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। अभी भी दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही है। चार जिले के एक हजार से ज्यादा जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। इनमें नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर और कोंडागांव जिले की डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ की टीम शामिल है। बता दें कि, 1 जनवरी से अब तक 215 नक्सली मारे गए हैं।

विजय शर्मा ने पुलिस-नक्सली मुठभेड़ पर बयान दिया कि, कांग्रेस कार्यकाल के दौरान पिछले 5 सालों में जितने नक्सली मारे गए थे, उससे ज्यादा केवल साल भर में 220 नक्सली भाजपा की सरकार के दौरान मार गिराया गया है। 15 दिसंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर के दौरे पर रहेंगे। शाह के बस्तर दौरे से पहले फोर्स एक्टिव हो गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि माड़ इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर करीब 1 हजार से ज्यादा जवानों को ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। इसी बीच, गुरुवार तड़के सुबह 3 बजे जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि, जवानों से संपर्क कर रहे हैं जो भी जानकारी मिलेगी दी जाएगी।

इससे पहले बीजापुर में बुधवार की सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। जवानों ने एक माओवादी को ढेर कर दिया। वहीं, नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया, जिसमें डीआरजी के 2 जवान घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए बीजापुर जिला अस्पताल लाया गया। हालांकि, दोनों की स्थिति ठीक है। मामला जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र का है।

चर्च तोड़कर हनुमान मंदिर बनाएगा आदिवासी समाज

66 हजार लोगों का धर्मांतरण हुआ, मसीही समाज बोला- चर्च तोड़ेंगे तो न्यायालय की शरण लेंगे

जगदलपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में आदिवासी समाज चर्च तोड़कर हनुमान मंदिर या देवी-देवताओं की स्थापना करेगा। दावा है कि, 66 हजार लोगों का धर्म परिवर्तन हुआ है। सर्व आदिवासी समाज के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष राजा राम तोड़ेम ने कहा कि, अब बस्तर में बने चर्च को तोड़ा जाएगा। इस कार्रवाई के लिए एक चर्च चिन्हित भी किया गया है।

विश्व हिंदू परिषद और सर्व आदिवासी समाज के सदस्यों ने जगदलपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया से बातचीत की। राजाराम तोड़ेम ने बस्तर में धर्मांतरित हुए लोगों को चेताया है कि, वे मूल धर्म में लौट आएं। लोगों को बरगलाकर उनका मूल धर्म छुड़वाया गया। उन्हें ईसाई बनाया गया। उन्होंने

कहा कि, हमने धर्मांतरित कुछ लोगों से बातचीत की। जिनका कहना है कि उनकी बीमारी ठीक करने का दावा कर बस्तर में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हुआ है। वहीं, मसीह समाज के सदस्य नरेंद्र भवानी ने कहा कि, ये आरोप लगा है। चर्च तोड़ेंगे, तो न्यायालय की शरण लेंगे। राजा राम ने कहा कि, हमारे पास एक गोपनीय रिपोर्ट है। जिसके आधार पर बस्तर में पिछले कुछ सालों में 66 हजार लोगों का धर्म बदला गया है। पैसों के माध्यम से, बीमारी ठीक करने का हवाला देकर आदिवासियों का धर्म बदला गया । आजादी से पहले और बाद में इनकी संख्या ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि, हम कुछ ही दिनों के अंदर अब ग्राम सभा करेंगे। जिसमें चर्च को तोड़ने का फैसला लिया जाएगा। बस्तर पांचवीं अनुसूची वाला क्षेत्र है। यहां ईसाई मिशनरियों को घुसने नहीं देंगे। शासन-प्रशासन पर दबाव बनाकर कुछ दिन पहले अपने धर्म गुरु डॉ पॉल दिनाकरण का धार्मिक कार्यक्रम करवाने वाले थे। हम इसका विरोध करते हैं। बस्तर में धर्मांतरण न हो इसलिए सर्व आदिवासी समाज और विश्व हिंदू परिषद हमेशा रहेगा।

इस पर छत्तीसगढ़ युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष और मसीह समाज के सदस्य नरेंद्र भवानी ने कहा कि, ईसाइयों पर जबरदस्ती धर्मांतरण करवाने का आरोप लगाया गया है, जो गलत है। भाजपा की सरकार है, जबरदस्ती किसी का धर्म बदला गया है, तो इस मामले की जांच करवाएं। छत्तीसगढ़ में मध्यप्रदेश के समय से धर्मांतरण कानून लागू है। जिसका नियमानुसार लोग पालन कर रहे हैं या नहीं ये वे लोग ही जाने। किसी ने अपना धर्म नहीं छोड़ा है। लेकिन ये बात सत्य है कि लोग विश्वास कर चर्च जरूर जा रहे हैं। चर्च जाने वाला व्यक्ति मजार भी जा रहा है और अन्य धर्म के कार्यक्रम में भी शामिल हो रहा है। चर्च तोड़ने की बात की गई है।

महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर के साथ पं. प्रदीप मिश्रा

दुबई बुलाकर कराई कथा, भूपेश बोले- डबन इंजन का हाथ, महादेव ऐप के साथ

रायपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दुबई में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा में महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल नजर आए। कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने सौरभ चंद्राकर को भाई कहा और आयोजन के लिए उनके परिवार का धन्यवाद भी किया। इस दौरान सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने कथावाचक मिश्रा पर फूल बरसाए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने x कर केंद्र और राज्य सरकार पर महादेव ऐप को लेकर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक जनता को बताना चाहिए कि सौरभ चंद्राकर गिरफ्तार नहीं हुआ है। झूठ बोलने के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। प्रदीप

मिश्रा ने पहली बार भारत के बाहर जाकर कथा वाचन किया। दुबई के ली मेरिडियन होटल एंड कॉन्फ्रेंस सेंटर रोड गरहौद में 9 दिसंबर से 11 दिसंबर तक आयोजित इस कथा को महादेव सट्टा ऐप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और उसके परिवार ने आयोजित किया था। इस पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्र और राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि अब डबल इंजन की सरकार है, डबल इंजन की सरकार क्या कर रही है? सिर्फ मीडिया में बयान देने से डबल इंजन की सरकार नहीं हो जाती। इनके पास सारी ताकत है, फिर भी कुछ नहीं कर रहे। ये वीडियो दुबई के ले मेरेडियन होटल एंड कॉन्फ्रेंस सेंटर एयरपोर्ट रोड के गरहौद का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में सौरभ चंद्राकार अपने परिवार के साथ बैठे हुए नजर आया। वहीं रवि उप्पल कथावचक से मिलते दिखा। इस दौरान रवि उप्पल ने फूल बरसाने के बाद पंडित प्रदीप मिश्रा के पैर भी छुए। प्रदीप मिश्रा ने उसे उठाकर आशीर्वाद दिया। पंडित प्रदीप मिश्रा को सुनने दुबई में भी भारी भीड़ रही। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि होटल भीड़ बढ़ गई थी। भीतर लोग सुन रहे थे उससे तीन गुना ज्यादा लोगों को वापस लौटाया गया। बता दें कि 11 अक्टूबर को खबर आई थी कि दुबई में महादेव सट्टा ऐप का संचालन करने वाले सौरभ चंद्राकर को इंटरपोल के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया है।

गया के महाबोधि मंदिर को उड़ाने की धमकी

गैंगस्टर प्रिंस ने वीडियो जारी कर कहा- मेरा इसमें हाथ नहीं

धनबाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गया के महाबोधि मंदिर को उड़ाने की धमकी के मामले में एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ। उसमें धनबाद स्थित वासेपुरा का भगोड़ा गैंगस्टर प्रिंस खान किसी के साथ बैठा दिख रहा है। बैकग्राउंड से संभवतः उसी की आवाज आ रही है। उसमें वह कह रहा है कि उसने मंदिर को उड़ाने की धमकी नहीं दी है। यह उसके परिवार को परेशान करने की विरोधियों की साजिश है। धमकी का जो पत्र भेजा गया है, उससे उसका कोई लेना-देना नहीं है। उसने कहा कि वह आतंकी नहीं है। अपने गुर्गे सैफी का बचाव करते हुए कहता है कि वह अपराधी नहीं है। सिर्फ उसका बिजनेस संभाल रहा है।

भगवान बुद्ध की तपोभूमि और बौद्ध धर्मावलंबियों के आस्था का सबसे प्रमुख तीर्थस्थल बोधगया के महाबोधि मंदिर को बम से उड़ा देने की धमकी दी गई है। मंदिर उड़ाने की धमकी भरा पत्र डाक के माध्यम से बीटीएमसी भेजा गया है। यह पत्र झारखंड के गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम से आया है। धमकी भरा पत्र मिलते ही पुलिस इसकी गंभीरता से जांच में जुट गई है। वहीं, मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उधर, गया पुलिस मंगलवार को धनबाद के वासेपुर स्थित गैंगस्टर के घर पहुंची। लेकिन वहां प्रिंस खान नहीं मिला। जांच में उसके मोबाइल लोकेशन दुबई में मिल रहा है। बोधगया थाना को सूचना मिली कि प्रबंधक महाबोधि मंदिर प्रबंधन समिति को डाक के माध्यम से एक धमकी भरा पत्र प्राप्त हुआ है। इसके बाद सिटी एसपी प्रेरणा कुमार द्वारा इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीपीओ बोधगया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। महाबोधि मंदिर, बिहार के बोधगया में स्थित एक प्राचीन बौद्ध मंदिर है। यह मंदिर, फल्गू के किनारे बना है। माना जाता है कि इसी जगह पर गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यह मंदिर, भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े चार पवित्र स्थलों में से एक है। इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

7 जुलाई, 2013 को आतंकवादियों ने महाबोधि मंदिर और बोधगया के आसपास के तीर्थस्थलों पर विस्फोट किए थे। 30 मिनट में 9 विस्फोट किए गए थे। इस हमले में दो भिक्षु सहित 5 लोग घायल हुए थे। बोधगया को दोबारा दहलाने की साजिश 19 जनवरी 2019 को की गई थी।

डकैती का मास्टरमाइंड निकला हाइवा चालक

जिस कंपनी में चलाता था गाड़ी, वहीं कराई डकैती, 7 गिरफ्तार

जमशेदपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर से सटे कमलपुर थाना क्षेत्र के बनकुंचिया स्थित मां तारा कंस्ट्रक्शन कंपनी में शनि-रविवार की रात हुई डकैती कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस घटना में शामिल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। डकैती का मास्टरमाइंड सनातन तांती इसी कंपनी में हाइवा ड्राइवर था और उसने ही यह साजिश रची थी। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में सरायकेला-खरसावां जिले के चौका निवासी सनातन तांती उर्फ सोनू, तमाड़ निवासी संदीप कुमार, प्रकाश महतो, अशोक महतो, उमेश कुमार महतो, अड़की थाना क्षेत्र निवासी गांगू मुंडा उर्फ गूंगा मुंडा और उमेश कुमार महतो शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार, एक कार, लूटे गए 1.20 लाख रुपये और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। एसएसपी किशोर कौशल ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में जानकारी दी कि इस घटना का मास्टरमाइंड सनातन तांती अपने साथियों के साथ मिलकर डकैती की योजना बनाई। घटना के दिन प्रकाश और गांगू हथियार लेकर आए, जबकि अशोक महतो कार लेकर मौके पर पहुंचा। चार आरोपी संदीप, प्रकाश, गांगू और अशोक कंस्ट्रक्शन कंपनी के परिसर में घुसे और वारदात को अंजाम दिया। वहीं, उमेश बाहर निगरानी कर रहा था। पुलिस जांच में पहले सनातन को पकड़ा गया।

जेपीएससी का नया अध्यक्ष कौन

दो आईएएस, एक आईपीएस के नाम की चर्चा, पांच महीने से पद रिक्त, 1692 नियुक्तियां अटकी

रांची, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड लोकसेवा आयोग की पहली महिला अध्यक्ष डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा को रिटायर हुए पांच महीने हो चुके हैं। तब से लेकर अब तक पूरा लोकसेवा आयोग ठप्प पड़ा हुआ है। जिस आयोग को लगभग हर महीने नियुक्ति के लिए रिजल्ट जारी करना था, वह बीते पांच महीने से लगभग 17 सौ नियुक्तियों की लिस्ट थामे बैठी हुई है। स्थिति यह है कि सिविल सेवा से लेकर विभिन्न तरह के 19 नियुक्तियां अटकी पड़ी हैं।

जेपीएससी में फिलहाल तीन सदस्य हैं। प्रो अजिता भट्टाचार्य, प्रो अनिमा हांसदा और प्रो जमाल अहमद। अगर नई नियुक्ति करने में सरकार को परेशानी है, तो इनमें से किसी को वरीयता के आधार पर जेपीएससी अध्यक्ष का प्रभार दे सकती है। पहले में भी ऐसा किया जा चुका है। अध्यक्ष का प्रभार मिलने से रिजल्ट प्रकाशन, इंटरव्यू और परीक्षाएं ली जा सकेंगी। पांच महीने से रिक्त पद को लेकर तमाम तरह की चर्चा चल रही है। सूत्र बता रहे हैं कि 22 अगस्त 2024 को रिक्त हुए आयोग अध्यक्ष पद पर दो आईएएस और एक आईपीएस को बैठाया जा सकता है। नए अध्यक्ष के लिए दो आईएएस में पूर्व मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते और प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का के नाम की चर्चा है। जबकि एक आइपीएस के नाम पर भी बात चल रही है। हालांकि अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री को लेना है। अभी इन नामों पर विचार चल रहा है। जेपीएससी में अध्यक्ष का पद पांच महीने से रिक्त है, यह मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा है। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ. एसएन पाठक की पीठ में राज्य में सिविल सेवा परीक्षा का परिणाम जारी करने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की गई है। जिस पर सुनवाई करते हुए सरकार को जेपीएससी के अध्यक्ष का पद यथाशीघ्र भरने का निर्देश दिया। ऐसे में उम्मीद है कि आयोग को जल्द ही अध्यक्ष मिल जाएगा।

सेवानिवृत होने के बाद मीडिया को दिए साक्षात्कार में डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा ने कहा था कि आयोग में जितना सहयोग मिलना चाहिए था, नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि आयोग की छवि सुधारनी है, तो सबसे पहले 2001 में बनी नियमावली में बदलाव लाना होगा।

साउथ कोरियाई प्रेसिडेंट बोले- मार्शल लॉ कानूनी फैसला था

लोकतंत्र बचाने के लिए संसद में सैनिक भेजे, इमरजेंसी लगाई, यह विद्रोह नहीं

सियोल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति यून सुक योल ने गुरुवार को टीवी पर संबोधन दिया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे पद से नहीं हटेंगे और महाभियोग लगाए जाने के खिलाफ अंत तक लड़ते रहेंगे। यून ने कहा कि संसद में सैनिकों को भेजना विद्रोह नहीं है। लोकतंत्र को खत्म होने से रोकने और संसद में विपक्ष की तानाशाही का मुकाबला करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ लगाने का फैसला लिया। यह पूरी तरह से कानूनी था।

यूं ने विपक्ष पर सरकार के कामकाज को रोकने का आरोप लगाया। दरअसल मार्शल लॉ मामले के बाद साउथ कोरिया में राष्ट्रपति ने 673.3 ट्रिलियन वॉन

(करीब 40 लाख करोड़ रुपए) का बजट पारित करने की कोशिश की, लेकिन मुख्य विपक्षी दल ने इसमें कटौती कर दी। विपक्ष के इस कदम से नाराज राष्ट्रपति ने कहा कि देश की विपक्षी पार्टी लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है। साउथ कोरिया में विपक्षी पार्टी ही बहुमत में है।

संसद में 300 सीटों में से मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया (डीपीके) को 171 सीटें मिली हुई हैं।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर की रात देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। हालांकि, भारी विरोध के बाद उन्होंने 6 घंटों के भीतर ही अपना फैसला वापस ले लिया था। यून के इस कदम के बाद दक्षिण कोरिया में उनका काफी विरोध हो रहा है उन्हें पद से हटाए जाने की भी कोशिशें हो रही हैं।

राष्ट्रपति की ही पार्टी के नेता अब उन्हें हटाने में जुट गए हैं। सत्ताधारी पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) के महासचिव हान डोंग-हुन ने गुरुवार को कहा कि लोकतंत्र सुरक्षित रहे इसके लिए राष्ट्रपति का हटना जरूरी है।

राष्ट्रपति को हटाने के लिए फिर से प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

पिछली बार शनिवार को राष्ट्रपति यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। लेकिन जरूरी 200 सांसदों का इसे समर्थन नहीं मिल पाया था। इसे लेकर हान ने कहा कि पिछली बार कई सांसद राष्ट्रपति को हटाने और न हटाने को लेकर भ्रम में पड़ गए थे और उन्होंने वोटिंग नहीं की थी। अब ये भ्रम की स्थिति दूर होनी चाहिए। हान ने कहा कि इसे रोकने का एक ही तरीका ये है कि हर सांसद संसद भवन में आए और अपने विवेक के आधार पर वोट डाले।

साउथ कोरिया में विपक्षी पार्टी डीपीके राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए दूसरी बार महाभियोग प्रस्ताव ला सकती है। यह प्रस्ताव शनिवार को लाया जा सकता है।

अमेरिका ने नहीं दीं खालिस्तानी आतंकी पन्नू की डिटेल्स

भारत ने मांगे थे फोन नंबर-बैंक डिटेल, अमेरिकी पुलिस ने कानून का हवाला दिया

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की बैंक डिटेल और फोन नंबर की जानकारी देने से इनकार कर दिया है। इंडियन एक्सप्रेस को एक सूत्र ने बताया कि भारत की नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने अमेरिकी पुलिस से ये जानकारी मांगी थी, लेकिन कानून का हवाला देते हुए मना कर दिया गया। यह मामला 14 अगस्त 2020 में पंजाब के मोगा में जिला प्रशासन परिसर के ऊपर कथित तौर पर खालिस्तानी झंडा फहराने से जुड़ा है। स्वंतत्रता दिवस की पूर्व संध्या के मौके पर 2 लोगों ने सिक्योरिटी को तोड़कर डिप्टी कमिश्नर के ऑफिस के ऊपर खालिस्तानी झंडा फहरा दिया।

इस दौरान तिरंगे का भी अपमान किया गया। यह सब सीसीटीवी में कैद हो गया। एनआईए को शक है कि यह पन्नू के इशारे पर किया गया था। इसके बाद 5 सितंबर 2020 को एनआईए ने पन्नू पर कई धाराओं

में केस किया। इसके बाद भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी अधिकारियों से संपर्क किया। आतंकी पन्नू लगातार देश को तोड़ने की धमकियां दे रहा है। पन्नू ने बीते महीने पहले एयर इंडिया में सफर ना करने की बात कही। वहीं अमृतसर और चंडीगढ़ एयरपोर्ट को ब्लॉक करने के लिए भी पंजाब के युवाओं को उकसाने का प्रयास किया था।

पन्नू ने कहा था- "नवंबर में 1984 में हुए सिख दंगों की 40वीं बरसी है। 1984 में 13 हजार से अधिक सिख, महिलाओं और बच्चों को मार दिया गया। आज भी दिल्ली में विधवा कॉलोनी है। ये पूरी घटना भारतीय हुकूमत द्वारा की गई थी। विदेशों में यात्रा करने वाले लोग 1 से लेकर 19 नवंबर तक एअर इंडिया का बायकॉट करें।" पन्नू ने पायलट्स को धमकाया कि बोर्ड पर संदिग्ध बम हो सकता है।

2019 में सिख फॉर जस्टिस पर बैन लगाया

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने 10 जुलाई 2019 को एसएफजे (सिख फॉर जस्टिस) को उसकी गतिविधियों के लिए यूएपीए के तहत एक गैरकानूनी संगठन के रूप में प्रतिबंधित कर दिया। 1 जुलाई 2020 को पन्नू को भारत सरकार द्वारा व्यक्तिगत आतंकवादियों की सूची में शामिल किया गया।

एनआईए ने सितंबर 2019 में पन्नू के खिलाफ पहला मामला दर्ज किया। 29 नवंबर 2022 को उसे पीओ घोषित किया गया। 2023 में, एनआईए ने अमृतसर और चंडीगढ़ में पन्नू के घर और जमीन को जब्त कर लिया। 3 फरवरी 2021 को एनआईए की विशेष अदालत द्वारा पन्नू के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए।

एसएफजे और पन्नू के खिलाफ भारत में 12 मामले दर्ज हो चुके हैं। इनमें पंजाब में देशद्रोह के 3 मामले भी हैं। पंजाब पुलिस द्वारा तैयार किए गए डोजियर में एसएफजे द्वारा कई वर्षों से सोशल मीडिया पर विभिन्न अलगाववादी पोस्ट के बारे में जानकारी दी गई थी। इनमें वह आतंकियों का समर्थन करता था।

पन्नू सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है। वह पंजाबी भाषा में ऑडियो और वीडियो संदेश जारी करता है। इसमें वह पंजाबी युवाओं को भारत के खिलाफ भड़काता है। पैसे का लालच देकर पंजाब-हरियाणा में सरकारी बिल्डिगों में खालिस्तान का झंडा लगवा चुका है। इसके अलावा हाल ही में जी20 मीटिंग के दौरान वह दिल्ली में मेट्रो स्टेशन पर खालिस्तानी नारे भी लिखवा चुका है।

संगमरमर के शेर, सोने के पंख वाला देवता

ग्रीस में मिली हजारों साल पुरानी इमारत, अंदर की चीजें देख एक्सपर्ट हैरान

एथेंस, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रीस में पुरातात्विक खुदाई में एक प्राचीन भव्य इमारत के अवशेष मिले हैं। इस इमारत में संगमरमर के शेरों की मूर्तियां और सोने की कलाकृतियां हैं। खुदाई में मिली चीजों में सोने के पंखों वाली मूर्ति भी है, जिसे प्राचीन यूनानी देवता माना जा रहा है। ये जगह ग्रीस के एजियो शहर से पांच मील दक्षिण-पश्चिम में है, जहां खोज हुई है। एजियो पेलोपोन्नीस प्रायद्वीप पर एक शहर है। ग्रीस के संस्कृति मंत्रालय का कहना है कि खोज अचिया क्षेत्र के एक प्राचीन शहर से जुड़ी हुई है। न्यूज वीक की रिपोर्ट के मुताबिक, ये खुदाई और रिसर्च मुख्य रूप से एक इमारत पर केंद्रित करते हुए की जा रही है, जिसे ग्रीक अक्षर गामा से दर्शाया जाता है। यह इमारत 300 ईसा पूर्व से पहले की है। पुरातत्वविदों ने विभिन्न पत्थरों के ब्लॉक और स्तंभों के सबूतों का पता लगाया। उन्होंने ढांचे के दक्षिणी हिस्से के 55 फुट लंबे किनारे का भी खुलासा किया है। इमारत से मिले सबूतों से पता चलता है कि यह ढांचा प्राचीन बस्ती के 'हीरोन' का प्रतिनिधित्व करता है। हीरोन एक नायक को समर्पित मंदिर होता था। हीरोन आमतौर पर पूजा और श्रद्धा का स्थान होता था। यहां ग्रीक पौराणिक कथाओं या स्थानीय किंवदंती के नायक को सम्मानित किया जाता था। ये आमतौर पर उस जगह पर बनाए जाते थे, जो नायक से जुड़ी मानी जाती थी। इन मंदिरों में पंथ की मूर्तियां रखी जा सकती थीं और अनुष्ठानों के लिए इस जगह का इस्तेमाल किया जाता था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस स्मारक के अंदर शोधकर्ताओं को कई कब्रें और एक ताबूत मिला है। इसमें विशेष तौर पर शेर के सिर वाली सोने की बालियां मिलीं। पंखों वाले इरोस की आकृति वाली सोने की बाली भी मिली है। इसके दाहिने हाथ में एक राजदंड और बाएं हाथ में एक फूलों का हार है। इरोस को रोमन पौराणिक कथाओं में कामदेव के रूप में जाना जाता है। ये प्रेम और इच्छा का प्राचीन ग्रीक देवता था।

इसे अक्सर धनुष और बाण वाले पंखों वाले युवा के रूप में चित्रित किया जाता था। इमारत के सामने के हिस्से को ढकने वाले मलबे के नीचे, शोधकर्ताओं ने कई शेरों की मूर्तियों के अवशेषों की भी पहचान की। ये सभी पेंटेलिक संगमरमर से बनी थीं। पेंटेलिक संगमरमर एक प्रकार का सफेद संगमरमर है। इसका उत्खनन ग्रीस के एटिका में माउंट पेंटेलिकॉन की ढलानों से किया जाता है।

इमरान खान और बुशरा बीबी की मुश्किलें नहीं हो रही कम

अदालत ने तोशाखाना 2.0 मामले में ठहराया दोषी

इस्लामाबाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक अदालत ने गुरुवार को दूसरे तोशाखाना मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को दोषी ठहराया है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में सुनवाई की अध्यक्षता करने वाले विशेष न्यायालय के न्यायाधीश शाहरुख अर्जुमंद ने उनके खिलाफ आरोप तय किए। तोशाखाना 2.0 के नाम से भी जाना जाने वाला यह मामला शुरू में पाकिस्तान की राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की तरफ से दायर किया गया था। हालांकि, एनएबी संशोधनों के मद्देनजर, संघीय जांच एजेंसी ने मामले को अपने हाथ में ले लिया और सितंबर में चालान दाखिल किया। तोशाखाना मामले में इमरान खान और बुशरा बीबी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप शामिल हैं, विशेष रूप से विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से उपहारों की बिक्री के संबंध में।

ईरान ने 30 यहूदियों से कराई इजराइल की जासूसी, गिरफ्तार

न्यूक्लियर साइंटिस्ट को मारना चाहते थे, सैन्य ठिकानों की जानकारी भी जुटाई

तेहरान/ तेल अवीव, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में इजराइल ने 30 यहूदी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये 9 स्लीपर सेल बनाकर ईरान के लिए जासूसी कर रहे थे। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इन्होंने इजराइल के सैन्य ठिकानों और एयर डिफेंस सिस्टम के बारे में जानकारी जुटाई थी। जासूसी के आरोप में 30 यहूदियों की गिरफ्तारी से इजराइल की सुरक्षा एजेंसी मोसाद और शिन बेत को बड़ा झटका लगा है। इजराइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेत के मुताबिक स्लीपर सेल का टारगेट एक इजराइली परमाणु वैज्ञानिक और सेना के पूर्व अधिकारी थे। इसके अलावा इसमें सेल में शामिल कुछ लोगों ने इजराइली सेना के ठिकानों और एयर डिफेंस के बारे में भी जानकारी इकट्ठा की थी। रॉयटर्स के मुताबिक इजराइल के लिए यहूदियों की गिरफ्तारी होना चिंता का विषय है। इजराइली

पुलिस और सुरक्षा एजेंसी शिन बेत ने बताया कि जासूसी के आरोप में एक बाप-बेटे की जोड़ी भी गिरफ्तार हुई है। जिनसे पूछताछ में पता चला कि इन्होंने सीरिया बॉर्डर से लगते गोलान हाइट्स में इजराइली सेना की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी है। करीब 1800 किमी में फैले गोलान हाइट्स पहाड़ी इलाका है, इसका एक तिहाई हिस्सा इजराइली सेना की निगरानी में है। ऐसे में यह इजराइल में बड़ी सुरक्षा चूक माना जा रहा है। शिन बेत के मुताबिक पहले ईरान के जिस तरह के जासूस गिरफ्तार होते थे उनमें ज्यादातर दीवारों पर नेतन्याहू के विरोध में पोस्टर लगाते थे, सरकार विरोधी बातें लिखते थे।

इजराइल की सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक ईरानी खुफिया एजेंसियों ने बीते दो सालों में इजराइल के खिलाफ सीक्रेट जानकारी के बारे में पता लगाने और पैसे के बदले हमले करने के लिए इजराइली लोगों की भर्ती करने की कोशिश की जिसके बाद इजराइल ने इन आरोपियों को अरेस्ट किया है। इजराइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के पूर्व अधिकारी शालोम बेन हनान ने यहूदी नागरिकों के जासूसी के आरोप में गिरफ्तारी पर हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ी घटना है। आरोपियों ने जानबूझकर खुफिया जानकारी जुटाई और अपने ही देश में उपद्रव फैलाने के लिए पैसे लेकर ईरान के लिए काम किया। इजराइल की स्थापना यहूदी लोगों के लिए की गई थी। ऐसे में अगर कोई यहूदी इजराइल के सबसे बड़े दुश्मन ईरान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार होता है तो यह इजराइल की सुरक्षा के लिए चिंताजनक है।

चचेरे भाई-बहन की शादी बैन करने की मांग

सांसद ने कहा कि इससे आनुवांशिक बीमारियां बढ़ रहीं, भारतवंशी सांसद ने विरोध किया

लंदन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक कंजर्वेटिव नेता ने संसद में चचेरे भाई-बहनों के बीच शादी पर रोक लगाने की मांग की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक रिचर्ड होल्डन ने बुधवार को प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि चचेरे भाई-बहनों के बीच शादियों से हुए बच्चों में बीमारियां और विकलांगता का खतरा बहुत बढ़ गया है। यह पब्लिक हेल्थ सिस्टम को प्रभावित कर रहा है।

सांसद ने ऑक्सफोर्ड जर्नल ऑफ लॉ एंड रिलीजन शोध का हवाला देते हुए कहा कि इन शादियों से होने वाले बच्चों में सामान्य बच्चों की तुलना में आनुवांशिक बीमारियां होने का खतरा दोगुना ज्यादा होता है। यह प्रथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

होल्डन ने कहा कि आधुनिक ब्रिटिश समाज के लिए यह प्रथा बिल्कुल भी सही नहीं है। देश के लिए चिंताजनक स्थिति पैदा हो

गई है, क्योंकि उनके दादा-दादी के वक्त की तुलना में अब हालात ज्यादा खराब हो चुके हैं। हालांकि, पिछले कुछ साल से इसमें गिरावट आ रही है, क्योंकि कुछ युवा इस सिस्टम को नहीं मान रहे हैं, लेकिन फिर भी इस पर रोक लगाना जरूरी है।

होल्डन ने कहा कि ब्रिटेन में कुछ प्रवासी समुदाय, जैसे कि ब्रिटिश-पाकिस्तानी और आयरिश ट्रैवलर्स में चचेरे भाई-बहनों के बीच विवाह दर ज्यादा है। इनमें करीब 40% शादियां फर्स्ट कजन (चचेरे भाई-बहनों) के बीच होती हैं।

सांसद ने कहा कि दुनियाभर में करीब 10% शादियां चचेरे भाई-बहनों में होती है। अफ्रीका के सहारा रीजन में 35 से 40 फीसदी लोग चचेरे भाई-बहनों में शादी करते हैं। मिडिल ईस्ट और साउथ एशिया में भी यह कल्चर बेहद आम है। पाकिस्तान के कुछ हिस्से में तो यह 80% पहुंच चुकी है। ब्रिटेन में भाई-बहन, माता-पिता या फिर अपने ही बच्चे से विवाह पर बैन है, लेकिन चचेरे भाई-बहनों के बीच शादियों को लेकर वहां कोई कानून नहीं है। होल्डन के प्रस्ताव पर कई कंजर्वेटिव साथियों का साथ मिला। हालांकि, सरकार के समर्थन के बिना यह कानून बनना संभव नहीं है।

भारतीय मूल के सांसद बोले- बैन समाधान नहीं, जागरूकता बढ़ाएं

निर्दलीय ब्रिटिश सांसद इकबाल मोहम्मद ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने संसद में कहा कि चचेरे भाई-बहनों की शादियों पर प्रतिबंध लगाना सही नहीं है। गुजराती मूल के सांसद ने कहा कि इस परेशानी को जागरूकता से ही दूर किया जा सकता है।

इकबाल मोहम्मद मूल रूप से गुजरात के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उप-सहारा अफ्रीकी आबादी का 35 प्रतिशत से 50 प्रतिशत हिस्सा तो चचेरे भाई-बहन की शादी को पसंद करते हैं। यह मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में बेहद आम है। मोहम्मद ने कहा कि चचेरे भाई-बहनों में शादियां बहुत आम है, क्योंकि इससे पारिवारिक बंधन बनाने में, पारिवारिक संपत्ति सुरक्षित रखने में मदद मिलती है।

इस्लाम, सीरिया, अफ्रीका, दुनिया में नया साम्राज्य खड़ा करना चाहते हैं तुर्की के 'सुल्तान' एर्दोगन

अंकारा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। तुर्की पर दुनिया का ध्यान एकाएक बढ़ गया है। इसकी वजह सीरिया में असद परिवार के पांच दशक पुराने शासन का खत्म होना है। सीरिया में हुए सत्ता परिवर्तन में तुर्की की अहम भूमिका है। कमजोर अर्थव्यवस्था और घरेलू अशांति के बावजूद तुर्की वैश्विक भूराजनीति में बड़ी भूमिका निभा रहा है। उत्तरी अफ्रीका में लीबिया, भूमध्य सागर में साइप्रस, सीरिया और उत्तरी इराक से लेकर आर्मेनिया और अजरबैजान तक तुर्की ने अपना प्रभाव दिखाया है। तुर्की ने हालिया वर्षों में दुनियाभर में अपने रणनीतिक निशान छोड़े हैं। ऐसा कर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन खुद को सुन्नी दुनिया के नेता के तौर पर दिखा रहे हैं। साथ ही वह 'ग्रेटर तुर्की' के पुनरुत्थान की बात कह रहे हैं।

यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट कहती है कि तुर्की की सर्व-इस्लामी और नई तुर्क विचारधारा पश्चिम एशिया, पूर्वी भूमध्यसागरीय दुनिया, उत्तरी अफ्रीका, पाकिस्तान, दक्षिण-पश्चिमी चीन और मलेशिया तक महसूस की जा रही है। सीरिया और इराक में तुर्की की भागीदारी छिपी नहीं है। एर्दोगन ने खुद एख बयान में कहा था सीरिया में इदलिब, हमा, होम्स, के बाद दमिश्क टारगेट है। सऊदी अरब कई वर्षों तक इस्लामी दुनिया का अगुआ रहा है। पिछले दो दशकों के दौरान तुर्की ने दुनियाभर में सर्व-इस्लामवाद में सऊदी अरब का स्थान लेने की कोशिश की है। तुर्की लैटिन अमेरिका से लेकर यूरोप, अफ्रीका और एशिया तक मस्जिदों के निर्माण का वित्तपोषण कर रहा है। तुर्की इमाम हतीप की विचारधारा के जरिए धार्मिक शिक्षा का अंतरराष्ट्रीय केंद्र भी बना रहा है। इन कदमों के जरिए तुर्की खुद को 'सुन्नी वर्ल्ड' के लीडर के तौर पर स्थापित कर रहा है। साल

खलीफा का प्लान

2016 में रिज प्रांत में रेसेप तईप एर्दोगन विश्वविद्यालय में बोलते हु एर्दोगन ने तुर्की की नव-तुर्क महत्वाकांक्षाओं को उजागर करते हुए कहा था कि हम सीमाएं नहीं खींचने की अनुमति नहीं देते हैं। एर्दोगन ने 1923 की लॉजेन संधि की आलोचना की है, जिसने आधुनिक तुर्की की सीमाओं को तय किया था। एर्दोगन का कहना है कि 1914 में 2.5 मिलियन वर्ग मीटर का तुर्की लॉजेन संधि से घटकर 780 हजार वर्ग मीटर हो गया। हम इसे स्वीकार नहीं करते। ये स्वीकार करना सेल्जुक और ओटोमन अतीत को भुला देना है। ऐसा कर वह फिर से ऑटोमन साम्राज्य खड़ा करने का संकेत भी दे रहे हैं। तुर्की का सरकारी मीडिया अक्सर ऐतिहासिक तुर्की के नक्शे को दिखाता है। इसमें उत्तरी सीरिया, इराक, आर्मेनिया, जॉर्जिया, साइप्रस और ग्रीस के कुछ हिस्से शामिल हैं।

तुर्की की राजनीति में एर्दोगन का उदय निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण बदलाव की वजह बना है। एर्दोगन के बाद एक तरफ तुर्की ने घरेलू सैन्य-औद्योगिक परिसर विकसित किया है।

सीरिया में विद्रोहियों ने बशर के पिता की कब्र जलाई

दमिश्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में विद्रोही लड़ाकों ने राष्ट्रपति बशर अल असद के पिता और पूर्व राष्ट्रपति हाफिज अल-असद की कब्र जला दी है। ये कब्र सीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाके लटाकिया के करदाहा में थी। करदाहा असद परिवार का पैतृक गांव है। बशर के पिता हाफिज 1971 से 2000 तक सीरिया के राष्ट्रपति थे। हाफिज ने 1982 में हमा में हजारों लोगों का नरंसहार किया था। 29 साल तक सीरिया का राष्ट्रपति रहने के बाद 2000 में हाफिज की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। हाफिज की मौत के बाद उनके छोटे बेटे बशर को देश का नया राष्ट्रपति बनाया गया था। सीरिया में 8 दिसंबर को विद्रोही लड़ाकों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। इसके चलते राष्ट्रपति बशर ने देश छोड़कर रूस में शरण ले ली थी। बशर के देश छोड़ने के साथ ही सीरिया पर 54 साल से चला आ रहा असद परिवार का राज खत्म हो गया था। अंतरिम प्रधानमंत्री बशीर ने इटली के एक अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा कि देश में सभी लोगों को धार्मिक अधिकारों की गारंटी दी जाएगी। बशीर ने विदेशों में रह रहे सीरियाई नागरिकों से वापस देश लौटने की अपील भी की है। बशीर ने कहा कि सीरिया अब एक आजाद मुल्क है जिसने अपनी प्रतिष्ठा और गौरव वापस हासिल कर ली है। नागरिक देश लौट आएं। बशर अल-असद ने देश छोड़ने के बाद विद्रोहियों को शांतिपूर्वक सत्ता सौंपने का ऐलान किया था। विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) ने सत्ता पर काबिज होने के बाद मोहम्मद अल-बशीर को सीरिया का अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया है।

सीरिया के बाद अब जार्डन के नेताओं को सता रहा है डर

ईरानी हमले में बन गया था ढाल, यहूदी देश की करी थी रक्षा

अम्मान, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया के बाद जॉर्डन के नेताओं को डर है कि उनका देश इसी तरह के तख्तापलट का शिकार हो सकता है। यह डर की वजह ये है कि 1.15 करोड़ की आबादी वाले जॉर्डन में करीब 60 फीसदी फिलिस्तीनी हैं और 13 लाख सीरियाई शरणार्थी हैं। इनमें से कुछ पर सीरियाई सरकार के लिए जासूसी करने का शक है, जिन पर गुप्त निगरानी रखी जा रही है। वहीं घरेलू इस्लामिक आंदोलन के लोग भी अपनी नाराजगी दिखाते रहे हैं और ईरान ने भी गुस्सा दिखाया है। इजरायली वेबसाइट वायनेट ने अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया है। पश्चिम एशिया में जॉर्डन को इजरायल का सबसे भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है।

वायनेट की रिपोर्ट कहती है कि फिलिस्तीनी और सीरियाई लोगों

के अलावा दस लाख इराकी शरणार्थियों ने भी जॉर्डन की सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती बढ़ाई है। जॉर्डन के लिए घरेलू के साथ-साथ दूसरे देशों से संबंध भी चुनौती बन सकते हैं।

जॉर्डन और सीरिया के रिश्तों में असद के समय कड़वाहट देखी गई थी। ईरान भी इजरायल को मदद करने की वजह से जॉर्डन से नाखुश हैं। इसने जॉर्डन की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

सीरिया से आवाजाही पर बढ़ी निगरानी

सीरियाई शहर दरआ स्थित जॉर्डन का जबेर बॉर्डर क्रॉसिंग को दमिश्क में उथलपुथल के बाद बंद कर दिया गया है। जॉर्डन के गृह मंत्री माजिन अल फर्रेह ने कहा है कि केवल ट्रक और सीरिया से आने वाले जॉर्डन के नागरिकों को ही सीमा पार करने की अनुमति दी जाएगी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां जॉर्डन पर कड़ी नजर रख रही हैं। जॉर्डन के राजा, उनकी खुफिया और सैन्य संस्थाएं इस्लामिक आंदोलन के सदस्यों पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इस आंदोलन के जॉर्डन की संसद में 16 प्रतिनिधि हैं।

जॉर्डन के लिए एक चिंता यह भी है कि सीरिया की नई सरकार स्थिर होने के बाद जॉर्डन के विद्रोही गुटों से हाथ मिला सकती है। जॉर्डन सूत्रों ने चेतावनी दी है कि सीरिया के नए नेतृत्व के इरादे अस्पष्ट हैं और उन पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है। तुर्की और राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन की तैयारियों पर भी जॉर्डन की नजर है। इस बीच सीरिया के कुर्द विद्रोही तुर्की के निशाने पर हैं और ईरान भी एक बड़ा खतरा बना हुआ है। एक्सपर्ट का कहना है कि सीरियाई और इराकी शरणार्थी, ईरान का खतरा, सीरिया की नई सरकार के इरादे, तुर्की की भूमिका और आंतरिक इस्लामिक आंदोलन, ये सभी जॉर्डन के लिए चुनौती हैं। इससे जॉर्डन की सरकार के लिए आने वाला समय कठिन हो सकता है। ऐसे में फिलहाल उनको ज्यादा सतर्कता की जरूरत है।

'जॉय बांग्ला' अब नहीं होगा बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा

ढाका, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। 'जॉय बांग्ला' अब बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा नहीं होगा। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। बांग्लादेश हाईकोर्ट ने एक आदेश में बांग्लादेश के राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के लोकप्रिय जॉय बांग्ला को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हाईकोर्ट के 10 मार्च 2020 के फैसले के खिलाफ दो दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में अपील याचिका दायर की थी। मामले में मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को आदेश पारित किया। आदेश में कहा गया कि राष्ट्रीय नारा सरकार के नीतिगत निर्णय का मामला है और न्यायपालिका इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सुनवाई में सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल अनीक आर हक ने कहा कि इस आदेश के बाद जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा। उच्च न्यायालय ने 10 मार्च 2020 को 'जॉय बांग्ला' को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया था। कोर्ट ने सरकार को आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया था ताकि नारे का इस्तेमाल सभी राज्य समारोहों और शैक्षणिक संस्थानों की सभाओं में किया जा सके। इसके बाद 20 फरवरी 2022 को हसीना के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने इसे राष्ट्रीय नारे के रूप में मान्यता देते हुए एक नोटिस जारी किया और अवामी लीग सरकार ने 2 मार्च 2022 को एक गजट अधिसूचना जारी की।

पहली वर्षगांठ पर दौड़े सीएम भजनलाल

युवाओं के लिए कर दिए कई बड़े एलान

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार का एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में आज प्रदेशभर में रन फॉर विकसित राजस्थान रैली का आयोजन किया गया। जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शर्मा ने भी खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और युवाओं के साथ दौड़ लगाई। साथ ही सीएम भजनलाल शर्मा ने ऐलान किया कि राजस्थान में जल्द ही नई युवा और खेल नीति लाई जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह दौड़ आज हर जिले में हो रही है। ये दौड़ हमारी एकजुटता दिखाती है। हम चाहते है कि राजस्थान के युवाओं को दिशा मिले, अगर युवा आगे बढ़ेंगे तो राजस्थान विकसित होगा। खेलकूद के क्षेत्र में राजस्थान का गौरवमय इतिहास रहा है। अनेक खेलों में प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते है। हर साल 12 दिसंबर को रन फॉर विकसित राजस्थान का आयोजन होगा।

सरकार जल्द लाएगी नई युवा व खेल नीति

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के युवा और खिलाड़ियों को और बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रयासरत है। राजस्थान में जल्द ही नई युवा और खेल नीति लाई जाएगी। साथ ही प्रदेश में महाराणा प्रताप विश्वविद्यालय भी स्थापित किया जाएगा। जहां कोच तैयार किए जांएगे, जो जिला स्तर पर प्रतिभावान खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देंगे।

दुनिया के बेहतरीन कोच देंगे हमारे खिलाड़ियों को ट्रेनिंग

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान के टॉप 50 खिलाड़ियों को ओलंपिक के लिए तैयार करेगी। इसके लिए दुनिया के बेहतरीन कोच हमारे खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देंगे। ट्रेनिंग लेने वाले युवा ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन कर राजस्थान और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि जयपुर में एक्सीलेंस फॉर स्पोर्ट्स सेंटर भी स्थापित किया जाएगा, ताकि प्रदेश के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा में निखार का और मौका मिल सके।

राइजिंग राजस्थान में खेल विभाग ने किए 15 हजार करोड़ के एमओयू

सीएम भजनलाल ने कहा कि राजस्थान में युवाओं को खेल के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं मिले, इसके लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में खेल विभाग ने 15 हजार करोड़ रुपए के एमओयू किए हैं। इससे आने वाले समय में प्रदेश के युवा व खिलाड़ियों को और बेहतर सुविधाएं मिलेगी। राजस्थान खेलो इंडिया राष्ट्रीय यूथ गेम्स 2026 के मेजबानी की भी तैयारी कर रहा हैं। ऐसे न सिर्फ खिलाड़ियों और खेल का विकास होगा। बल्कि, प्रदेश के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप होगा।

मृतक एएसआई की पत्नी का छलका दर्द

सीएम को बचाते हुए मेरे पति शहीद हो गए, लेकिन वो मिलने तक नहीं आए

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के काफिले से जयपुर शहर में गलत दिशा में आ रहे एक वाहन के टकराने से सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह की मौत हो गई, जबकि चार अन्य पुलिसकर्मियों सहित छह लोग घायल हो गए।

हमें लिखित में आश्वासन चाहिए

मृतक सहायक उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह की पत्नी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधा है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मेरे पति मुख्यमंत्री को बचाते हुए शहीद हो गए, लेकिन CM साब मिलने तक नहीं आए। अगर मेरे पति उस समय वहां से हट जाते तो क्या होता, सरकार की तरफ से कोई नहीं आया हमारे पास, हमें लिखित में आश्वासन चाहिए।

गौरतलब है कि जगतपुरा में अक्षयपात्र चौराहे के पास गलत दिशा में तेज गति से आ रहा वाहन मुख्यमंत्री के काफिले की दो-तीन गाड़ियों से टकरा गया।

हादसे में काफिले में चले पांच पुलिसकर्मी एवं काफिले से टकराए वाहन में सवार दो लोगों सहित सात लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए वह तुरंत अपनी गाड़ी से नीचे उतरे और घायलों को जीवन रेखा अस्पताल ले गये और भर्ती कराया जहां गंभीर रुप से घायल एएसआई सुरेन्द्र सिंह को चिकित्सकों ने बचाने के प्रयास किए, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया।

वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनके काफिले से एक वाहन के टकरा जाने से हुए हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा है कि जयपुर में दुर्भाग्यपूर्ण वाहन दुर्घटना में सहायक पुलिस उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह के निधन एवं अन्य नागरिकों के घायल होने की घटना अत्यंत दुःखद है। शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि इस अपार दुःख की घड़ी में हमारी संवेदनशील सरकार मृतक के परिजनों एवं घायलों के साथ खड़ी है।

इस दुर्घटना के उपरांत संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि मेरी संवेदनाएं शोक-संतप्त परिवार के साथ हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि वह दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायल नागरिकों को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

हादसे के बाद नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा सहित कई जनप्रतिनिध एवं पुलिस के बड़े अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम पूछी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हादसे में अपने कर्तव्य की पालना करते हुए प्राण गंवाने वाले सुरेन्द्र सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं परिजनों को यह दुख सहन करने की हिम्मत दे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया पर कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में वाहन दुर्घटना से कई पुलिसकर्मियों एवं नागरिकों के गंभीर रुप से घायल होने की खबर अत्यंत दुखद हैं।

दौसा बोरवेल हादसा: दूध की बोतल लेकर रातभर बैठा रहा पिता

मां करती रही लाल की सलामती की दुआ, मगर सबको रुला गया आर्यन

दौसा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मुझे कुछ नहीं चाहिए... बस मेरा लाल मुझे सलामत ला दो...। आंखों में आंसू लिए आर्यन की मां गुड्डी देवी की जुबां पर बस यही शब्द थे लेकिन आर्यन को जिंदा नहीं निकाला जा सका। कालीखाड़ गांव में 3 दिन से बोरवेल में फंसे 5 साल के मासूम आर्यन को बुधवार देर रात करीब पौने बारह बजे बाहर निकाल लिया गया।

मौके से तुरन्त बच्चे को एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम युक्त एंबुलेस से दौसा जिला हॉस्पिटल ले जाया गया। बच्चे आर्यन को बाहर निकालने के लिए करीब 56 घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चला। वहीं, बच्चे के पिता जगदीश मीना रातभर हाथ में दूध से भरी बोतल लेकर बोरवेल के समीप इस उम्मीद में बैठे रहे कि तीन दिन से भूखे-प्यासे उनके लाल को कुछ खिला-पिला दूं। बच्चे की चिंता में मां की तबीयत बिगड़ गई।

एनडीआरएफ की टीम ने रात करीब 10 बजे एक बार फिर अम्ब्रेला उपकरण, रिंग उपकरण और रस्सी से बंधी हुई तीनों रॉड को बोरवेल में डाला और तीनों को एक साथ खींचते हुए मशक्कत के बाद बच्चे को बाहर निकाल लिया। इससे पहले बुधवार को दिनभर बोरवेल से करीब 6 फीट की दूरी पर ही 155 फीट का नया सुरंगनुमा गड्ढा खोदा जा रहा था। गौरतलब है कि आर्यन सोमवार दोपहर 3 बजे खेलते-खेलते खुले बोरवेल में गिर गया था।

पांच भाई-बहनों में आर्यन सबसे छोटा है। उसके एक भाई विजय की तीन साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। अब वे चार भाई और एक बहन हैं। पिता जगदीश कृषि के साथ मजदूरी भी करते हैं।

सूने मकानों की रैकी करके नकबजनी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

छह लाख के जेवर बरामद

चित्तौड़गढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। चंदेरिया थाना पुलिस ने 23 नवंबर को चंदेरिया उपनगरीय क्षेत्र में महेंद्र कुमार प्रजापत के मकान में हुई नकबजनी की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात भी बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि आरोपी दिन में सूने मकानों की रैकी करते थे और रात में वारदात को अंजाम देते थे। 23 नवंबर को महेंद्र प्रजापत अपने परिवार के साथ मुंडन संस्कार में बाहर गया था, इसी दौरान चोरों ने उनके मकान का रोशनदान तोड़कर अंदर प्रवेश किया और ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुरा ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद चंदेरिया पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो संदिग्ध हुलिए के आधार पर सूचना इकट्ठा कर आरोपियों की पहचान की गई और गंगरार थाने की नई आबादी निवासी इरफान मोहम्मद, चंदेरिया निवासी निसार मोहम्मद और मोहम्मद हनीफ को गिरफ्तार किया गया।

जानकारी के अनुसार आरोपी इरफान मोहम्मद पर पहले भी चोरी का एक मामला दर्ज है, जबकि मोहम्मद हनीफ पर आर्म्स एक्ट सहित चोरी के तीन मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के बाद अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

सीएम के काफिले में हादसा

इंटेलिजेंस का बहुत बड़ा फैलियर

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में जगतपुरा स्थित महल रोड पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में हुए हादसे पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सवाल उठाए है।

हनुमान बेनीवाल ने इस घटना को इंटेलिजेंस का बहुत बड़ा फैलियर करार दिया है। साथ ही उन्होंने आईजी पर भी कार्रवाई करने की मांग कर डाली है।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने एक्स पर लिखा कि जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में हुई वाहन दुर्घटना से पुलिस सहायक उप-निरीक्षक सुरेंद्र का निधन हो जाना व कुछ पुलिस कार्मिकों के घायल होने की घटना अत्यंत दुःखद है।

मेरी संवेदनाएं शोक-संतप्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं घायल नागरिकों को शीघ्रातिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

अरावली को बचाने के लिए गंभीर हुई सरकार

नई हिल पॉलिसी ड्राफ्ट किया जारी, 3 श्रेणियों में बांटे पहाड़

उदयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अरावली को बचाने के लिए हाइकोर्ट की सख्ती के उठाए मुद्दे पर पहली बार राज्य सरकार ने गंभीर होते हुए नई हिल पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी किया है। सरकार ने इस पर 20 दिसम्बर तक आपत्तियां व सुझाव मांगें हैं।

सरकार ने नई हिल पॉलिसी में पहाड़ों को तीन श्रेणी में बांटने के साथ ही 15 डिग्री से ऊपर निर्माण पूरी तरह से रोक लगा दी है। पहाड़ों पर आवासीय कॉलोनी प्लान को प्रतिबंधित किया है।

वहीं फार्म हाउस, एम्युजमेंट पार्क, रिसोर्ट निर्माण को नियमों में बांधा है। जलाशयों को बचाने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात कि पहाड़ों की श्रेणी के निर्धारण के लिए संबंधित स्थानीय निकायों को भारत सरकार की स्टेट रिमोट सेंसिंग एजेन्सी या उसके समकक्ष तकनीकी संस्था का सहयोग लेने के लिए पाबंद किया है।

यह एजेन्सी ही तय करेगी कि कौनसे पहाड़ पर निर्माण होगा? कितना होगा और कौनसे पूर्णतः निर्माण निषेध क्षेत्र होंगे। राजस्थान सरकार ने जलस्त्रोत बचाने के लिए कदम उठाए हैं। नदी-नालों व बावड़ी से निर्माण की दूरी तय की है।

ए श्रेणी के पहाड़ पर 8 डिग्री तक मास्टर प्लान व प्रचलित नियम के अनुसार भवन निर्माण होंगे। बी श्रेणी के पहाड़ों पर गतिविधियां रोकी हैं।

इसमें आवासीय कॉलोनियां नहीं बनेगी। फार्म हाउस, एम्युजमेंट पार्क, रिसोर्ट आदि के लिए भूखंड का न्यूनतम क्षेत्रफल तय किया है और उस पर महज 10 या 20 प्रतिशत निर्माण की ही स्वीकृति होगा। भवनों की अधिकतम ऊंचाई 9 मीटर तय की गई है। पहाड़ों पर बेसमेंट पर पूरी तरह रोक लगाई है। 40 प्रतिशत क्षेत्र में पेड़ लगाने की पाबंदी तय की है।

मध्यप्रदेश में समर्थकों संग प्रदर्शन करने जा रहे थे बीएपी विधायक

बॉर्डर पर पुलिस ने रोका, तीखी नोकझोंक हुई

बांसवाड़ा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पड़ोसी मध्यप्रदेश में कथित रूप से सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार के साथ एक डॉक्टर की बदसलूकी को लेकर रतलाम जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन के लिए जा रहे भारत आदिवासी पार्टी के कार्यकर्ताओं और बागीदौरा विधायक को पुलिस ने राज्य की सीमा पर ही रोक दिया। निकलने की अनुमति नहीं देने पर सरवन पुलिस के साथ इनकी तीखी नोकझोंक हुई। हालांकि बाद में सभी को बैरंग लौटना पड़ा।

गौरतलब है कि पिछले दिनों रतलाम जिले में हुए कथित अभद्रता के इस घटनाक्रम को लेकर बीएपी में आक्रोश रहा। इसे लेकर ज्ञापनों के जरिए डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग भी उठी। इसके बाद रतलाम में धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम था। इसके लिए बांसवाड़ा से बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल, बीएपी के हेमंत राणा आदि कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन में शामिल होने निकले, लेकिन राज्य के बॉर्डर पर सरवन पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोक दिया। इस दौरान मौके पर पुलिस के साथ कार्यकर्ताओं की खासी बहसबाजी हुई।

बेवजह पाबंद करवाकर वापस राजस्थान भेज दिया

बीएपी के प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश डामोर ने बताया कि वे स्वयं में प्रदर्शनकारियों में शामिल होने के लिए निकले, लेकिन बॉर्डर पर एमपी पुलिस ने निकलने नहीं दिया। डामोर ने बताया कि उन्हें पुलिस ने बेवजह पाबंद करवाकर वापस राजस्थान भेज दिया, जिससे पहुंच नहीं पाए। डामोर ने बताया कि हालांकि विधायक पटेल एवं अन्य पदाधिकारी बाद में दूसरे रास्तों से पैदल निकले और जैसे-तैस प्रदर्शन स्थल पर पहुंच गए।

मध्यप्रदेश पुलिस की ओर से चित्तौड़, गुजरात की तरफ से आने वाले समर्थकों को भी पहुंचने नहीं दिया गया। इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए बीएपी पदाधिकारियों ने मध्यप्रदेश सरकार और पुलिस के खिलाफ रोष जाहिर किया है।

किसानों का साथ देने धरना स्थल पहुंचे वैभव गहलोत

भाजपा सरकार पर साधा निशाना

जालोर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जवाई बांध के पानी पर हक निर्धारण की मांग को लेकर जारी किसान आंदोलन में कांग्रेस संगठन ने भी सहभागिता निभाई। कांग्रेस से लोकसभा प्रत्याशी वैभव गहलोत के नेतृत्व में पदाधिकारी किसानों के धरना स्थल पर पहुंचे। जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुपावत ने बताया कि लोकसभा प्रत्याशी वैभव गहलोत किसान महापड़ाव कार्यक्रम में पहुंचकर किसानों से मुलाकात की। साथ ही उनकी मांगों सहित समस्याओं को सुना।

एक साल हुआ बर्बाद: गहलोत

कांग्रेस नेता वैभव गहलोत ने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने जवाई पुनर्भरण योजना का पैसा स्वीकृति कर दिया था। टेण्डर भी जारी हो गए थे, लेकिन अभी तक भाजपा सरकार ने कार्य नहीं किया है। पिछला एक साल बर्बाद हो गया है। हमारी सरकार ने जवाई पुनर्भरण के लिए ठोस एवं वास्तविक कदम उठाए थे। अगर भाजपा सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की योजनाओं को अगर समयबद्ध तरीके से बढ़ाती तो यह समस्या उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतागण किसानों से वायदा करके गए थे। उन्होंने अपने भाषणों में जवाई नदी को पुनर्जीवित करने की बात कही थी, लेकिन जब नदी को पुनर्जीवित करने की बात आई तो वह सभी नेता मौन धारण कर बैठ गए है, मजबूरन किसानों को कई दिनों से आंदोलन करना पड़ रहा है, लेकिन अभी तक भाजपा के विधायक, सांसद एवं राज्य सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

वैभव गहलोत सहित सभी कांग्रेसजनों ने जिला कलक्टर जालोर से मुलाकात कर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा स्वीकृत जवाई पुनर्भरण योजना, माही का पानी जालोर लाने एवं जवाई नदी पुनर्जीवित करने के वादे पूरे करने के सबंध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की। इस अवसर पर जन अभाव निराकरण समिति पूर्व अध्यक्ष पुखराज पाराशर, जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, केश कला बोर्ड पूर्व अध्यक्ष महेंद्र गहलोत, प्रदेश महासचिव नैन सिंह राजपुरोहित, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेसी सवाराम पटेल, ऊम सिंह राठौड़, जुल्फिकार अली, ममता जैन, आहोर ब्लॉक अध्यक्ष वीरेन्द्र जोशी समेत कई वक्ताओं ने भी विचार रखे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराने पर दो हिस्सों में बंटी पिकअप

पैदल जा रही दो लड़कियों को बचाने के चक्कर में हादसा, तीन घायल

पिलानी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं के पिलानी कस्बे में सड़क पर पैदल चल रही दो लड़कियों को बचाने के चक्कर में पिकअप की सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली से टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि पिकअप के दो टुकड़े हो गए। इसमें सवार तीन युवक घायल हो गए। पैरों में गंभीर चोटें आने पर एक युवक को झुंझुनूं रेफर किया गया है। हादसा पिलानी में साबू कॉलेज के पास हुआ। घटना का सीसीटीवी सामने आया है।

पिकअप पिलानी बस स्टैंड की तरफ जा रही थी। इसी दौरान साबू कॉलेज के पास सामने से भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली आ रही थी। वहीं, पिकअप की साइड में दो लड़कियां पैदल चल रही थीं। उन्हें बचाने के चक्कर में पिकअप ट्रॉली से साइड में टकरा गई।

लड़कियां बाल-बाल बचीं

टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप के दो टुकड़े हो गए। हादसे में पैदल चल रही दोनों लड़कियां बाल-बाल बच गईं। पिकअप में पिलानी निवासी राजेश (30), झेरली निवासी सुनील (20), और धींधवा निवासी मनोज (23) सवार थे।पिकअप की कैबिन में फंसे तीनों युवक घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकालकर एम्बुलेंस से बिरला सार्वजनिक अस्पताल पहुंचाया। पिकअप को ड्राइव कर रहे राजेश के पैरों में गंभीर चोटें आने पर उसे झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। वहीं, सुनील और मनोज को प्राथमिक उपचार के बाद बिरला सार्वजनिक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

पेट्रोल पंप में आग लगाई, 500 रुपए को लेकर हुआ था सेल्समैन से विवाद; मारपीट कर नकदी-ज्वेलरी लूटी

अजमेर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर में 500 रुपए के विवाद में बदमाशों ने पेट्रोल पंप को आग लगा दी। आग लगाने से पहले बदमाशों ने सेल्समैन से मारपीट की और कैश-ज्वेलरी लूट ली। इसका सीसीटीवी भी सामने आया है। मामला क्रिश्चियनगंज थाना इलाके के लोहागल का का है। गनीमत रही कि पंप कर्मियों ने 35 सेकेंड में ही आग पर काबू पा लिया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

घटना के समय पेट्रोल पंप में कुल 50 हजार लीटर पेट्रोल-डीजल था। थाना प्रभारी अरविंद चारण ने बताया- लोहागल रोड पर देर रात पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था। पेट्रोल पंप अजमेर नगर निगम के पूर्व डिप्टी मेयर अजित सिंह के अभिमन्यु सिंह का है। पंप मालिक ने देवराज, दीपक उर्फ दीपू, देवकरण फौजी, देव, प्रदीप सोनी और खुशीराम फौजी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। आरोपियों को जल्द पकड़कर खुलासा किया जाएगा।

बस की टक्कर से 2 भाइयों समेत 3 की मौत

बांसवाड़ा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के खमेरा थाना इलाके में सड़क हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई। जिनमें 2 सगे भाई थे। तीसरा युवक इनका दोस्त था। इनमें छोटा भाई अपने बड़े भाई और दोस्त को बाइक पर छोड़ने के लिए जा रहा था।

दरअसल खमेरा थाना इलाके के सुवाला नरू गांव निवासी 3 युवक कन्हैयालाल (23) पुत्र केसरिया, उसका छोटा भाई भैरूलाल (21) और इनका दोस्त सेनिया (31) पुत्र शंभू तीनों बाइक पर जा रहे थे। गांव से 10 किमी दूर नरवाली मोड़ पर इनकी बाइक को निजी ट्रैवल्स की बस ने टक्कर मार दी।

हादसे के बाद वहां से गुजरे कुछ राहगीरों ने तत्काल खमेरा थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के कुछ ही देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों की जानकारी जुटाई। घायलों को एम्बुलेंस से घाटोल सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से तीनों को बांसवाड़ा रेफर किया गया। जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। भैरूलाल अपने भाई कन्हैयालाल और दोस्त सेनिया को बाइक से छोड़ने जा रहा जा था। ये दोनों खमेरा बस स्टैंड से अहमदाबाद की बस पकड़ने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही यह हादसा हो गया। परिजनों ने बताया कि भैरूलाल और सेनिया अहमदाबाद में मजदूरी करते थे। दोनों को खमेरा बस स्टैंड पर छोड़ने के लिए कन्हैयालाल गया था। इस दौरान बाइक भैरूलाल चला रहा था। सामने से बस ने टक्कर मार दी। कन्हैयालाल और भैरूलाल दोनों अविवाहित थे। इनके पिता केसरिया की करीब डेढ़ साल पहले मौत हो गई थी। अब घर में अकेली मां रह गई है।

टीजीएसआरटीसी तेलंगाना भर में स्थापित करेगी औषधालय

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों और राज्य भर के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अब अपनी बीमारियों के इलाज के लिए हैदराबाद के तरनाका स्थित आरटीसी अस्पताल में नहीं आना पड़ेगा। निगम राज्य के जिला मुख्यालयों में डिस्पेंसरी स्थापित करने की योजना बना रहा है। इसके लिए आवश्यक चिकित्सा स्टाफ और उपकरण भी खरीदे जा रहे हैं। हालांकि, ये डिस्पेंसरियां आपातकालीन स्थितियों में इलाज नहीं करेंगी और न ही महत्वपूर्ण उपचार उपलब्ध कराएंगी।

कारण यह है कि आरटीसी अस्पताल से जुड़े कुछ जिला केंद्रों में स्थापित डिस्पेंसरियों को अब अस्पताल में तब्दील किया जा रहा है। हालांकि निगम के पास यह योजना काफी समय से थी, लेकिन पता चला है कि निगम के पास पर्याप्त फंड न होने के कारण इस दिशा में कदम नहीं उठाए जा सके। हाल ही में, आरटीसी के प्रबंध निदेशक वी.सी. सज्जनार ने डिस्पेंसरियों की स्थापना और उन्हें अस्पतालों में अपग्रेड करने के लिए आवश्यक धनराशि का आवंटन सुनिश्चित किया था।

वर्तमान में, राज्य भर में कुल 14 आरटीसी डिस्पेंसरी हैं। इनमें से चार हैदराबाद में हैं। लेकिन, पता चला है कि कुछ डिस्पेंसरियों में डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ, उपकरण और दवाइयां पर्याप्त संख्या में नहीं थीं। हालांकि, अधिकारियों द्वारा सभी डिस्पेंसरियों में डॉक्टर नियुक्त करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा केवल आधा दर्जन डॉक्टरों को नियुक्त किया गया है, जबकि बाकी डॉक्टर और तकनीशियन आरटीसी द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं। वे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रहेंगे और सामान्य उपचार की पूरी श्रृंखला प्रदान करेंगे। हालांकि, आपातकालीन उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों को आरटीसी मुख्य अस्पताल या आरटीसी रेफरल सूची में निजी अस्पतालों में जाने तक बुनियादी उपचार प्रदान किया जाता है। साथ ही, इन औषधालयों में सभी प्रकार की दवाइयों का स्टॉक किया जा रहा है। इससे पहले, आरटीसी मुख्य अस्पताल में इलाज कराने वालों को हर बार दवाओं के लिए हैदराबाद आना पड़ता था। अब, इन औषधालयों में मुफ्त दवाइयां उपलब्ध कराई जाएँगी।

दूसरी ओर, जिला केंद्रों में औषधालय स्थापित करने के निर्णय के तहत, हाल ही में नागरकर्नूल जिले में एक औषधालय स्थापित किया गया है। राज्य के अन्य भागों में भी ऐसी सुविधाएं स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

'महत्वपूर्ण खनिजों और बहुमूल्य धातुओं के लिए भू-अन्वेषण' पर सेमिनार शुरू

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) के टैगोर ऑडिटोरियम में 'महत्वपूर्ण खनिजों और बहुमूल्य धातुओं के लिए भू-अन्वेषण' पर दो दिवसीय सेमिनार शुरू हुआ, जिसमें भूभौतिकीय अन्वेषण और अर्थव्यवस्था पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पर गहन चर्चा हुई। गुरुवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय के भूभौतिकी विभाग के सहयोग से एसोसिएशन ऑफ एक्सप्लोरेशन जियोफिजिसिस्ट्स (एईजी) द्वारा आयोजित इस सेमिनार में एक प्रदर्शनी भी शामिल थी, जिसमें भूभौतिकी में विविधता और प्रगति को प्रदर्शित करते हुए नवीन प्रौद्योगिकियों, अत्याधुनिक अनुसंधान और उद्योग अनुप्रयोगों को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में भाग लेते हुए पृथ्वी विज्ञान विभाग के पूर्व सचिव प्रो. हर्ष के गुप्ता ने भूभौतिकीय अन्वेषण के महत्व और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक वृद्धि और विकास को गति देने में महत्वपूर्ण धातुओं और कीमती खनिजों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वैश्विक महत्वपूर्ण खनिज और कीमती धातुओं के अनुसंधान और अन्वेषण में ओएनजीसी, जीएसआई, एनजीआरआई, एएमडी और अन्य केंद्र सरकार के पृथ्वी विज्ञान संस्थानों जैसे सरकारी संगठनों के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने में इन संगठनों के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को इन प्रयासों में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

ब्याज भुगतान पर रेवंत रेड्डी के दावों पर केटीआर ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने तेलंगाना की वित्तीय स्थिति के बारे में जनता को गुमराह करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी भारतीय राज्यों पर सांख्यिकी की पुस्तिका 2024 का हवाला देते हुए उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया कि तेलंगाना का ब्याज भुगतान प्रति वर्ष 50,000-65,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि क्या आपकी सरकार झूठ की फैक्ट्री है? आपकी कथनी और करनी दोनों ही झूठ है। झूठ और भ्रम से लोगों को धोखा देना ही आपकी नीति लगती है।

आरबीआई की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि 2023-24 के लिए तेलंगाना का ब्याज भुगतान 22,406 करोड़ रुपये है, जो प्रसारित किए जा रहे बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए आंकड़ों का सीधा खंडन करता है। रामा राव ने पूछा कि ये झूठ किसके लिए गढ़े जा रहे हैं? क्या ये पैसे दिल्ली ले जाने के लिए हैं या अपनी जेब भरने के लिए? उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के बयानों से साबित होता है कि उनकी शासन शैली धोखे पर आधारित है।

ग्रुप-II परीक्षा के लिए सख्त नियम लागू

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने 15 और 16 दिसंबर को दो सत्रों यानी सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे और दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित होने वाली ग्रुप-II सेवा परीक्षा के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर 200 मीटर की परिधि के आसपास किसी भी व्यक्ति के एकत्र होने के खिलाफ निषेधाज्ञा जारी की थी।

साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में फोटोकॉपी और इंटरनेट केंद्र बंद करने का निर्देश दिया। हालाँकि, पुलिस अधिकारियों, ड्यूटी पर तैनात सैन्य कर्मियों, उड़न दस्ते, शिक्षा विभाग के अधिकारियों और अंतिम संस्कार जुलूसों को इससे छूट दी गई थी।

'रेड वॉक' के साथ मनाया गया खुदरा कर्मचारी दिवस

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के हैदराबाद चैप्टर ने रिटेल कर्मचारी दिवस का आयोजन किया, जिसमें तेलंगाना के 30 से अधिक खुदरा विक्रेताओं के 2,500 से अधिक खुदरा कर्मचारियों ने गुरुवार को रेड वॉक के लिए एक साथ आए, जो हाईटेक सिटी के चारों ओर 1 किमी की एकता पदयात्रा थी। इस कार्यक्रम में जुम्बा सत्र और जीवंत नृत्य प्रदर्शन सहित कई आकर्षक गतिविधियां शामिल थीं, जिनका समापन 1 किमी की पैदल यात्रा के साथ हुआ।

आरएआई - हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष और नीरू के प्रबंध निदेशक अवनीश कुमार ने इसे भारत भर में किसी भी खुदरा निकाय द्वारा की गई एक अनूठी पहल बताया, जहां राज्य-आधारित खुदरा विक्रेता इतने बड़े पैमाने पर अपने कर्मचारियों के साथ इस दिन को मनाने के लिए आगे आए। आरएआई के उपाध्यक्ष और अपोलो फार्मेसीज के सीईओ जयकुमार ने कहा कि इस वर्ष के खुदरा कर्मचारी दिवस ने भविष्य के समारोहों के लिए एक मानक स्थापित किया है, जो खुदरा क्षेत्र को आगे बढ़ाने वाले मेहनती व्यक्तियों के लिए निरंतर समर्थन और मान्यता का वादा करता है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि आरएआई भारत में खुदरा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख संगठन है, जो खुदरा कारोबार के विकास को बढ़ावा देने तथा देश भर में उनके हितों की वकालत करने के लिए समर्पित है।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री ने की बीआरएस शासन के दौरान हुए विकास की सराहना

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना के विकास पर कांग्रेस के बयान को उजागर करते हुए आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री अवंती श्रीनिवास ने कहा कि तेलंगाना, विशेष रूप से हैदराबाद, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के शासन में तेजी से विकसित हुआ है। आंध्र प्रदेश के पूर्व पर्यटन मंत्री श्रीनिवास ने कहा कि कोई राज्य तभी निवेश प्राप्त कर सकता है जब वहां स्थिर सरकार हो।

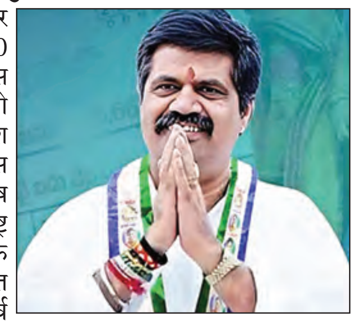

श्रीनिवास ने एक वीडियो में कहा कि पड़ोसी तेलंगाना में, 10 साल के बीआरएस शासन में, हैदराबाद ने तेजी से विकास किया है, जिसे यहां विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक रूप से साझा किया जा रहा है। पूर्व मंत्री ने निजी कारणों का हवाला देते हुए वाईएसआरसीपी छोड़ दी थी।

पार्टी से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने गुरुवार को आंध्र प्रदेश में मीडियाकर्मियों से बात की। उन्होंने इस कथन का भी खंडन किया कि यदि आंध्र प्रदेश पुनः एकीकृत हो गया तो तेलंगाना और भी पिछड़ा हो जाएगा। श्रीनिवास ने कहा कि इन आरोपों के विपरीत, हैदराबाद ने शानदार विकास किया है। यह मुख्य रूप से पिछले 10 वर्षों में स्थिर सरकार के कारण है।

यादगार होगा विद्यापति स्मृति पर्व का छठा आयोजन

> 15 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी महत्वपूर्ण हस्तियां

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला प्राचीनकाल से महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र के रूप में विख्यात रहा है। यह प्राचीन समय में विदेह राज्य की राजधानी थी। वर्तमान में यदि इसे रेखांकित किया जाए तो प्राचीन मिथिला क्षेत्र आज के बिहार, झारखंड एवं पड़ोसी देश नेपाल के भू-भाग में विभाजित है। यह विदेह या मिथिला राज्य पूर्व में कोशी, पश्चिम में गंडक, उत्तर में हिमालय और दक्षिण में गंगा नदी से घिरा माना जाता है। जो क्षेत्र जगत जननी माँ जानकी, भामती, भारती, मैत्रेयी, गार्गी आदि विदूषियों सहित जनक, याज्ञवल्क्य, अष्टावक्र, विद्यापति, गौतम, कनाद, मंडन, अयाची, शंकर आदि विद्वानों की जन्मभूमि होने के साथ ही विश्व के दो महान, धार्मिक एवं सम्मानित नामों गौतम बुद्ध और वर्धमान महावीर का ज्ञान क्षेत्र एवं कर्मक्षेत्र का धरोहर भी रहा है। मिथिला के महान विभूतियों को यथोचित सम्मान प्रदान करते हुए आने वाली पीढ़ी को उनके कृतित्व से रू-ब-रू कराने के उद्देश्य से प्रति वर्ष साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठान के रूप में मिथिला सामाजिक मंच के तत्वावधान में विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का आयोजन हैदराबाद में रहने वाले प्रवासी मैथिलों के मानस पटल पर अंकित मिथिला-मैथिली के उत्कर्ष का जीवंत प्रतीक है। यह बात मिथिला सामाजिक मंच के अध्यक्ष राम विनोद झा ने गुरुवार को कही। मंच की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि इस समारोह में मिथिला मैथिली के विकास के लिए सभी को दल, जाति, वर्ग और समुदाय से ऊपर उठकर एक मंच पर लाने का उनका प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि इस सांस्कृतिक अनुष्ठान में स्वतः स्फूर्त भाव से हैदराबाद एवं इसके आसपास के क्षेत्र में रहने वाले मैथिलों के संग अनेक साहित्यकार, गीतकार, शिक्षाविद, राजनेता, गायक और गायिका सहित संस्कृति कर्मी द्वारा एक मंच पर आकर अपनी गौरवशाली संस्कृति को जीवंत बनाने के लिए एकजुटता का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य शंभूनाथ झा ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन में नई पीढ़ी के कलाकारों एवं कवियों को अधिक अवसर प्रदान किए जाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस बार समारोह में मैथिली मंच के स्थापित कलाकार मिथिला रत्न अरविंद सिंह, वर्षा झा एवं उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। जबकि मंच की मुख पत्रिका नव जागृति का इस बार का अंक अनेक मायने में संग्रहणीय होगा। महासचिव रंजन कुमार झा ने कहा कि कवि कोकिल विद्यापति की पुण्य स्मृति में 15 दिसंबर को होने वाले विद्यापति स्मृति पर्व के छठे समारोह की विधिवत शुरुआत 15 दिसंबर को दोपहर बाद तीन बजे महाकवि विद्यापति के चित्र पर माल्यार्पण के साथ होगा। नवजीवन महिला मंडल रामकोट स्थित सरोजनी देवी नायडू हाल में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा की वरिष्ठ नेत्री के. माधवी लता एवं पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर बतौर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। जन संपर्क के द्वारा कार्यक्रम में आम व खास लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है।

हैदराबाद को जल्द ही मिल सकते हैं छह नए सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज

तकनीकी शिक्षा विभाग ने दिया है प्रस्ताव

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक संस्थानों में तकनीकी शिक्षा का विस्तार करने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा विभाग ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा में छह सरकारी पॉलिटेक्निकों को इंजीनियरिंग कॉलेजों में उन्नत करने का प्रस्ताव दिया है। अगले शैक्षणिक वर्ष से उन्नयन के लिए हाल ही में सरकारी इलेक्ट्रॉनिक्स संस्थान पूर्व मर्रेडपल्ली, सरकारी महिला पॉलिटेक्निक पूर्व मर्रेडपल्ली, जेएन सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज रमंतपुर, कुली कुतुब शाह सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज पुराना शहर, दुर्गाबाई देशमुख सरकारी महिला तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान अमीरपेट, और सरकारी महिला पॉलिटेक्निक (अल्पसंख्यक) बदंगपेट को प्रस्तावित किया गया है। वर्तमान में, राज्य भर में 57 सरकारी पॉलिटेक्निक हैं और 12 हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी जिलों में हैं। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान, सरकार ने कोसगी में सरकारी पॉलिटेक्निक को इंजीनियरिंग कॉलेज में अपग्रेड किया, जो राज्य का पहला सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज बन गया। इस कॉलेज ने सीएसई, सीएसई (एआई और एमएल) और सीएसई डेटा साइंस कार्यक्रम शुरू किए, जिनमें से प्रत्येक में 60 सीटें थीं और इन कार्यक्रमों में प्रवेश टीजी ईएपीसीईटी में प्राप्त योग्यता के आधार पर दिया जाता था।

हैदराबाद स्कूल में अराजकता

* विधायक ने की कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। छत्रिनाका पुलिस ने बुधवार को शमशीरगंज के एक निजी स्कूल में हुई मारपीट के सिलसिले में दो मामले दर्ज किए हैं। ये मामले भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अलग-अलग व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किए गए हैं।

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के विधायक बहादुरपुरा मोहम्मद मुबीन ने गुरुवार को स्कूल का दौरा किया और स्कूल के अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने स्थानीय पुलिस और स्कूल प्रबंधन से स्कूल के छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। विधायक ने सुझाव दिया कि स्कूल में छात्रों के बीच के मुद्दों को जल्दी से जल्दी सुलझाने के लिए एक समिति होनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि बाहरी लोगों को स्कूल के मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति न हो। विधायक ने बाद में पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और उनसे स्कूल में उपद्रव करने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। इस बीच, शमशीरगंज में स्थिति शांतिपूर्ण रही और स्कूल में पुलिस तैनात कर दी गई। बुधवार को शमशीरगंज के एक निजी स्कूल में तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब भीड़ ने स्कूल में घुसकर छात्रों के एक समूह की पिटाई कर दी। बताया जाता है कि बच्चों ने मंगलवार को दूसरे समुदाय के एक लड़के की पिटाई की थी।

एसीबी ने दागी सिंचाई इंजीनियर निकेश कुमार को लिया हिरासत में

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने सिंचाई विभाग के सहायक कार्यकारी अभियंता निकेश कुमार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की हिरासत में सौंप दिया। एसीबी ने अदालत से सिंचाई अधिकारी को हिरासत में देने का अनुरोध किया था, जिसे इस महीने की शुरुआत में उसके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। एसीबी अधिकारियों को निकेश कुमार और उनके परिवार के सदस्यों के पास 17 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति मिली, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक है। अधिकारियों ने संपत्ति का बाजार मूल्य आंका है, जिसमें एक विला, फ्लैट, भूखंड, कृषि भूमि और सोने के आभूषण शामिल हैं, जिनकी कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक है। एसीबी ने अधिकारी को हिरासत में लेने के बाद बैंक लॉकर खोले और उसमें रखे सामान और दस्तावेजों की जांच की।

निकेश को इससे पहले मई में एसीबी टीम ने पकड़ा था, जब उसने सिंचाई और राजस्व विभाग में कार्यरत तीन अन्य अधिकारियों के साथ 2 लाख रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की थी। गुरुवार को एसीबी की एक टीम चंचलगुडा केंद्रीय कारागार गई और निकेश कुमार को हिरासत में ले लिया, उसे एसीबी कार्यालय ले जाया गया जहां उससे पूछताछ की जाएगी।

कपास मिल में आग लगने से भारी नुकसान

कोत्तागुडेम, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सुजाता नगर मंडल के डेगालामादुगु गांव में स्थित एक कपास मिल में गुरुवार को आग लग जाने से मिल क्षतिग्रस्त हो गई चूंकि आग मिल के अंदर ही थी और कपास बाहर स्टॉक में थी, इसलिए कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। दमकलकर्मी मिल में पहुंचे और आग बुझाई।

कवाल में 13 से 15 दिसंबर तक होगा बर्ड वॉक फेस्टिवल

मंचेरियल, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन्नाराम मंडल केंद्र के पास कवाल टाइगर रिजर्व में 13 से 15 दिसंबर तक तीन दिवसीय बर्ड वॉक महोत्सव आयोजित किया जाएगा। वन अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उन्हें उम्मीद है कि राज्य, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के कई हिस्सों से 150 पक्षी प्रेमी, प्रकृति प्रेमी और वन्यजीव फोटोग्राफर कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रतिभागियों के लिए आवास, भोजन और परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतिभागी स्थानीय रूप से बैसन कुंटा, मैसाम्माकुंटा, गनिशेट्टीकुंटा के नाम से जाने जाने वाले परकोलेशन टैंकों और रिजर्व में स्थित गोंडुगुडा, कमनपल्ली और बारथनपेट गांवों के बेस कैंपों में रहने वाली विभिन्न पक्षी प्रजातियों को देख सकेंगे। उन्हें इन स्थानों पर आवास भी प्रदान किया जाएगा।

पीएम श्री केवी पिकेट में वार्षिक दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केवी पिकेट का बहुप्रतीक्षित वार्षिक दिवस समारोह गुरुवार को विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति में बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर शैलेंद्र सिंह, कमांडेंट, एओसी और विद्यालय के वीएमसी चेयरमैन ने प्रिंसिपल रुपिंदर सिंह के साथ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ की, जिसके बाद गर्मजोशी से स्वागत भाषण दिया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने मुख्य भाषण में समग्र विकास के महत्व पर जोर दिया और युवा प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता की सराहना की। दिन का मुख्य आकर्षण प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा प्रस्तुत जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम था। कार्यक्रम में नृत्य प्रदर्शन, संगीत प्रस्तुतियां और भाषणों का एक आकर्षक मिश्रण था, जिसमें रचनात्मकता, टीमवर्क और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन किया गया। पर्यावरण संरक्षण से लेकर सांस्कृतिक विविधता तक के विषयों को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। सम्मान समारोह का एक और मुख्य आकर्षण था, जहां शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मान्यता दी गई और उन्हें पुरस्कृत किया गया। उनकी उपलब्धियों का जश्न जयकारों और तालियों के साथ मनाया गया, जिससे कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के मूल्य को बल मिला। प्रधानाचार्य ने पिछले वर्ष की स्कूल की प्रगति और उपलब्धियों पर विचार करते हुए एक प्रेरक भाषण दिया और भविष्य के लिए दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कर्मचारियों, छात्रों और अभिभावकों को उनके अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया। पद्मजा रत्नाकर, पीजीटी अंग्रेजी, रचना शर्मा पीजीटी इतिहास, वर्जीनिया सुंदर राज, टीजीटी अंग्रेजी और जी ज्योति टीजीटी अंग्रेजी को दसवीं और बारहवीं कक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम में उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। कई अन्य शिक्षकों को रजत प्रमाण पत्र मिला। पी. नागलक्ष्मी, एचएम को शिक्षा मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन में उनके योगदान की सराहना में राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। वर्जीनिया सुंदर राज, टीजीटी अंग्रेजी, को स्कूल शिक्षा में नवाचार और प्रयोग को बढ़ावा देने वाले मास्टर माइंड कार्ड के माध्यम से भाषा सीखने की उनकी परियोजना के लिए एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

10 छात्रों ने राज्य कराटे प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

मंचेरियल, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के एक वर्ग काटा में लक्सेटीपेट के दस छात्रों ने स्वर्ण पदक जीते। गुरुवार को लक्सेटीपेट शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में ग्रैंड मास्टर राजामल्लू ने उन्हें सम्मानित किया। छात्र डी राज कुमार, डी शिव कुमार, जी अनिरुद्ध, डी ऋषिथ वर्मा, के मानविथ, पी आश्रित, एमडी अनस, जी मणिदीप, एस निखिल और जी अश्विथ शामिल थे। डी ऋत्विक ने इसी श्रेणी में रजत पदक जीता, जबकि डी मेघना, बी वरुण, ए सिरयालश्री, ए विनयालश्री को कांस्य पदक मिला।

रामपल्ली आर.एल.नगर स्थित परिहार परिवार द्वारा आयोजित एक शाम आईमाताजी के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए अमराराम, बाबुलाल सीरवी। अवसर पर भजनों का लाभ लेते हुए आयोजक सखाराम, कानाराम परिहार, सम्मानित अतिथि सोहनसिंह राजपुरोहित, प्रकाश, रमेश चौधरी, अमराराम, रुपाराम, मांगीलाल, रामलाल हाम्बड़, छज्जाराम सोलंकी व समाज बन्धु।

लंबे समय तक खेलने वाले नहीं हैं
रोहित शर्मा पर अबतक का सबसे बड़ा हमला

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ब्रिसबेन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में जीत की तैयारी में जुटी है. एडिलेड की हार के बावजूद भारतीय टीम के हौसले बुलंद हैं क्योंकि पिछले दौरे पर भी उसने गाबा का किला फतेह किया था. टीम इंडिया में पिछले दौरे की जीत को दोहराने का जुनून साफ दिखाई दे रहा है. लेकिन, इन सबके बीच भारतीय कप्तान को साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डैरिल कलिनन ने निशाने पर ले लिया है. उन्होंने रोहित शर्मा पर एक नहीं बल्कि दो बड़े आरोप लगाए हैं, जो कि उनकी बल्लेबाजी और शरीर के वजन से जुड़े हैं. कलिनन के मुताबिक रोहित लंबे समय तक खेलने वाले नहीं हैं.

सपाट पिचों पर ही खेल सकते हैं रोहित- कलिनन

बिग क्रिकेट लीग में नॉर्दन चैलेंजर्स टीम को कोच कर रहे डैरिल कलिनन ने Insidesport से खास बातचीत में पहले तो रोहित शर्मा की बल्लेबाजी पर सवाल उठाए. फिर उनके वजन पर. उन्होंने कहा कि हिटमैन रोहित सपाट पिचों के शहंशाह हैं. वो बस अपनी घरेलू पिचो पर ही रन बना सकते हैं.

डैरिल कलिनन ने आगे कहा कि उन्हें कभी नहीं लगता कि रोहित शर्मा ओवरसीज की पिचों के लिए परफेक्ट हैं. खासकर साउथ अफ्रीका के लिए तो बिल्कुल नहीं. वो बस घरेलू मैदान पर रन बना सकते हैं, जिसकी गवाही आंकड़े भी देते हैं. उन्होंने रोहित को बाउंस से होने वाली तकलीफ की ओर भी इशारा किया.

'लंबे समय तक खेलने वाले नहीं हैं रोहित शर्मा'

कलिनन ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के बीच तुलना करते हुए कहा कि भारतीय कप्तान ज्यादा ओवरवेट हैं. वो अब लंबे फॉर्मेट के खिलाड़ी नहीं क्योंकि उनकी फिजिकल कंडीशन वैसी नहीं है.

कलिनन ने टीम इंडिया का कप्तान बदलने की नीति की भी निंदा की. उन्होंने कहा कि पर्थ में जब टीम इंडिया को जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में 295 रन की बड़ी जीत मिली थी तो फिर रोहित को कप्तान बनाना उचित नहीं था. उन्होंने कहा कि रोहित के टीम में होने और ना होने से शायद ही कोई फर्क पड़ता दिख रहा है.

2030 में 6 देश करेंगे मेजबानी
2034 में सऊदी अरब में होगा फुटबॉल वर्ल्ड कप

खेल डेस्क,, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा देशों में खेला जाने वाला का खेल है. इसलिए हर 4 चाल पर होने वाले फीफा वर्ल्ड कप का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. फीफा ने 2026 के बाद उसके अगले दो एडिशन की मेजबानी का भी ऐलान कर दिया है. फुटबॉल को चलाने वाली सर्वोच्च संस्था फीफा ने बताया कि 2030 में स्पेन, मोरोक्को और पुर्तगाल को मेजबानी दी गई है. वहीं 2034 एडिशन की मेजबानी सऊदी अरब करेगा. बता दें फीफा वर्ल्ड कप का अगला एडिशन 2026 में होना है. इसके लिए अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको को मेजबानी सौंपी गई है.

फुटबॉल वर्ल्ड कप की मेजबानी सौंपने के लिए फीफा ने वर्चुअल कांग्रेस का आयोजन किया. इस दौरान फीफा के अध्यक्ष जियानी इनफैंटिनो ने 2030 और 2034 के मेजबानों का ऐलान किया. उन्होंने बताया कि 2030 एक या दो नहीं बल्कि 6 देश फीफा वर्ल्ड कप को होस्ट करेंगे. स्पेन, मोरोक्को और पुर्तगाल के अलावा एक-एक मैच साउथ अमेरिकी देश उरुग्वे, पैराग्वे और अर्जेंटीना को दिए गए हैं.

फीफा के ऐलान के साथ ये तय हो गया है कि फुटबॉल वर्ल्ड कप 100 साल बाद एक बार फिर से उरुग्वे में लौटेगा. इससे पहले उसने 1930 में फुटबाल वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी. इस खास मौके के सम्मान में ही फीफा ने उसे एक मैच आयोजित करने का हक दिया है. इसलिए उद्घाटन समारोह भी उरुग्वे में ही रखा गया है. फुटबॉल वर्ल्ड कप के 2034 एडिशन की मेजबानी सऊदी अरब को सौंपी गई है. यह दूसरी बार होगा जब खाड़ी देश में खेल के इस महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा. इससे पहले 2022 में कतर ने फुटबॉल वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुका है. ये अरब जगत का पहला देश था, जहां फीफा वर्ल्ड कप हुआ था. इसके बाद सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के लिए दावेदारी ठोकी. उसकी कोशिश थी कि 2030 की मेजबानी उसे मिल जाए लेकिन ऐसा नहीं हो सका.

2034 के एडिशन की मेजबानी के लिए बोली लगाने वाला सऊदी अरब अकेला देश था. सऊदी अरब के अलावा पहले इस रेस में ऑस्ट्रेलिया भी शामिल था लेकिन फिर ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी वक्त पर अपना नाम वापस ले लिया, जिसके बाद सऊदी अकेला दावेदार बचा. सऊदी अरब ने इस मेजबानी को पाने के लिए जमकर पैसे लुटाए. उसने दुनिया के सबसे मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अपने देश में खेलने के लिए बुलाया. स्टेडियम से लेकर तमाम इंफ्रास्टक्चर पर खर्च किए. इस दौरान वह लगातार मेजबानी की कोशिश करता रहा. अब जाकर उसे सफलता मिली है.

सिर्फ एक मैच जीतकर भी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच सकता है भारत

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसे-जैसे बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का एक-एक मैच खत्म हो रहा है, वैसे-वैसे वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का पॉइंट्स टेबल रोमांचक होता जा रहा है। इस समय डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की सबसे प्रबल दावेदार साउथ अफ्रीका है, जो पॉइंट्स टेबल में भी सबसे टॉप पर है। फाइनल की दूसरी टीम के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच टक्कर है। भारत को डब्ल्यूटीसी के फाइनल में सीधे तौर पर एंट्री के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बचे तीनों मैच जीतने होंगे।

हालांकि टीम अगर यह सीरीज 2-3 के अंतर से हार जाती है तो भी उसके पास फाइनल में पहुंचने का चांस होगा। यहां टीम को पाकिस्तान पर निर्भर रहना होगा और दुआ करनी होगी कि वो साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के दोनों ही मैच जीत जाए।

हालांकि यह एक मुश्किल काम है, लेकिन क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, जहां कुछ भी संभव है।

क्या चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी का टूटेगा सपना?
पीसीबी को लगेगा बड़ा झटका!

खेल डेस्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का शेड्यूल अभी सामने नहीं आया है। दरअसल जबसे भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया था।

उसके बाद से पाकिस्तान तिलमिला उठा है। पाकिस्तान ने भारतीय टीम को बुलाने के लिए हर संभव कोशिश की है, पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल के लिए मना कर दिया था लेकिन बाद में आईसीसी की बैठक में उसने हाइब्रिड मॉडल की शर्त इस बात पर मानी कि आगे भारत में जितने भी आईसीसी टूर्नामेंट होंगे उसमें भी पाकिस्तान के मैच भारत में नहीं बल्कि हाइब्रिड मॉडल के तहत दूसरे देश में कराए जाए।

वहीं अब इस टूर्नामेंट को लेकर आईसीसी के आखिरी फैसले का सभी को इंतजार है।

दूसरी तरफ आईसीसी अब पाकिस्तान को आखिरी डेडलाइन दे सकता है, जिसके बाद अगर पीसीबी ने नहीं माना तो पाकिस्तान को बड़ा जोखिम उठाना पड़ सकता है।

18 साल के गुकेश शतरंज के नए वर्ल्ड चैंपियन

सिंगापुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के डी गुकेश शतरंज की दुनिया में इतिहास रच दिया है. 18 साल के गुकेश शतरंज के नए विश्व चैंपियन बन गए हैं.

उन्होंने फीडे वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के फाइनल में गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर अपनी बादशाहत साबित की. भारतीय ग्रैंडमास्टर ने चीन के डिंग लिरेन को 14वीं बाजी में हराकर खिताब अपने नाम किया. गुकेश ने यह जीत काले मोहरों से खेलते हुए दर्ज की.

डोम्माराजू गुकेश ने वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतकर इतिहास में कई पन्ने जोड़ दिए हैं. वे शतरंज की दुनिया के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बन गए हैं. डी गुकेश ने इस जीत के साथ ही विश्व नाथन आनंद के एलीट

क्लब में एंट्री मार ली है. वे विश्व चैंपियन बनने वाले भारत के सिर्फ दूसरे शतरंज खिलाड़ी हैं. विश्वनाथन आनंद यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी हैं.

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी डिंग लिरेन के साथ 13 बाजियों के बाद 6.5-6.5 की बराबरी पर थे. 14वीं बाजी में डिंग लिरेन सफेद मोहरों से खेल रहे थे. ऐसे में उनका पलड़ा भारी माना जा रहा था. लेकिन डी गुकेश ने सारे कयासों को धता बताते हुए ना सिर्फ बाजी जीती, बल्कि सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का कारनामा भी कर दिखाया.

'खेल विधेयक को बजट सत्र में लाने की योजना'
बोले खेल मंत्री मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। खेल मंत्री मंसुख मंडाविया ने कहा कि उनकी योजना खेल विधेयक को संसद में अगले वर्ष बजट सत्र में लाने की है। मंडाविया ने यह भी कहा कि वह विधेयक में मामूली संशोधन भी कर रहे हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय खेल संघों में भारतीय खेल प्रशासकों को अपनी भूमिका निभाने का मौका मिल सके।

मंडाविया ने कहा, 'वह खेलों को प्रभावित नहीं होने देना चाहते हैं। 95 प्रतिशत चाहते हैं कि खेल विधेयक आना चाहिए, लेकिन कुछ खेल संघों के पांच प्रतिशत प्रतिनिधियों के संशय हैं, जिसे वह दूर करना चाहते हैं। 70 वर्ष की आयु के मामले में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जिन्हें दूर करने की जरूरत है।'

उदाहरण के तौर पर ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) के अध्यक्ष रंधीर सिंह को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने संबंध बनाने में 50 वर्ष का समय लगा। इतने वर्षों तक काम करने के बाद

ही वह ओसीए के अध्यक्ष बने। रंधीर ने ही उनसे कहा कि आयु और कार्यकाल के नियम को देखने की जरूरत है। इसमें संशोधन के बाद ही भारतीय खेल प्रशासक अंतरराष्ट्रीय खेल संघों में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

गाबा की पिच से मेल नहीं खा रहा विराट कोहली का मिजाज
साल भर के टेस्ट रिकॉर्ड ने बढ़ाई परेशानी

गाबा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर खेला जाना है. गाबा में दोनों टीमों की तैयारी जीत की है, ताकि सीरीज में बढ़त ली जा सके. भारतीय टीम की तरफ से इस सिचुएशन में उसके सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में एक विराट कोहली की भूमिका अहम हो जाती है. लेकिन, बात ये है कि गाबा की पिच से विराट कोहली का मिजाज मैच नहीं कर रहा. हम ये बात हवा-हवाई तौर पर नहीं कह रहे बल्कि ऐसा कोहली के टेस्ट क्रिकेट में साल भर के आंकड़ों को देखते हुए कह रहे हैं.

विराट कोहली के साल भर के टेस्ट रिकॉर्ड पर गौर फरमाएं, उससे पहले ये भी बता दें कि पूरे ऑस्ट्रेलिया में एक इसी मैदान पर उनके नाम शतक नहीं है. अब विराट कोहली शतक जड़ते हैं तो गाबा में उनकी बल्लेबाजी का इतिहास तो पलटेगा ही, ऐसा हुआ तो हो सकता है कि भारतीय टीम भी इतिहास दोहराने में सफल रहे.

भारत ने गाबा में खेला पिछला टेस्ट मैच जीता था.

गाबा की पिच से मैच नहीं कर रही विराट की बल्लेबाजी

हालांकि, ये सब होगा कैसे? ये बड़ा सवाल है. ये सवाल इसलिए है क्योंकि गाबा की पिच का मिजाज ही कुछ ऐसा है. पिच क्यूरेटर के मुताबिक गाबा की पिच पेस के अनुकूल होगी. उसमें पेस और उछाल होगा. अब अगर ऐसा है तो वो विराट कोहली की बल्लेबाजी से मैच नहीं कर रही. कम से कम साल 2024 के उनके टेस्ट रिकॉर्ड को देखकर तो यही लग रहा है. विराट कोहली के इस साल पेस और स्पिन के खिलाफ रिकॉर्ड देखें तो दोनों में से किसी को भी बेहतर नहीं कहा जा सकता. पेस के खिलाफ तो आंकड़े और भी खराब हैं, जो कि गाबा की पिच का असली नेचर है.

विराट ने पेस के खिलाफ साल 2024 में अब तक खेली 12 टेस्ट पारियों में 25.57 की औसत से 179 रन बनाए हैं. इस दौरान वो 7 बार आउट हुए हैं. वहीं स्पिन के खिलाफ 9 टेस्ट पारियों में उन्होंने 32.33 की औसत से 197 रन बनाए हैं और 6 बार आउट हुए हैं.

खराब प्रदर्शन के बाद भी इस खिलाड़ी को मिल सकता है तीसरे टेस्ट में मौका
उल्टा ना पड़ जाए दांव

गाबा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर होना है। इस मैच के लिए टीम इंडिया में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उम्मीद जताई जा रही थी कि एडिलेड में गेंदबाजी और बल्लेबाजी से फ्लॉप रहे अनुभवी स्पिनर आर अश्विन की जगह टीम वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग इलेवन में मौका दे सकती है। हालांकि अब खबर है कि टीम मैनेजमेंट अश्विन को एक और मौका दे सकता है।

अगर अश्विन का गुरुवार को भी नेट सेशन पॉजीटिव रहता है तो फिर उन्हें वॉशिंगटन सुंदर और यहां तक कि रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के ऊपर वरीयता मिल सकती है। अश्विन ने भारतीय बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल के खिलाफ नेट पर बल्लेबाजी करते हुए काफी समय बिताया। मोर्कल यहां क्रीज से दो गज दूर से गेंदबाजी कर रहे थे, ताकि अश्विन ब्रिस्बेन की पिच की स्पीड और

बाउंस को समझ सकें। अश्विन ने एडिलेड टेस्ट में सिर्फ एक विकेट झटका, जिसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि उन्हें तीसरे टेस्ट में मौका नहीं मिलेगा।

अश्विन ने की मोर्कल के खिलाफ बैटिंग

पत्रकार भरत सुंदरेसन द्वारा अपलोड किए गए वीडियो में मोर्कल को अश्विन के खिलाफ गेंदबाजी करते देखा जा सकता है। गाबा की पिच के बारे में बात करते हुए क्यूरेटर डेविड सैंडर्सकी ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा कि विकेट में जान है। साल के अलग-अलग समय में यह अलग-अलग होती है और इस बार भी एक अलग पिच देखने को मिल सकती है।

गाबा से जुड़ी हैं भारत की सुनहरी यादें

उन्होंने कहा, 'सीजन के आखिर में पिचें थोड़ी ज्यादा टूट-फूट वाली हो सकती हैं, जबकि सीजन की शुरुआत में पिचें थोड़ी ज्यादा फ्रेश होती हैं। आम तौर पर हम पिच को हर बार ठीक उसी तरह से तैयार करते हैं ताकि गाबा की पिच पर गेंदबाज को वही बढ़िया बाउंस और स्पीड मिल सके। हम बस गाबा की पारंपरिक विकेट बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जैसा कि हम हर साल करते हैं।' बता दें कि टीम इंडिया के पास 2020-21 के दौरे से गाबा की सुखद यादें हैं, जहां टीम ने इसी मैदान पर जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार कंगारू सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा किया था।

घुड़सवारी के खेल में घोड़े को एथलीट माना जाए या उपकरण?
उठे सवाल, क्या हैं पूरा मामला?

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय असल में ईएफआई के प्रशासन पर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उस पर निजी क्लबों और संस्थानों को मतदान का अधिकार देकर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है।

घुड़सवारी के खेल इक्वेसट्रियन में घोड़े को एथलीट कहा जाए या उपकरण, यह चर्चा का विषय बन गया है। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) उन्हें एथलीटों के साथ जोड़ना चाहता है, लेकिन घुड़सवारों ने ऐसी किसी चीज के लिए जोर देने के खिलाफ सावधानी बरतने का आग्रह किया है जो आगे चलकर चीजों को जटिल कर सकती है।

दिल्ली उच्च न्यायालय कर रहा सुनवाई

दिल्ली उच्च न्यायालय असल में ईएफआई के प्रशासन पर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उस पर निजी क्लबों और संस्थानों को मतदान का अधिकार देकर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला ईएफआई से मान्यता प्राप्त राजस्थान की इकाई ने दायर किया गया है जो चाहता

है कि यह अधिकार केवल राज्य संघों के पास हो।

ईएफआई ने असंबंधित दलील दी

एक सुनवाई के दौरान ईएफआई ने यह असंबंधित दलील दी जिसने खेल का अनुसरण करने वालों के साथ-साथ इसमें शामिल लोगों की भी रुचि जगाई। एशियाई खेल 1998, 2002 और 2006 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे राजेश पट्टू ने ईएफआई की पूरी दलील को खारिज करते हुए कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि घोड़ा एथलीट है या उपकरण क्योंकि वह भारतीय घुड़सवारी महासंघ के चुनावों में मतदान नहीं करने जा रहा है।'

घुड़सवार फवाद मिर्जा ने क्या कहा?

उन्होंने कहा, 'ईएफआई इस तरह की अप्रासंगिक दलील देकर अदालत का समय बर्बाद कर रहा है। इसका निर्वाचन मंडल से कोई लेना-देना नहीं है जो कि मुख्य मामला है।'

ओलंपिक (टोक्यो ओलंपिक 2021) के लिए क्वालिफाई करने वाले पहले भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने के पक्ष में हैं लेकिन उन्होंने इस तरह के कदम से आने वाली जटिलताओं के बारे में चेतावनी भी दी।

घोड़ों को एथलीट मानते हैं फवाद

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैं अपने घोड़े को एक एथलीट मानता हूं। मैं अपने घोड़े को एक पेशेवर और उच्च श्रेणी के एथलीट के रूप में देखता हूं। दूसरी ओर यदि आप उन्हें कानूनी चीजों के संबंध में, कानूनी व्यक्ति के रूप में, कानून के माध्यम से, या उन्हें पुरस्कृत करके मानवीय बनाने की कोशिश करते हैं तो यह काफी कठिन और जटिल हो जाता है।'

'मानवीय चीजों को कानून से न जोड़ें'

मिर्जा ने कहा, 'वे आखिरकार जानवर हैं और अगर आप मानवीय चीजों और विचारों तथा कानून को जोड़ने की कोशिश करते हैं तो मुझे लगता है कि यह स्थिति को जटिल बनाता है।' मिर्जा और पट्टू दोनों फिलहाल जर्मनी के सारब्रुकेन में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

घुड़सवारी खेल की अंतरराष्ट्रीय संचालन संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (एफईआई) का संविधान एथलीट को 'एफईआई प्रतियोगिता में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है। ऐसा व्यक्ति राइडर, ड्राइवर, लंगर या वॉल्टर तक सीमित नहीं हो सकता है।'

एफईआई का कानून क्या कहता है?

एफईआई के 2023 के कानून में घोड़े की नहीं बल्कि एथलीट की परिभाषा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एफईआई एथलीट और घोड़ों को अलग-अलग सूचीबद्ध करता है। ईएफआई भी एफईआई का एक सदस्य महासंघ है लेकिन ऐसा लगता है कि इसने इटली से सीख ली है जो कानून के माध्यम से घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने वाला पहला देश है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभाग समन्वय बनाकर काम करें : कोंडा सुरेखा

कोमुरावेली मल्लिकार्जुन स्वामी के कल्याणम और मेले का आयोजन करने के निर्देश

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को तेलंगाना की आध्यात्मिक संस्कृति और परंपराओं को प्रतिबिंबित करने के लिए सिद्दीपेट जिले चेरियाल में श्री कोमुरावेली मल्लिकार्जुन स्वामी के कल्याणम और मेलों का आयोजन करने का निर्देश दिया।

मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को मेले में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को देखते हुए किसी भी छोटी गलती से बचने के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। आज मंत्री ने डॉ. बी.आर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में देवदाय धर्मार्थ मंत्रालय के कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में सिद्दीपेट जिले के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिया। कार्यक्रम में राजस्व आयुक्त श्रीधर, सिद्दीपेट कलेक्टर मिक्कीलिनेनी मनु चौधरी, सिद्दीपेट पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारी, सहायक राजस्व आयुक्त बालाजी, सिद्दीपेट अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) अब्दुल हमीद, आरडीवीओ, कोमुरावेली मंदिर ईओ श्रीनिवास, आरटीसी डिपो प्रबंधक, डीएमएचओ, डीपीओ, जिला कल्याण पदाधिकारी, आर एंड बी, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, ग्रामीण जल आपूर्ति, अग्निशमन, उत्पाद एवं निषेध आदि के जिला स्तरीय अधिकारी शामिल रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री सुरेखा ने कहा कि मल्लिकार्जुन स्वामी के कल्याणम और जतारा का आयोजन पिछले वर्ष की तुलना में अधिक शानदार ढंग से किया जाएगा। मंत्री सुरेखा ने घोषणा की कि श्री मल्लिकार्जुन स्वामी का कल्याण 29 दिसंबर को सुबह 10.45 बजे होगा और मेला 19 जनवरी से 24 मार्च तक 10 सप्ताह तक आयोजित किया जाएगा। इस दिशा में मंत्री सुरेखा ने पुलिस, बिजली, स्वास्थ्य, आरटीसी, पंचायत राज, ग्रामीण विकास, ग्रामीण जल आपूर्ति, आरएंडबी और अन्य विभागों के अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने सुरेखा कलेक्टर को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है कि सभी विभाग समन्वय में काम करें ताकि भक्त कल्याण देख सकें और स्वामी के मंदिरों के दर्शन कर सकें और बिना किसी परेशानी के लौट सकें।

मंत्री सुरेखा ने ईवो को पिछले वर्ष के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए कल्याण मंच को व्यापक बनाने का आदेश दिया। मंत्री सुरेखा ने कोमुरावेली मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में चल रहे विकास कार्यों और अम्मावर बलिजा मेडालम्मा और गोला केतम्मा के लिए मुकुट बनाने के काम के बारे में जानकारी ली। मंत्री सुरेखा ने सिद्दीपेट डिपो प्रबंधक को इस दिशा में कदम उठाने की सलाह दी क्योंकि राज्य के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी श्रद्धालु कल्याण उत्सव और मेले के लिए बड़ी संख्या में आते हैं। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को भक्तों की कतार लाइनें, बैरिकेड्स, यातायात नियंत्रण, सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, वीवीआईपी के लिए विशेष दर्शन व्यवस्था, भक्तों के लिए मार्ग बताने के लिए साइन बोर्ड, पीने के पानी की सुविधा, चिकित्सा शिविर, स्तनपान कक्ष आदि की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। चूंकि मेले के समय गर्मी का मौसम आ रहा है, इसलिए वे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए छतरियां, पैदल रास्तों पर चटाई, बुजुर्गों, विकलांगों और गर्भवती महिलाओं के लिए बैटरी वाहन जैसी व्यवस्था की जानी चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया। मल्लिकार्जुन स्वामी के कल्याण और जातर को जनता को बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए। यह सुझाव दिया गया है कि भक्तों की मदद के लिए जहां भी आवश्यक हो, स्वयंसेवकों और आशा कार्यकर्ताओं की सेवाओं का उपयोग करने के लिए गतिविधियां तैयार की जाएं।

मंत्री ने अधिकारियों को प्रसादम की तैयारी में उच्चतम गुणवत्ता मानकों का पालन करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कलेक्टर को संस्कृति विभाग को मेले के सभी दिनों में शाम को कला मंडलों द्वारा ओग्गुकथा जैसे लोक कला रूपों को प्रदर्शित करने का निर्देश देने की सलाह दी।

सरकारी छात्रावासों में व्यवस्था नहीं सुधरी तो आंदोलन : आनंद गौड़

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गंधा जी. आनंद गौड़ ने कहा कि प्रदेश में छात्रों के सरकारी छात्रावासों में हर दिन कहीं न कहीं फूड प्वाइजनिंग की घटनाएं हो रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि रहने के लिए न्यूनतम सुविधाओं का अभाव, विभिन्न समस्याएं हो रही हैं, जिसके कारण छात्र मर रहे हैं और विभिन्न समस्याओं के साथ अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। सरकार और अधिकारियों की लापरवाही को जानते हुए सरकार ने यह विचार छोड़ दिया है कि गुरुकुलों में हो रही घटनाओं को कैसे ठीक किया जाए और मीडिया या प्रिंट मीडिया को पता न चले कि वहां क्या हो रहा है। बैनर लगाकर चेतावनी दी कि गुरुकुलों में राजनीतिक दलों या स्वयंसेवी संगठनों के प्रवेश पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी, अगर ऐसा नहीं हुआ तो सरकार को डरने की कोई बात नहीं है।

लेकिन क्योंकि वहां जो हो रहा है वह सच है, हर दिन कहीं न कहीं फूड प्वाइजनिंग हो रही है, फूड प्वाइजनिंग होने से रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए इसका कोई अंदाजा नहीं है, लेकिन हम गुरुकुल के सामने बैनर लगाकर किसी को भी गुरुकुल में प्रवेश करने से रोक रहे हैं। गुरुकुल में यह चेतावनी देना कि जो भी गुरुकुल में प्रवेश नहीं करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, यह सरकार के अत्याचारी रवैये को दर्शाता है। अच्छे भोजन सहित बुनियादी सुविधाओं में सुधार करने का प्रयास करें लेकिन स्थिति वहीं की वहीं है बिना किसी को पता चले बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना शर्म की बात है।

उन्होंने कहा कि अब भी सरकार को गुरुकुलों की स्थिति सुधारने और बच्चों के भविष्य की रक्षा के लिए युद्ध आधारित कदम उठाने चाहिए अध्यक्ष मट्ठ आनंद गौड़ ने सरकार से मांग की है कि अगर प्रदेश में हालात नहीं सुधरे तो गुरुकुलों में सुविधाएं नहीं सुधरीं तो सभी गुरुकुलों के सामने भाजपा ओबीसी मोर्चा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगा।

समाज को आध्यात्मिक मार्गदर्शन भगवद गीता के माध्यम से संभव : रघुनाथ

तिरुपति, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एचडीपीपी सचिव रघुनाथ ने कहा कि भगवद गीता में आध्यात्मिक मार्गदर्शन के माध्यम से समाज को सही रास्ते पर ले जाने की शक्ति है। टीटीडी हिंदू धर्म प्रचार परिषद के तत्वावधान में तिरुपति के अन्नामाचार्य कलामंदिरम में भगवद गीता श्लोक याद करने की प्रतियोगिता जीतने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भगवद गीता बताती है कि जन्म से लेकर मृत्यु तक समाज में आध्यात्मिक रूप से कैसे रहना है। उन्होंने कहा कि गीता का सार बुराई पर अच्छाई की जीत हासिल करना है। ऐसा कहा जाता है कि कम उम्र में भगवद गीता के श्लोकों का वैज्ञानिक तरीके से पाठ करना और इसके संदेश को समझना उन्हें भविष्य में ऊंचाइयों पर चढ़ने में मदद करेगा। प्रतियोगिताएं 18 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु के लोगों के लिए अलग-अलग आयोजित की गईं। एचडीपीपी प्रमुख ने इन श्रेणियों में पहले तीन विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इससे पहले तिरुपति राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चक्रवर्ती राघवन, समुद्राला दशरथ, रामकृष्ण शेष साईं, श्रीमती सुनीता, शेखर रेड्डी, श्रीनिवास राव, भाग्यलक्ष्मी ने गीता के गुणों पर व्याख्यान दिए। हिंदू धर्म प्रचार परिषद की कार्यक्रम समन्वयक कोकिला, छात्र और उनके माता-पिता और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

एनएफडीबी और राज्य मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन विभाग के विशेष मुख्य सचिव सब्यसाची घोष ने आज सचिवालय में एनएफडीबी और राज्य मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ अपने कक्ष में समन्वय बैठक की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पीएमएमएसवाई 2024-25 के तहत आवंटित धनराशि एसएनए-स्पर्श खाते में उपलब्ध है, जिसका उपयोग मार्च, 2024 के अंत तक किया जाएगा। येल्लमपल्ली जलाशय, मंचेरियल जिले में पीएमएमएसवाई-केंद्रीय क्षेत्र योजना 2024-25 के तहत 100 प्रतिशत अनुदान पर 25.00 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मुरैल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के लिए संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत करें। मेडचल-मलकजगिरी जिले के शमीरपेट झील में 2.0 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मनोरंजक मत्स्य पालन के लिए डीपीआर प्रस्तुत करें, एनएफडीबी से मत्स्य विभाग के साथ सुलह करके समूह दुर्घटना बीमा योजना (जीएआईएस) के तहत सभी लंबित बीमा मामलों को निपटाने का अनुरोध किया। एनएफडीबी ने गतिविधियों के विस्तार के लिए राजेंद्र नगर में एनएफडीबी कार्यालय भवन से सटे अतिरिक्त 10 एकड़ भूमि के आवंटन का अनुरोध किया। योजनाओं और वित्त पोषण के अवसरों के बारे में जागरूकता लाने के लिए 7 या 8 जनवरी, 2025 को एनएफडीबी में सभी जिला मत्स्य अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव है।

मछली की खपत को बढ़ावा देने और वाल्व जोड़े गए उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए फरवरी/मार्च 2025 के दौरान पीपल प्लाजा, नेकलेस रोड, हैदराबाद में संयुक्त रूप से (एनएफडीबी और मत्स्य विभाग) मछली महोत्सव 2025 आयोजित करने का प्रस्ताव है।डॉ बिजय कुमार बेहरा, मुख्य कार्यकारी, राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, हैदराबाद, पी. नेहरू, कार्यकारी निदेशक, एनएफडीबी और राज्य सरकार के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

कांग्रेस और बीआरएस सरकार में कोई अंतर नहीं : वेंकटेश्वरलू

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी के प्रदेश महासचिव कासम वेंकटेश्वरलू राज्य सरकार से रवैया से काफी खफा है। उन्होंने कहा किसानों के प्रति राज्य सरकार के दुर्व्यवहार का उदाहरण आज किसानों को हथकड़ी से बांधना है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास है कि उसने न केवल लगाचेरला के किसानों को जेल में डाला, बल्कि एक आदिवासी किसान को दिल का दौरा पड़ने पर अस्पताल भी नहीं पहुंचाया। यह बहुत घृणित कृत्य है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी का रैतू राज लाने का दावा पर पूरा तेलंगाना समाज हैरानी व्यक्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे उन्होंने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया हो। नाटकों को रोका जाना चाहिए और लोक प्रशासन चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने भी खम्मम जिले के किसानों पर बेड़ियां डालीं और उन्हें जेल में डाल दिया। कांग्रेस सरकार और बीआरएस सरकार में कोई अंतर नहीं है।

जागरूकता सम्मेलन में विधान परिषद व विधान सभा के सदस्यों ने भाग लिया

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधानमंडल और विधान सभा के सदस्यों के लिए विधान सभा प्रक्रियाओं और प्रक्रिया के नियमों पर जुबली हिल्स एमसीआरएचआरडी में दो दिवसीय जागरूकता सम्मेलन आज शाम आयोजित किया गया।

विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, तेलंगाना राज्य विधान सभा के अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार, उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदीराज, विधानमंडल मंत्री डी श्रीधर बाबू, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर गौड़, सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, विधान परिषद के मुख्य सचेतक पटनम महेंद्र रेड्डी और विधानमंडल सचिव डॉ.वी नरसिम्हाचार्युलु वित्त विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, एमसीआरएचआरडी विशेष मुख्य सचिव शशांक गोयल, विधानमंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस जागरूकता सम्मेलन में विधान परिषद के 17 सदस्यों एवं विधान सभा के 61 सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार ने एक नई परंपरा शुरू की है।

विधानमंडल के कर्तव्यों और प्रक्रियाओं पर विधायकों और एमएलसी के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आगे भी ऐसे अच्छे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। अगर सरकार सहयोग करेगी तो हम जल्द ही विधानसभा और विधान परिषद की सभी समितियों को पूरा कर लेंगे। इस मौके पर स्पीकर प्रसाद कुमार ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद पहली बार विधान परिषद और विधानमंडल के सदस्यों के लिए इस तरह का जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया गया। सदस्यों ने विधायी मामलों को जानने में रुचि के साथ भाग लिया। इस दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के माध्यम से आप विधान परिषद और विधान सभा में अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जानेंगे। उन्होंने कहा कि हमचाहे कितना भी सिद्धांत सीख लें, यदि हम उसे व्यवहारिक रूप से क्रियान्वित करेंगे तभी उसका मूल्य और वास्तविक पहचान होगी। आप जो सीखेंगे उसे भविष्य की बैठकों में लागू करने से आपको प्रतिष्ठा और सम्मान मिलेगा।

श्रीनिवास राव का वाईएसआरसीपी से इस्तीफा

अमरावती, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता और आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री एम. श्रीनिवास राव ने गुरुवार को व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए वाईएस जगन मोहन रेड्डी की पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं किया जाता है।

पार्टी से इस्तीफा देने के साथ वे भीमिली निर्वाचन क्षेत्र में वाईएसआरसीपी के मामलों की देखरेख की अपनी जिम्मेदारी से भी हट गए। उन्होंने दिए गए अवसरों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। श्रीनिवास राव ने आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष में पार्टी में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में वाईएसआरसीपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बहुत कुछ सहना पड़ा। बता दें कि इस साल 13 मई को हुए विधानसभा चुनाव में वाईएसआरसीपी को तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद ही चंद्रबाबू नायडू की सत्ता में वापसी हुई।

धरणी पोर्टल सेवा 15 तक बंद रहेगी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धरणी पोर्टल 12 दिसंबर को शाम 5 बजे से एक निर्धारित डेटाबेस संस्करण उन्नयन गतिविधि से गुजरेगा। इसी वजह से 16 दिसंबर की सुबह तक उन्नयन कार्य समाप्त होने की उम्मीद है। मिली जानकारी के अनुसार इस अवधि के दौरान, धरणी पोर्टल सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

आरटीसी कर्मचारियों के मामलों को सुलझाने के लिए समिति का गठन : मंत्री

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने खुलासा किया कि आरटीसी कर्मचारियों के बीच सेवा से संबंधित विभिन्न मामलों को सुलझाने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

यह तीन सदस्यीय समिति में श्रम रोजगार प्रमुख सचिव संजय कुमार के अध्यक्ष, आरटीसी एमडी सज्जनार और प्रजावाणी नोडल अधिकारी दिव्या सदस्यों के साथ काम करेंगी। यह कमेटी आरटीसी में कार्यरत कर्मचारियों के बीच पूर्व में नौकरी से हटाये जाने के मामलों की जांच करेगी। यह तीन सदस्यीय समिति प्रजावाणी में सेवा निष्कासन एवं आरटीसी से संबंधित अन्य मामलों की शिकायतों को बुलाकर समीक्षा करेगी। तीन सदस्यीय समिति मामले के गुण-दोष के आधार पर आरटीसी प्रबंधन को सिफारिश करेगी।

1000 किलोग्राम गांजा जब्त, 3 गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना-आंध्र प्रदेश सीमा पर एपी के अल्लूरी सीतारमा राजू जिले के कुनावरम में 1000 किलोग्राम वजन का गांजा जब्त किया गया और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए, चिंतूरू एएसपी पंकज कुमार मीना ने बताया कि कुनावरम पुलिस उपनिरीक्षक और कर्मचारियों ने बुधवार को जगावरम जंक्शन पर वाहन निरीक्षण करते समय एक ट्रक को रोका और जब उसकी जांच की गई तो उसमें 25 प्लास्टिक बैग में भरा गांजा मिला। गांजा बेचने वाले ओडिशा के मलकानगिरि जिले के कालीमेला ब्लॉक के एमवी81 गांव के श्यामल डे उर्फ सियामेल, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के ड्राइवर शेख सहआलम और शेख अख्तर को गिरफ्तार किया गया। एएसपी ने बताया कि जब्त गांजा का खरीदार दिनेश, जब्त वाहन के मालिक और गांजा परिवहन में मध्यस्थ मसादुल इस्लाम मोल्ला और मुकारिब हुसैन तथा दिल्ली से हरियाणा तक जब्त गांजा का परिवहन करने वाला कुमार उर्फ धीरज फरार हैं। जब्त किए गए गांजे की कीमत 50 लाख रुपये है। पुलिस ने ट्रक और चार मोबाइल जब्त कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि गांजा परिवहन का मार्ग कालीमेला-चिंतुरू-कुनावरम-भद्राचलम-हरियाणा था।

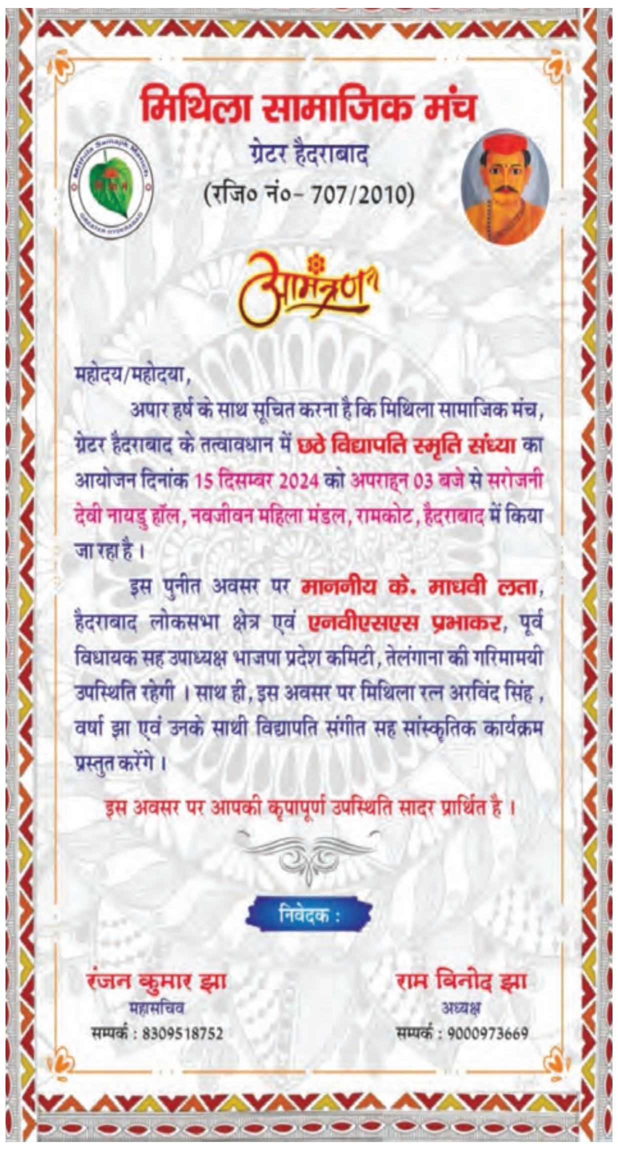

जीएम ने नागरसोल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने गुरुवार को नांदेड़ मंडल के नागरसोल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ नांदेड़ मंडल की मंडल रेल प्रबंधक नीति सरकार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। महाप्रबंधक ने नागरसोल रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुख-सुविधाओं और सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन के बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षा कक्ष, स्टेशन मास्टर कार्यालय और सर्कुलेटिंग एरिया का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा, जैन ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नागरसोल रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का भी निरीक्षण किया। मंडल अधिकारियों ने पुनर्विकास कार्य की प्रगति पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

महाप्रबंधक ने मंडल को काम में तेजी लाने की सलाह दी ताकि परियोजना को लक्षित तिथि तक पूरा किया जा सके। बाद में, जनरल ने नागरसोल-नांदेड़ सेक्शन में एक रियर विंडो निरीक्षण भी किया, जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से पूरे सेक्शन के ट्रैक रखरखाव और इलेक्ट्रिकल और सिग्नलिंग उपकरणों के सुरक्षा पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया।

लगातार बारिश ने झरने की खूबसूरती को बढ़ाया

तिरुमला, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्र तीर्थ मुक्कोटी हर साल कार्तिकेय के महीने में तिरुमला में मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण वार्षिक त्यौहार है, गुरुवार को मनाया गया। सात मुक्तिप्रद तीर्थों में से एक माना जाने वाला यह पवित्र चक्र तीर्थ, श्रीवारी मंदिर से कुछ मील दूर, शेषाचल पर्वतमाला के घने हरे-भरे जंगल में स्थित है। बुधवार से लगातार हो रही बारिश ने झरनों को पूरी तरह से जीवंत कर दिया है, जिससे भक्तों को एक शानदार नजारा देखने को मिल रहा है। तिरुमला मंदिर में दूसरी घंटी बजने के बाद मंदिर के कर्मचारियों की एक टीम धार के शीर्ष पर पहुंची और इस पवित्र स्थान पर स्थित श्री नरसिंह स्वामी और अंजनेया स्वामी की मूर्तियों के साथ चट्टानी पहाड़ी पर उत्कीर्ण श्री सुदर्शन चक्रत्तलवार का अभिषेकम सहित विशेष पूजा की और बाद में भक्तों को प्रसादम दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.